जबलपुर
सोमवार 27 जुलाई 2026
- आषाढ़ मास 'शुक्ल पक्ष-13
- वर्ष : 21, अंक : 86
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 28
न्यून. 23

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026

भारोत्तोलक ऋषिकांता सिंह ने भारत को दिलाया रजत पदक

'मन की बात' में गूंजी मप्र के जल संरक्षण की गूंज, पीएम मोदी ने की सीधी और नरसिंहपुर मॉडल की तारीफ

जनशक्ति बनी जलशक्ति: श्रमदान से 79 हजार से अधिक कंटूर ट्रेंच... हरियाली की 'नई उम्मीद'

- जल संरक्षण के साथ भूजल संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण को मिली नई दिशा
- सीधी-नरसिंहपुर में तालाब, बावड़ियां और नदियों के पुनर्जीवन पर विशेष अभियान

अनुरोध पटेरिया ▶▶ जबलपुर

अलग खबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मध्यप्रदेश के जल संरक्षण और भूजल संवर्धन के प्रयासों की जमकर सराहना की। 'कैच द रेन' अभियान पर चर्चा करते हुए उन्होंने विशेष रूप से सीधी और नरसिंहपुर जिलों में जनभागीदारी से किए गए अनुकरणीय कार्यों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से बारिश की हर बूंद को सहेजने को एक जन-आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज बचाई गई । हर बूंद, आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवाड़ी जिले की धार्मिक व पर्यटन नगरी ओरछा के कंचना घाट पर स्थानीय नागरिकों के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। मध्यप्रदेश सरकार के जल गंगा संवर्धन मिशन ने जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दे दिया है। अभियान के तहत जनभागीदारी, श्रमदान और स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भूमिका से प्रदेश में जल संरक्षण के उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं। नरसिंहपुर और सीधी जिले इस अभियान के प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं, जहां जल संरचनाओं के निर्माण के साथ हरियाली बढ़ाने का अभिनव प्रयास भी सफल होता दिखाई दे रहा है। नरसिंहपुर जिले में प्रशासन ने भूजल संवर्धन और वर्षा जल संरक्षण के लिए सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर कंटूर ट्रेंच (खंतियां) बनाने का अभियान चलाया। शुरुआत में 10 हजार ट्रेंच बनाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीणों के श्रमदान से 79 हजार से अधिक कंटूर ट्रेंच तैयार कर नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। विशेष बात यह रही कि यह पूरा कार्य बिना किसी अतिरिक्त सरकारी खर्च के जनसहयोग से पूरा हुआ।इन ट्रेंचों में फलदार प्रजातियों के बीज डाले गए हैं, जिनमें अब अंकुरण शुरू हो चुका है। आने वाले वर्षों में ये क्षेत्र हरित पट्टी के रूप में विकसित होंगे। गोटेगांव जनपद की श्रीनगर ग्राम पंचायत, चांवरपाठा की बरमान कला सहित कई स्थानों पर वर्षा जल का भराव शुरू हो गया है, जिससे भूजल स्तर में सुधार की उम्मीद बढ़ी है। कलेक्टर रजनी सिंह के नेतृत्व में जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालयों, शासकीय भवनों और सार्वजनिक परिसरों में सोखपिट तथा रूफ वाटर हार्वेस्टिंग जैसी संरचनाएं विकसित की गईं। अभियान में महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी ने इसे सामाजिक आंदोलन का रूप दिया।

नरसिंहपुर में खंतियां बनाकर भूजल संवर्धन का बेहतरीन प्रयास

सीधी में पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन पर फोकस

सीधी जिले में पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन पर विशेष फोकस किया गया। तालाबों की गाद निकासी, चोई की सफाई, बांधों से सिल्ट हटाने और सार्वजनिक स्थलों पर सोख्ता प्वॉइंट बनाने का कार्य जनसहयोग से किया गया। विधायक रीति पाठक के श्रमदान आह्वान पर कई प्राचीन बावड़ियों का जीर्णोद्धार हुआ। साथ ही हिरण और सुखा नदियों की सफाई कर जलधाराओं को पुनर्जीवित करने का अभियान चलाया गया। नरसिंहपुर के बरखेड़ा चौगान, भटरा, चिचली, खुर्सीपार और चांवरपाठा की बावड़ियों के जीर्णोद्धार ने भी जल संरक्षण को नई गति दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन प्रयासों से भूजल स्तर में वृद्धि, सिंचाई के लिए जल उपलब्धता और पर्यावरण संरक्षण को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल
TATA PLAY चैनल न. 1155
airtel चैनल न. 366

खबर संक्षेप

इस्तीफे के बाद चंपत राय की मौन साधना

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के

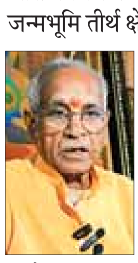

महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय ने देवशयनी एकादशी से चातुर्मास साधना शुरू कर दी है। वह अगले चार महीने तक अयोध्या में रहकर मौन व्रत, श्रीराम मंत्र का जप करेंगे। देवशयनी एकादशी से देवोत्थान एकादशी तक चलेगा।

प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय का पदभार

नई दिल्ली। छात्रों और विभिन्न राजनीतिक दलों के 36 दिनों के आंदोलन के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने

शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। रविवार को उन्होंने पदभार संभालते हुए अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक की।

ट्रक ने खड़ी यात्री बस को मारी टक्कर, 1 की मौत

सिवनी। लखनादौन थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर रविवार सुबह सड़क हादसा हो गया।

सिरमंगनी गांव के पास सड़क किनारे खड़ी एक यात्री बस को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कहानी निवासी देवेंद्र पटेल (40) की मौके पर ही मौत हो गई, 18 यात्री घायल हो गए। बस भोपाल से मंडला जा रही थी।

परीक्षा सुधारों पर पीएम मोदी का बड़ा ऐलान

पेपरलीक रोकने के लिए आज संसद में कठोर कानून लाएंगे

इंफोसिस को-फाउंडर नीलेकणी के नेतृत्व में टास्क फोर्स का गठन

प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा प्रणाली को भरोसेमंद, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाया जाना जरूरी है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, भरोसेमंद और आधुनिक बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पीएम मोदी ने शाम 7 बजे के करीब अपने सोशल मीडिया पर परीक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर नया वीडियो जारी किया। उन्होंने बताया कि परीक्षा सुधारों के लिए नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में हाई पावर्ड टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार छात्रों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने छात्रों के भविष्य से छेड़छाड़ की, वे आज जेल में हैं। पहले ही फास्ट-ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार संसद में ऐसे नए कानून की दिशा में भी आगे बढ़ रही है, जिसमें कड़े कानूनी प्रावधान शामिल होंगे।

पीएम ने सोशल मीडिया पर एक और वीडियो जारी कर दी जानकारी

- जिन लोगों ने छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वे जेल में
- परीक्षा प्रणाली में तकनीक और पारदर्शिता पर रहेगा जोर

जल्द ही आएगी टास्क फोर्स की रिपोर्ट

प्रधानमंत्री ने बताया कि यह टास्क फोर्स परीक्षा सुधारों पर काम करेगी। इसकी रिपोर्ट के आधार पर जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि आने वाली परीक्षाओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।

पिछले दो वीडियो में क्या रहे बड़े ऐलान

सबसे पहले 23 जुलाई की रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर 2 मिनट 56 सेकंड का वीडियो संदेश साझा किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि पेपर लीक से जुड़े मामलों के जल्द निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश भी दिया गया है। इसके अगले दिन 24 जुलाई को पीएम मोदी ने एक और वीडियो जारी कर कहा कि उन्हें पिछली रात लोगों से जुड़ने का अवसर मिला।

कौन हैं नंदन नीलेकणि?

घर-घर में जिन्होंने दिया 'आधार'

नंदन नीलेकणि का जन्म देश के आईटी हब कहे जाने वाले बंगलुरु शहर में 2 जून 1955 को हुआ था।

नंदन नीलेकणि

नीलेकणि ने अपने इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई आईआईटी बॉम्बे से पूरी की। खास बात यह है कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के दम पर आईआईटी बॉम्बे में दाखिला पाया था। वर्ष 1981 में उन्होंने एनआर नारायण मूर्ति और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इंफोसिस की स्थापना की।

दतिया उपचुनाव: आयोग के निर्देश पर एक्शन

6 थानों के प्रभारी समेत 14 पुलिस अफसरों के तबादले

पीएचक्यू ने जारी किए आदेश, कई अफसर भोपाल अटैच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल/दतिया

दतिया विधानसभा उपचुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के सख्त निर्देशों के अनुपालन में मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा चंबल-ग्वालियर अंचल तथा दतिया जिले में पदस्थ 14 निरीक्षक,उप निरीक्षक एवं अन्य पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के तत्काल प्रभाव से तबादले के आदेश जारी किए गए हैं।

गुड़ खिला रहे ऑटो ड्राइवर पर हाथी का हमला

अपनी सूंड से पटक कर कुचल डाला, इलाज के दौरान हुई मौत

महावत को हिरासत में ले लिया गया

इंदौर। एक दर्दनाक हादसे में हाथी के हमले से ऑटो ड्राइवर की जान चली गई। घटना शनिवार शाम राजनगर पुलिस चौकी के पास की है, जिसका वीडियो रविवार को सामने आया। मृतक की पहचान 49 वर्षीय विजय उर्फ लक्ष्मण राव होलकर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार हाथी को उज्जैन से जैन समाज के एक मांगलिक कार्यक्रम में इंदौर लाया गया था। कार्यक्रम के बाद महावत हाथी को इलाके में घुमाकर भिक्षावृत्ति करा रहा था। इसी दौरान ऑटो चालक विजय ने हाथी को रोककर गुड़ खिलाना शुरू किया, तभी अचानक हाथी भड़क गया। उसने विजय को सूंड से उठाकर जमीन पर पटका और फिर पैर से कुचल दिया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह हाथी को काबू में किया और गंभीर रूप से घायल विजय को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान रात मौत हो गई।

एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड

2 तस्कर गिरफ्तार, केमिकल व कारें जब्त, चार आरोपी फरार

नशा मुक्ति अभियान 2 .0के तहत गरोठ पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंदसौर

मप्र पुलिस के नशा मुक्ति अभियान 2.0 के तहत गरोठ थाना पुलिस ने अवैध एमडी ड्रग्स के निर्माण और तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने पावटी गांव में रणजीत सिंह के बाड़े पर अचानक दबिश देकर ड्रग्स बनाने की अवैध लैब का पर्दाफाश किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से दो

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

आरोपियों रणजीत सिंह (30) और ईश्वर सिंह (37) को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया, जबकि चार अन्य आरोपी पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गए। पुलिस ने मौके से 173 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स (कीमत 1.73 लाख) के साथ-साथ इसे बनाने में इस्तेमाल होने वाला भारी मात्रा में केमिकल जब्त किया है।

4700 करोड़ रुपए से तैयार हुआ

उद्घाटन के 12 दिनों में धंसा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर एलिवेटेड एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के महज 12 दिन बाद उन्नाव के कोरारी क्षेत्र में सड़क का 5 से 7 मीटर हिस्सा धंस गया। बारिश के कारण मिट्टी खिसकने से कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन में यह हादसा हुआ, जिसके बाद निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सपा नेता मधुसूदन यादव ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार एजेंसियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी इतने नए प्रोजेक्ट में आई खराबी पर चिंता जताई है। सूचना मिलते ही निर्माण एजेंसी की टीम ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त हिस्से का मरम्मत कार्य (पैच वर्क) पूरा किया और यातायात को सामान्य कराया।

- सपा नेता ने वीडियो जारी कर उठाए सवाल

एक सप्ताह में पूरा प्रदेश भीगेगा, पहले पूर्वी मप्र में जोर पकड़ेगी बरसात

प्रदेश में अभी सामान्य से 15 फीसदी कम बारिश

प्रदेश में कल से होगी तेज बारिश अगस्त की शुरूआत तक यह दौर

आज भोपाल सहित 3 दर्जन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी

हरिभूमि न्यूजःभोपाल। राजधानी सहित अधिकांश जिलों में मंगलवार से मौसम में फिर बदलाव होगा। इससे पूर्वी मप्र के अधिकांश जिलों में दिन के तापमान में तेजी से कमी आएगी। बीते तीन दिन से प्रदेश का औसत अधिकतम पारा 33 डिग्री के करीब रहा है, जिसमें अगले दो दिन में करीब से दो से तीन डिग्री तक की कमी आएगी। प्रदेश में रविवार तक सामान्य से औसतन 15 फीसदी कम बारिश हुई है। यह कमी काफी हद तक इस सप्ताह की बारिश में कवर होने की उम्मीद है। अभी पूर्वी मप्र में औसत से 18 और पश्चिमी हिस्से में औसतन 13 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई है। मंगलवार से पूर्वी मप्र में तेज बारिश का दौर इस कमी को कुछ हद तक कवर कर सकता है, जबकि पश्चिमी हिस्से में 28 से 29 जुलाई के बीच बारिश जोर पकड़ेगी। इससे अगस्त के पहले सप्ताह तक बारिश के आंकड़े कवर होंगे। मौसम केंद्र के अनुसार सोमवार तक दो दर्जन जिलों में बारिश होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब सिस्टम बन रहा है। इससे दो दिन बाद बारिश बढ़ेगी।

आज यहां हल्की से मध्यम बारिश

सोमवार तक भोपाल, विदिशा, सीहोर, राजगढ़, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दितया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, नरसिंहपुर, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा में कुछ जगह तेज बारिश की उम्मीद है।

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
बलराम कृषि महोत्सव
27 जुलाई, 2026 | नई कृषि उपज मंडी, खण्डवा
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की राशि
₹ 3300 करोड़+ का
82 लाख + किसानों को
अंतरण एवं संवाद
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण
आधुनिक खेती का मंत्र
उन्नत बीज, कृषि यंत्रीकरण, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई और डिजिटल कृषि सेवाओं की जानकारी
जैविक खेती से बढ़ेगी आय
प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि पर विशेष फोकस
जानकारी का एक मंच
कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता सहित विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी
विशेषज्ञों से सीधा संवाद
खेती की समस्याओं का समाधान, नई तकनीकों और बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी
मौसम के अनुसार खेती की तैयारी
मृदा स्वास्थ्य, मौसम आधारित खेती और जलवायु अनुकूल कृषि के टिप्स
D-11065/26
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

एक सप्ताह में भारतीय नाविकों से जुड़ी दूसरी बड़ी त्रासदी

काला सागर में व्यापारिक जहाज पर, एक हफ्ते बाद फिर हुआ हमला ओडेसा पोर्ट पर 2 भारतीय नागरिक हुए लापता, 2 को सुरक्षित निकाला

एजेंसी ▶▶ कीव

काला सागर के अशांत क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने का सिलसिला थम नहीं रहा है। यूक्रेन के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ओडेसा बंदरगाह पर हमले की चपेट में आए एक और मालवाहक जहाज एमवी एजीएन रैग्नर से दो भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं। इस घटना ने क्षेत्र में काम कर रहे भारतीय समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कीव स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि 25 जुलाई को हुए इस हमले के समय जहाज पर कुल चार भारतीय नागरिक मौजूद थे। स्थानीय अधिकारियों की मदद से चलाए गए राहत कार्य में दो भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि दो अन्य अब भी लापता हैं। भारतीय दूतावास ने स्पष्ट किया है कि वह लापता नाविकों की स्थिति का पता लगाने के लिए स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में है तथा खोज व बचाव अभियान तेज गति से जारी है। कीव में भारतीय दूतावास ने कहा है कि ब्लैक सी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लापता नाविकों का सुराग लगाने के लिए हर संभव प्रयास और स्थानीय अधिकारियों से समन्वय किया जा रहा है। ब्लैक सी क्षेत्र में केवल एक सप्ताह के भीतर यह भारतीय नाविकों से जुड़ी दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले ओडेसा पोर्ट से ही रवाना हुए एक अन्य व्यापारिक जहाज एमवी गोल्डन लियो पर हमला हुआ था। नागरिक जहाजों और निर्दोष नाविकों पर हो रहे हमलों की भारत सरकार ने कड़े शब्दों में निंदा की है।

4 में से 2 भारतीय सुरक्षित, बचाव अभियान जारी

जहाज पर 17 क्रू सदस्यों में 5 भारतीय शामिल थे

भारत सरकार का कड़ा रुख ,सुरक्षा के उपाय अपनाने को कहा

भारत ने जताई आपत्ति, कहा ये अस्वीकार

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार को बाधित करना और नागरिकों की जान जोखिम में डालना पूरी तरह अस्वीकार्य है। ओडेसा, यूक्रेन का सबसे बड़ा बंदरगाह होने के कारण अक्सर मिसाइल और ड्रोन हमलों के सीधे निशाने पर रहता है। भारत सरकार ने दोहराया है कि वह प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

सरकार ने उठाए बड़े कदम

नई सुरक्षा एडवाइजरी कर दी जारी

ब्लैक सी क्षेत्र में बढ़ते खतरों को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें सलाह दी है कि इस क्षेत्र में नौकरी का कोई भी प्रस्ताव स्वीकार करने या यात्रा करने से पहले वे वहां की सुरक्षा स्थिति का आकलन कर लें।

नाविकों और कंपनियों के लिए कड़े निर्देश

भारत सरकार ने भारतीय नाविकों और शिपिंग कंपनियों को स्पष्ट हिदायत दी है कि वे किसी भी जहाज पर नियुक्ति से पहले सभी सुरक्षा पहलुओं की जांच करें। इसमें रूट, सुरक्षा, बीमा और सुविधाओं की पूरी जानकारी लें।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा की अपील

व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की कड़ी निंदा करते हुए भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि निर्दोष नाविकों की जान जोखिम में डालना स्वीकार्य नहीं है और सभी पक्षों को समुद्री व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करना चाहिए।

खबर संक्षेप

कजाकिस्तान में सुरक्षित उतरा अंतरिक्ष दल

मॉस्को। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर आठ महीने बिताने के बाद अमेरिका और

रूस के अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल रविवार को कजाकिस्तान के विशाल मैदानी क्षेत्र में सुरक्षित रूप से उतर गया। नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स और रूसी दल के सदस्यों-सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव तथा सर्गेई मिकायेव अपने सोयुज एमएस-28 अंतरिक्ष यान से धरती पर लौटे। यह यान पैराशूट की मदद से सुरक्षित रूप से दक्षिण-पूर्व में निर्धारित क्षेत्र में उतरा।

नेपाल ने मान्यता का किया अनुरोध

काठमांडू। नेपाल सरकार ने भारत यात्रा पर जाने वाले अपने नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र को तीसरे वैध यात्रा दस्तावेज के रूप

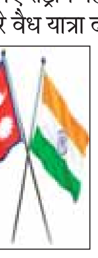

में मान्यता देने का अनुरोध भारत से किया है। आव्रजन विभाग के प्रवक्ता टीका राम ढकाल के अनुसार, यह प्रस्ताव राजनयिक माध्यमों से भारत सरकार को भेजा गया है। वर्तमान में नेपाली नागरिकों को हवाई यात्रा के लिए पासपोर्ट या नागरिकता प्रमाणपत्र की जरूरत होती है। मंजूरी दे देता है, तो मार्गों के लिए एनआईडी भी मान्य होगा।

रक्षा मंत्री ने पड़ोसी मुल्क को खूब सुनाई खरी-खरी

कारगिल विजय दिवस: राजनाथ बोले- अब पाकिस्तान से पीओके पर बात होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर करारा अटैक करते हुए कहा कि पड़ोसी मुल्क आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति का हिस्सा बना चुका है। कारगिल विजय दिवस के मौके पर राजनाथ सिंह ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। राजनाथ सिंह ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर अपने संबोधन में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह दिखाया है कि आतंकवाद के जरिए भारत को धमकाने की कोशिश करने वालों का क्या हश्र होगा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत, पाकिस्तान की हर दुस्साहसपूर्ण हरकत का ऐसे तरीके से जवाब देने में सक्षम है जो उसकी कल्पना से भी परे है। उन्होंने कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर 1999 के कारगिल युद्ध में भारत की जीत को भारत माता के मुकुट में जड़ा हीरा बताया। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में मई 2025 में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवाद के आकाओं और उनके समर्थकों को करारा झटका दिया। राजनाथ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि आतंकवाद के जरिए भारत को धमकाने की कोशिश करने वालों का क्या हश्र होगा।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर पाकिस्तान को सुना दिया

कारगिल युद्ध के समय भारतीय जवानों की वीरता ने इतिहास रचा था

सैनिकों का अदम्य साहस दिखा था कारगिल में

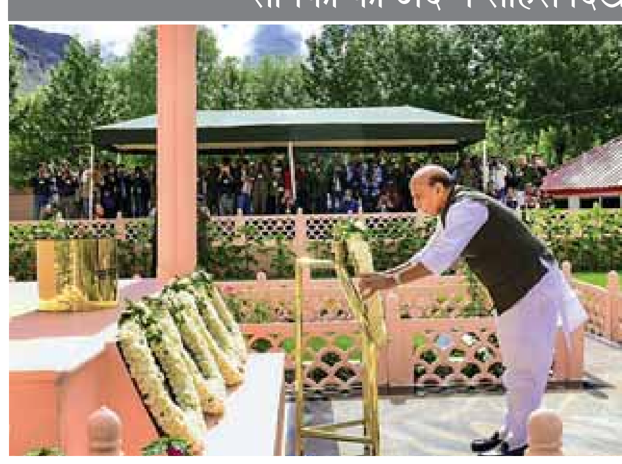

भारत और उसकी सशस्त्र सेनाएं पाकिस्तान की हर दुस्साहसपूर्ण हरकत का ऐसे तरीके से जवाब देने में सक्षम हैं जो उसकी कल्पना से भी परे है। उन्होंने कहा कि भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ उठाया गया कोई भी दुर्भावनापूर्ण कदम उसी अंजाम तक पहुंचेगा। कारगिल विजय दिवस भारत के 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की स्मृति में मनाया जाता है। यह वह सैन्य अभियान था, जिसे पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद कारगिल की रणनीतिक चोटियों पर दोबारा नियंत्रण लेने के लिए चलाया गया था और जिसका सफल समापन 1999 में आज के दिन हुआ था। रक्षा मंत्री ने कहा कि कारगिल में मिली विजय केवल सैन्य या कूटनीतिक सफलता नहीं थी, बल्कि हमारे सैनिकों ने अदम्य साहस और अद्वितीय वीरता का परिचय दिया था। मैं 27वें कारगिल विजय दिवस पर अपने वीर जवानों और उनके शौर्य को नमन करता हूं।

भारत डेटा सेंटर बन रहा, पाकिस्तान कट्टरपंथ का केंद्र

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा इरादा साफ है कि अब पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर कोई बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पीओके पर होगी, जो भारत का हिस्सा है जिसपर पाकिस्तान ने अवैध तरीके से कब्जा कर रखा है। पड़ोसी देश पर निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि जब भारत जहाजों का डिजाइन तैयार करने में जुटा है, तब पाकिस्तान आतंकवाद की रूपरेखा बनाने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि जहां हम मॉडर्न और नए-नए रास्ते तलाश रहे हैं, वहीं पाकिस्तान घुसपैठ के नए तरीके खोजने में जुटा हुआ है। आज भारत डेटा सेंटर बना रहा है, जबकि पाकिस्तान कट्टरपंथ के केंद्र बनाने में लगा हुआ है।

सेना प्रमुख सेठ ने दी श्रद्धांजलि

इससे पहले थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने यहां कारगिल युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) की अगुवाई में 'एरोहेड' (तीर के आकार) की संरचना में उड़ान भर रहे तीन हेलीकॉप्टरों ने युद्ध स्मारक पर आसमान से पुष्पवर्षा कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। शनिवार को यहां पहुंचे रक्षा मंत्री 'श्रद्धांजलि समारोह' के मुख्य अतिथि रहे।

लंबे समय बाद समझे राष्ट्रपति ट्रंप

13 दिन की बमबारी रोकी बोले- बातचीत ही... ठीक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लगातार 13 दिनों तक चले भीषण हवाई हमलों के बाद ईरान पर नए सैन्य हमले फिलहाल रोक दिए हैं। साथ ही दावा करते हुए कहा कि जंग से कोई समाधान नहीं होता है बल्कि बातचीत ही बेहतर समाधान हो सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस फैसले के पीछे कूटनीतिक प्रयासों को मौका देना, अमेरिका के मिसाइल डिफेंस स्टॉक में आ रही कमी और एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का खतरा मुख्य कारण रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सेना द्वारा नए हमलों की रूपरेखा तैयार किए जाने के बावजूद ट्रंप ने फिलहाल कोई नई सैन्य कार्रवाई न करने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि मौजूदा सैन्य दबाव अपनी प्रभावी सीमा तक पहुंच चुका है और आगे की कार्रवाई एक विनाशकारी युद्ध को जन्म दे सकती है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस समय ईरान के साथ कूटनीतिक समझौता करना अधिक समझदारी भरा रास्ता होगा। हालांकि, व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक अस्थायी विराम है और जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू की जा सकती है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने कहा कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही बाधित करता है।

ईरान के साथ समझौता करना ज्यादा समझदारी

ट्रंप का मानना है कि बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू किए बिना सैन्य कार्रवाई अपनी हद तक पहुंच गई थी। वो कूटनीति के लिए रास्ता बनाना चाहते हैं, ताकि अगर बातचीत नाकाम हो तो कम समय में दोबारा हमले शुरू किए जा सकें। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका पूरी तरह से तैयार है, लेकिन उनका मानना है कि ईरान के साथ समझौता करना ज्यादा समझदारी होगी उन्होंने कहा, हम इस समय उनसे बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, वो इसे लेकर ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं। हालांकि व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के डिनर में ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान तुरंत समझौता करने के लिए तैयार है, लेकिन वो बातचीत जारी रखना चाहते हैं।

अब देने होंगे 166 अरब डॉलर

अमेरिका को लौटानी पड़ रही है अवैध टैरिफ की बड़ी राशि

एजेंसी ▶▶ वॉलोन्गॉन्ग (ऑस्ट्रेलिया)

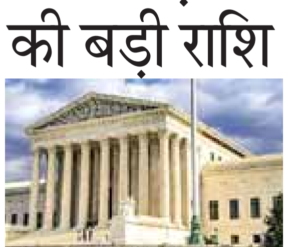

अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए आयात शुल्क (टैरिफ) को असंवैधानिक करार दिए जाने के बाद, अमेरिका अब विभिन्न वैश्विक कारोबारियों को 166 अरब डॉलर (लगभग 13.8 लाख करोड़ रुपये) की राशि 6 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस लौटा रहा है। इसमें से 85 अरब डॉलर से अधिक की राशि कंपनियों को पहले ही लौटाई जा चुकी है। फरवरी 2026 में उच्चतम न्यायालय ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा था कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है, क्योंकि कर और सीमा शुल्क तय करने का अधिकार केवल अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के पास है।हालांकि, रकम की वापसी से कारोबारियों को हुई व्यापारिक क्षति और अनिश्चितता की भरपाई नहीं हो पा रही है। छोटे आयातक बुरी तरह प्रभावित हुए, जिन्हें औसतन 3,06,000 डॉलर का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ा था।

ब्रिटेन की पूर्व गृहमंत्री प्रीति बोलीं-

नीरव मोदी को अब तक तो भारत की जेल में होना था

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन की पूर्व गृहमंत्री प्रीति पटेल ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के 14,000 करोड़ से अधिक के घोटाले के मुख्य आरोपी नीरव मोदी के अब तक भारत न भेजे जाने पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से स्तब्ध और बेहद चिंतित हैं कि भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक का वांछित अपराधी अब भी ब्रिटेन में ही बना हुआ है। एक पॉडकास्ट में प्रीति पटेल ने कहा कि अप्रैल 2021 में उन्होंने स्वयं गृहमंत्री रहते हुए नीरव मोदी के प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। यदि ब्रिटिश व्यवस्था प्रक्रियाओं और बहानों में उलझने के बजाय विवेक से काम लेती, तो नीरव मोदी को अब तक भारत में अपनी सजा काट कर होते। उन्होंने माना कि इस देरी की वजह से भारत

सरकार ब्रिटेन से काफी निराश और नाराज है। नीरव मोदी (55) इस समय लंदन की पेंटनविल जेल में बंद है। वह ब्रिटेन की अदालत से लेकर यूरोपीय मानवाधिकार अदालत तक अपनी सभी कानूनी और शरण संबंधी अपीलें हार चुका है। प्रीति पटेल ने कहा कि ब्रिटेन की व्यवस्था का यह खुला दुरुपयोग भारतीय न्यायिक प्रक्रिया और करदाताओं, दोनों का अपमान है।

पड़ोसी देशों में भी गूंजा आंदोलन

भारत के जेन-जेड को पाकिस्तान ने किया सैल्यूट कहा- यहां तो एक प्लेट बिरयानी में ही बिकते हैं

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

भारत के जेन-जेड (युवाओं) को अब तक सिर्फ मोबाइल, मीम्स और कम ध्यान देने वाली पीढ़ी माना जाता था, लेकिन हालिया छात्र आंदोलनों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया। पेपर लीक के मामलों को लेकर हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के आगे केंद्र सरकार को झुकना पड़ा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपना इस्तीफा देना पड़ा। इस पूरे आंदोलन में पारंपरिक नारों की जगह मीम्स, इंस्टा रील्स और छोटे वीडियो ही युवाओं के सबसे बड़े हथियार और सबूत बने। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नाम से प्रसिद्ध हुए इस आंदोलन की गूंज सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि पड़ोसी देश पाकिस्तान और श्रीलंका के युवाओं को भी इसने गहराई से प्रभावित किया। पाकिस्तान के लोगों ने कहा कि हमारे यहां तो युवा एक प्लेट बिरयानी पर बिक जाते हैं।

> पाकिस्तान ने कहा-हमें अपना देश चलाना मुश्किल हो रहा है ऐसे में हम फंडिंग कहां से कर पाएंगे?

जाति- धर्म से ऊपर उठकर चलाया गया आंदोलन

पाकिस्तान में इस आंदोलन की साहस और एकजुटता की जमकर तारीफ हुई। वहां के युवाओं ने माना कि भारतीय जेन-जेड ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर लड़ाई लड़ी, जो काबिल-ए-तारीफ है। पाकिस्तानी कॉन्टेंट क्रिएटर बिलाल हसन ने भारत में लगे पाकिस्तानी फंडिंग' के आरोपों पर तंज कसते हुए कहा, हमारे पास अपना देश चलाने के पैसे नहीं हैं, हम भारत का आंदोलन क्या फंड करेंगे? वहीं, पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून और स्थानीय युवाओं का मानना था कि 1980 के दशक में सैन्य तानाशाही द्वारा छात्र संघों पर लगाए गए बैन के कारण पाकिस्तान में ऐसा एकजुट आंदोलन खड़ा होना मुश्किल है। दूसरी ओर, 2022 में जन-आंदोलन देख चुके श्रीलंका में भी भारतीय युवाओं के इस जोश का स्वागत किया गया। चर्चित कार्टूनिस्ट अवंता आर्टिगाला ने सरकार और

'कॉकरोचों' पर व्यंग्य चित्र बनाए, तो वहीं मुंबई की रिया अहीर की पुलिस वैन के सामने खड़ी तस्वीर (जिसकी तुलना तियानआनमेन स्क्वायर के टैंक मैन से हुई) श्रीलंका के सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। इस आंदोलन ने साबित कर दिया कि आज की डिजिटल पीढ़ी सिर्फ सोशल मीडिया पर वक्त नहीं बिताती, बल्कि अपने अधिकारों के लिए इतिहास भी रच सकती है।

सेना की छापेमारी, हथियार जब्ती और गिरफ्तारियों के आदेश दिए

नेतन्याहू ने कहा- वेस्ट बैंक में कार्रवाई के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶ तेलअवीव

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच जारी तनाव के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का एक बड़ा और सख्त बयान सामने आया है। नेतन्याहू ने कहा है कि उनका देश कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बड़े स्तर पर सैन्य कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उनके इस बयान को क्षेत्र में चल रहे सैन्य अभियानों को और अधिक तेज करने के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों से बात करते हुए नेतन्याहू ने जानकारी दी कि सुरक्षा बलों को गांवों में घुसने, व्यापक तलाशी लेने, अवैध हथियारों को जब्त करने और संदिग्धों को गिरफ्तार करने के सख्त निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'आतंकी ठिकानों' के खिलाफ इजरायल व्यापक और कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। इस समय सेना का पूरा ध्यान क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने पर है। नेतन्याहू का यह आक्रामक बयान ऐसे समय आया है जब वेस्ट बैंक में इजराइली सेना की छापेमारी पहले से जारी है और इस दौरान इजराइली बस्तियों के लोगों द्वारा भी फिलिस्तीनियों पर हमलों की खबरें आ रही हैं। दूसरी ओर, जमीनी हकीकत बयां करते हुए यूथ अगेंस्ट सेटलमेंट्स के संस्थापक ईसा अमरो ने कहा कि कब्जे वाले इलाकों में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिक हर दिन हिंसा का सामना कर रहे हैं। जब भी कोई नागरिक अपने घर, परिवार या संपत्ति का बचाव करने की कोशिश करता है, तो उसे निशाना बनाया जाता है या हिरासत में ले लिया जाता है।

विरोध करने पर आम नागरिकों को निशाना बनाया

आतंकी ठिकानों को नष्ट कर इलाके पर नियंत्रण कसना है

सैकड़ों परिवार बेघर होने को मजबूर

अमरो ने चिंता जताते हुए दावा किया कि लगातार बढ़ते हमलों के डर से हाल के वर्षों में 20 से अधिक फिलिस्तीनी समुदाय अपने गांवों को पूरी तरह छोड़ चुके हैं और सैकड़ों परिवार बेघर होने पर मजबूर हुए हैं, जिसे उन्होंने 'जातीय सफाए' जैसा करार दिया। फिलहाल वेस्ट बैंक में स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। एक तरफ जहां इजरायली सेना अपनी कार्रवाई को और कड़ा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय आबादी की परेशानियां लगातार गहराती जा रही हैं। नेतन्याहू की इस ताजा चेतावनी के बाद अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में यह संघर्ष क्या नया मोड़ लेता है।

आईईडी के साथ मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जालंधर में विदेशी हैंडलर्स से जुड़ा बड़ा आतंकी मॉड्यूल ध्वस्त, विस्फोटक जब्त

विदेशी संपर्कों का पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी

एजेंसी ▶▶ जालंधर

पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) जालंधर और जालंधर देहात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर विदेशी आकाओं के इशारे पर काम करने वाले आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने आदमपुर के पड़ियाना गांव निवासी मुख्य आरोपी सतबीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इस सफलता की जानकारी देते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि पुलिस की सतर्कता से राज्य में एक

बड़ा आतंकी खतरा टल गया है।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने ढंडौर गांव के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध सतबीर सिंह को मोटरसाइकिल समेत रोका। जब उसके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें से 1.3 किलोग्राम वजनी एक खतरनाक आईईडी (विस्फोटक) बरामद हुआ। अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाने के मकसद से इस आईईडी में छर्रे और बॉल बेयरिंग भी लगाए गए थे। आरोपी अपनी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की जा रही काले रंग की प्लेटिना मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी प्रतिबंधित बीकेआई (बब्बर खालसा इंटरनेशनल) मॉड्यूल से जुड़ा है और उसे विदेशी हैंडलर्स से यह विस्फोटक खेप मिली थी। इस वारदात के पीछे छिपे पूरे आतंकी नेटवर्क, स्थानीय मददगारों और विदेशी संपर्कों का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस गहन जांच कर रही है। इस संबंध में थाना पतारा में भारतीय न्याय संहिता विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

प्रधान के इस्तीफे को देश के करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और युवाओं की जीत बताया

कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च सत्याग्रह की जगह विजय मार्च

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देश के करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और युवाओं की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की हठधर्मिता, अहंकार और तानाशाही रवैये का अंत आखिरकार शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसान आंदोलन के दौरान नरेंद्र मोदी सरकार को अपनी हठधर्मिता के आगे झुकना पड़ा था, उसी प्रकार आज देश के युवाओं के आक्रोश और लोकतांत्रिक संघर्ष के आगे भाजपा का अहंकार टूट गया है। यह छात्रों के संघर्ष, जनदबाव और लोकतंत्र की जीत है। उधर कांग्रेस द्वारा निकाला जाने वाला कैंडल मार्च सत्याग्रह बाद में विजय मार्च में बदल गया। यह मार्च व्यापमं चौराहे से प्रारंभ हुआ और बोर्ड आफिस चौराहा स्थित स्थित भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर समापन हो गया। इसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने हिस्सा लिया।

यह छात्रों के संघर्ष और लोकतंत्र की जीत: पटवारी

कांग्रेस का विजय मार्च।

विजय मार्च में यह शामिल

विजय मार्च में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री ओमकार मरकाम, विधायक आरिफ मसूद, मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, प्रदेश कांग्रेस महासचिव संजीव सक्सेना, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव अभिषेक शर्मा, प्रदेश कांग्रेस सचिव योगेंद्र सिंह चौहान, राजकुमार सिंह, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रोशनी यादव, जिला कांग्रेस पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षगण, कांग्रेस कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में छात्र-युवा साथी उपस्थित रहे।

छात्र-युवा शक्ति आंदोलनः देर आए, दुरुस्त आए

सरकार को काफी पहले वो कदम उठा लेने थे, जो अब उठाए हैं

रेल दुर्घटना के लिए जब तब के रेलमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने इस्तीफा दिया था, तब वे ट्रेन की ड्राइवर सीट पर नहीं थे। यह नैतिक आधार का सबब था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी यही माना जाता। परंतु विलंब ने इस आधार में पलीता लगा दिया। यह दबाव में लिया-दिया गया त्यागपत्र है, जिसने नीट घोटालों से नाराज छात्र-युवा शक्ति का आंदोलन तो समाप्त करा दिया, परंतु इसका लाभ अपेक्षा के अनुसार शायद ही मिले। खैर, देर आए, दुरुस्त आए। आंदोलनकारियों की मांगें स्वीकार कर ली गईं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई कड़े कदम उठाकर आश्वासन दिया है कि परीक्षाओं की पवित्रता सुनिश्चित की जाएगी। गड़बड़ी करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। फास्ट ट्रैक कोर्ट से अपराधियों को जल्द सजा और पीड़ितों को जल्दी न्याय मिल सकेगा। अब ठंडे दिमाग से विचार का भी समय है कि हिंसा किसी भी पक्ष की हो, स्वीकार नहीं की जा सकती। छात्र-युवा आंदोलन में राजनीति की घुसपैठ की कोशिशें भी उचित नहीं मानी जा सकतीं। सरकार को भी मामले की गंभीरता समझते हुए बहुत पहले वे सारे कदम उठा लेने थे, जो अब उठाए हैं। बहरहाल, अंत भला सो सब भला।

विजयदत्त श्रीधर
वरिष्ठ पत्रकार

सत्य और संघर्ष की हुई विजयः अरुण यादव

देश भर में चर्चा का विषय बने नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में लंबे समय तक चले छात्र आंदोलन और न्याय की मांग के बाद आए घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने इसे देश के करोड़ों युवाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों तथा उनके परिवारों के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने कहा कि देशभर के नीट अभ्यर्थियों, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे सभी विद्यार्थियों तथा युवा साथियों को इस संघर्ष में मिली सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जीत केवल विद्यार्थियों की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, सत्य, न्याय और जनशक्ति की जीत है। कांग्रेस हमेशा युवाओं, किसानों, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों तथा समाज के हर वंचित वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ सड़क से लेकर संसद तक उनकी आवाज़ बुलंद करती रहेगी।

किसी राजनीतिक दल की नहीं, छात्रों की जीत

पटवारी ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि न्याय की मांग कर रहे हर उस छात्र, अभिभावक और नागरिक की जीत है जिसने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ बुलंद की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहले दिन से ही छात्रों की आवाज़ को संसद से लेकर सड़क तक पूरी ताकत से उठाया। उन्होंने लगातार जवाबदेही तय करने की मांग की और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ संघर्ष किया। आज का घटनाक्रम उसी संघर्ष की जीत है। पटवारी ने कहा कि 21 मासूम बच्चों की मौत तथा उनके परिवारों का दर्द पूरे देश को आंदोलित कर रहा था। भाजपा शासनकाल में 152 से अधिक बार पेपर लीक हुआ। 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार इससे प्रभावित हुए हैं और 50 से अधिक परीक्षाओं का निरस्त होना यह साबित करता है कि भाजपा युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ करती रही है।

रिटायर्ड अधिकारी कर्मचारियों को मिले काल्पनिक पदोन्नति

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खाद एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आदेश का अनुसरण करते हुए समस्त विभागों अर्द्धशासकीय विभागों के अधिकारी कर्मचारियों एवं सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों को 2016 से काल्पनिक पदोन्नति दी जाए तथा उनको पेंशन में पुनरक्षित वेतन निर्धारण कर लाभ देन की मांग की है। मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय ने आदेश जारी करके विभाग के सहायक संचालक केएस पेड़ो को सेवानिवृत्ति के बाद उप संचालक के पद पर काल्पनिक पदोन्नति देकर पुनरीक्षित वेतन निर्धारण में लाभ देकर पेंशन में आर्थिक लाभ दिया है। उसी का अनुसरण करते हुए प्रदेश में पदोन्नति से वंचित सेवानिवृत हुए लाखों कर्मचारियों अधिकारियों एवं कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों को मध्य प्रदेश सरकार काल्पनिक पदोन्नति का लाभ दे जिससे सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों को पेंशन में आर्थिक लाभ हो सके एवं कार्य कर्मचारियों को पद एवं वेतनमान का लाभ हो सके।

प्रदेश के अतिथि शिक्षकों को एक साल में मिलेंगे 10 अवकाश

भोपाल। मप्र सरकार ने प्रदेश के अतिथि शिक्षकों को अवकाश को लेकर बड़ी राहत दी है। स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को अब स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत 90 हजार अतिथि शिक्षकों को आकस्मिक अवकाश की सुविधा मिलेगी। यानि अब हर अतिथि शिक्षक को अब साल भर में दस सीएल यानी आकस्मिक अवकाश मिलेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा है कि विभाग जल्दी ही इसके आदेश जारी करेगा।

सरकार शिक्षकों और विद्यार्थियों से जुड़े सभी विषयों पर अत्यंत संवेदनशील: मुख्यमंत्री

फास्ट ट्रैक कोर्ट में 3 माह में होगा परीक्षा जैसे अन्य गंभीर मामलों का निराकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र सरकार शिक्षक और विद्यार्थी वर्ग के कल्याण से जुड़े सभी विषयों पर अत्यंत गंभीर और संवेदनशील है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विद्यार्थियों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से देश की जनता के हित में जब भी कोई निर्णय लिया जाता है, मप्र उसे लागू करने और निर्णय के अनुरूप नीतिगत व्यवस्था बनाने वाला पहला राज्य होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मप्र विधानसभा स्थित सेंट्रल हॉल में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय की जरूरत है कि युवाओं से संबंधित न्यायिक फैसले द्रुत गति से हों। इसके लिए मध्यप्रदेश में 4 फास्ट ट्रैक कोर्ट्स (भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में) बनाये जाएंगे। पेपर लीक और परीक्षा सहित अन्य मामलों का फास्ट ट्रैक कोर्ट में मात्र 3 माह में निराकरण किया जाएगा।

फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन के केन्द्र सरकार के निर्णय का सबसे पहले मध्यप्रदेश में अमल शुरू

नीट पेपर लीक की खबर आते ही कार्रवाई की

1. युवाओं और विद्यार्थियों के कल्याण की चिंता हमारा कर्तव्य
2. मुख्यमंत्री ने विधानसभा परिसर में की मीडिया से चर्चा
3. युवाओं को तुरंत न्याय दिलाना आज के समय की जरूरत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में विद्यार्थियों के कल्याण और उनसे जुड़े सभी विषयों को लेकर बेहद सकारात्मक भाव हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही नीट पेपर लीक की खबर सामने आई, उसकी जांच के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की। प्रकरण दर्ज हुआ और देशभर में तेज गति से आरोपियों की गिरफ्तारियां भी की गई, फिर दोबारा नीट परीक्षा कराई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी सहानुभूति और संवेदना विद्यार्थियों के साथ है। हम हर परिस्थिति में विद्यार्थियों के साथ खड़े हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में नीट परीक्षाएं बेहतर और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हों, इसके लिए स्टैंडर्ड ऑफ प्रोटोकॉल्स (एसओपी) तैयार कर सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 देश में सबसे पहले लागू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा मप्र वह राज्य है, जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 देश में सबसे पहले लागू की गई। पिछले ढाई साल के कार्यकाल में राज्य सरकार ने 3 नए शासकीय विश्वविद्यालय शुरू किए हैं। प्रदेश में विकास की गतिविधियों को गति देकर तेजी लाने के साथ-साथ युवाओं और विद्यार्थियों के लिए कल्याण की चिंता कर इनके हित में निर्णय लेना भी हमारा कर्तव्य है। विद्यार्थियों के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय हमारी सरकार ले चुकी है और यह आगे भी लगातार जारी रहेंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में मेडिकल कॉलेज की संख्या दोगुनी से अधिक हो चुकी है।

नई पीढ़ी को पूर्व सीएम स्व. गोविन्द नारायण से सेवा-समर्पण की लेनी चाहिए सीखः सीएम डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता पाना नहीं, समाज का कल्याण करना है। आज की नई पीढ़ी को पूर्व मुख्यमंत्री स्व गोविंद नारायण सिंह के जीवन से सेवा, समर्पण और नैतिकता की सीख लेनी चाहिए। वे बेहद सरल जीवन और सहज व्यवहार के लिए प्रसिद्ध थे। जनता से उनका सीधा संवाद उनकी सबसे बड़ी शक्ति था। डॉ यादव ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व सिंह की जयंती पर शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व सिंह के परिजन उपस्थित थे। डॉ. यादव ने कहा कि स्व सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों और सामान्य नागरिकों की समस्याओं को निकट से समझा।

विधानसभा के सेंट्रल हॉल में अर्पित की पुष्पांजलि

स्व गोविंद नारायण को पुष्पांजलि अर्पित करते सीएम।

सिंह का कार्यकाल राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गोविन्द नारायण सिंह वर्ष 1967 में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने, जब प्रदेश की राजनीति एक नए दौर से गुजर रही थी। उन्होंने प्रशासन में जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास किया. लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप शासन चलाने की दिशा में कार्य किया। उनका कार्यकाल राजनीतिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है।

सादगी, निष्पक्षता से बनाई समाज सेवा के क्षेत्र में पहचान

सीएम ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व गोविंद नारायण राज्य में तत्कालीन संविद सरकार की राजनीति के केंद्र बिंदु थे। सिंह ने राजमाता सिंधिया के कार्यकाल में जनता की आवाज बनकर यह भरोसा दिलाया था कि पक्ष हो या विपक्ष, अब राजनीति में बदलाव का समय है। डॉ यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्षों की जयंती और पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम कराने की उत्कृष्ट पहल की है।

'मन की बात' में वीर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

पीएम ने की कोरबा में जल संरक्षण को लेकर किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण को विकसित भारत की मजबूत नींव बताया।

प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया और देशवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। साथ ही छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए युवाओं की नवाचार क्षमता और वैज्ञानिक सोच को देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश केवल प्रेरणादायी नहीं, बल्कि जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण की दिशा तय करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

'हर घर तिरंगा' और 'एक पेड़ मां के नाम' का शुभारंभ

कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री ने 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ करते हुए ग्रामीणों को तिरंगा भेंट किया और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश दिया। इसके बाद प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने जनअभियानों के प्रति लोगों के उत्साह को भी दर्शाया।

'नीट' में सफल होने वाले छात्रों को किया सम्मानित

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने छह हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र वितरित कर उन्हें भूमि पर वैधानिक अधिकार प्रदान किए। इसके साथ ही नीट-2026 परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की सफलता पूरे समाज के लिए प्रेरणा है और ऐसे विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

सावन माह में भोमरदेव, डोंगरिया और बूढ़ा महादेव पहुंचेंगे श्रद्धालु

कांवड़ियों और पदयात्रियों की सुरक्षा को लेकर कबीरधाम पुलिस के कड़े इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कबीरधाम

सावन माह में छत्तीसगढ़ के भोरमदेव, डोंगरिया और बुढ़ा महादेव धाम पहुंचने वाले हजारों कांवड़ियों और पदयात्रियों की सुरक्षा को लेकर कबीरधाम पुलिस ने इस बार व्यापक सुरक्षा एवं ट्रैफिक प्रबंधन योजना तैयार की है।

पूरे यात्रा मार्ग पर 500 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, होमगार्ड जवान और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है। वहीं, ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। पुलिस के अनुसार, यात्रा मार्ग को आठ सेक्टरों में विभाजित कर पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है। इसके लिए आठ सेक्टर पेट्रोलिंग वाहन लगातार गश्त करेंगे। साथ ही, प्रमुख मार्गों और प्रवेश बिंदुओं पर आठ चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहां सुरक्षा जांच और निगरानी की जाएगी। कंट्रोल रूम से मिलने वाली सूचनाओं के आधार पर पुलिस टीम तत्काल कार्रवाई करेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित आवागमन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्जन प्लान भी लागू किया है। श्रावण माह के प्रत्येक रविवार और सोमवार को भोरमदेव रोड पर सामान्य वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। इस दौरान सभी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा, ताकि कांवड़ यात्रियों और पदयात्रियों को निर्बाध एवं सुरक्षित मार्ग मिल सके।

यातायात नियमों का पालन करने की अपील

यात्रा मार्ग के अंधे मोड़ों, ढलान, चढ़ाई वाले हिस्सों तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर विशेष ट्रैफिक पिकेट लगाए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर भारी वाहनों की आवाजाही भी अस्थायी रूप से रोकी जाएगी। पुलिस ने श्रद्धालुओं से सड़क के किनारे चलने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके। पुलिस का अनुमान है कि श्रावण मास के पहले सोमवार 3 अगस्त, को श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ उमड़ेगी। इसे देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। सुबह से ही पुलिस अधिकारी और जवान ट्रैफिक नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन, मार्गदर्शन तथा आपातकालीन सहायता के लिए यात्रा मार्ग पर सक्रिय रहेंगे।

संदिग्ध गतिविधियों की पुलिस को दें सूचना

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल और अमित पटेल ने श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से अपील की है कि यात्रा के दौरान प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी दुर्घटना, आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल-112 या निकटतम पुलिस थाने को दें। कबीरधाम पुलिस ने कहा है कि पूरे सावन माह के दौरान सेवा, सुरक्षा और समर्पण की भावना के साथ प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहेगी।

शराब दुकान के पास खड़े मैजिक वाहन में लगाई आग, वाहन जलकर खाक

मैजिक में नमकीन की दुकान संचालित करता थी पीड़ित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिले के पेंड्रा के अमरपुर रोड स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के पास खड़े एक मैजिक वाहन में संचालित चखना दुकान को अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया।

घटना देर रात की बताई जा रही है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार मैजिक वाहन में चखना दुकान संचालित की जा रही थी। देर रात अचानक वाहन में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना नगर पालिका परिषद पेंड्रा की फायर ब्रिगेड टीम को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक मैजिक वाहन का सामने का हिस्सा पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। प्रारंभिक तौर पर आगजनी की घटना को अज्ञात लोगों की करतूत माना जा रहा है। पीड़ित वाहन मालिक ने पेंड्रा थाने में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' महानाट्य में शामिल हुए लोक निर्माण मंत्री

डॉ. हेडगेवार का जीवन राष्ट्र निर्माण, संगठन शक्ति और समर्पण की प्रेरणा हैः मंत्री राकेश सिंह

जबलपुर। किसी भी व्यक्ति के कार्यों का सही मूल्यांकन उसके विचारों और उनके दीर्घकालीन प्रभाव से होता है। डॉ. हेडगेवार ने अपने 51 वर्ष के जीवन में मात्र 15 वर्षों के संघ कार्य के माध्यम से जिस संगठन की नींव रखी, वह आज विश्व के लिए आश्चर्य का विषय है। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जैसे महान व्यक्तित्व के बारे में बोलना सौभाग्य के साथ-साथ जिम्मेदारी का विषय है यह बात नाध ब्रह्म नागपुर द्वारा रचित एवं संस्कार भारती जबलपुर महानगर द्वारा आयोजित युगप्रवर्तक डॉ हेडगेवार नाट्य मंचन के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मानस भवन में कही।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह मानस भवन में मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आद्य सरसंघचालक 'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' विषय पर आधारित महानाट्य मंचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति श्री दिनेश कुमार पालीवाल, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रान्त संघ चालक डॉ प्रदीप गुप्ता, उद्योगपती डॉ कैलाश गुप्ता, संस्कार भारती के महानगर अध्यक्ष प्रभात दुबे थे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि डॉ. हेडगेवार के मन में बचपन से ही देश की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण का संकल्प था। उन्होंने क्रांतिकारी के रूप में कार्य किया, शिक्षा के लिए कलकत्ता गए और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। बाद में देश की आजादी के लिए कार्य किया तथा वर्ष 1930 में जंगल कानून के विरोध में सत्याग्रह करने पर एक वर्ष का कठोर कारावास भी भुगता। उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार केवल देश की स्वतंत्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि स्वतंत्र भारत के निर्माण को लेकर भी चिंतित थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की और अपना पूरा जीवन राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण तथा संगठन निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उनके प्रयासों का परिणाम है कि आज संघ विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठनों में शामिल है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि यदि हम डॉ. हेडगेवार के जीवन से थोड़ी भी प्रेरणा लेकर उसे अपने जीवन में अपनाएं, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस महानाट्य के माध्यम से उनके जीवन और विचारों को समझना अधिक सहज होगा तथा यह प्रस्तुति समाज और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक बनेगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजकों ने बताया कि नागपुर के 'नादब्रह्म' द्वारा निर्मित 'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' (संघ सृजन का भव्य नाट्य आविष्कार) महानाट्य का यह 57वां मंचन है तथा इसकी 151 प्रस्तुतियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक महाराष्ट्र, गोवा, राजस्थान, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में इसका सफल मंचन हो चुका है। मध्यप्रदेश में यह इसका आठवां प्रदर्शन रहा। इस महानाट्य के संयोजक निखिल देशकर, संरक्षक श्री रविजी भुसारी (ज्येष्ठ प्रचारक, रा.स्व.संघ), निर्माता पद्माकर धानोरकर, लेखक डॉ. अजय प्रधान, निर्देशक सुबोध सुर्जकर और संगीत शैलेश दाणी द्वारा तैयार किया गया था। कार्यक्रम का संचालन संस्कार भारती के महाकौशल प्रांत सह महामंत्री निखिल देशकर ने किया। कार्यक्रम में प्रांत उपाध्यक्ष विजय श्री मिश्रा, कोषाध्यक्ष मदन पटेल, सह कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ शुक्ला, महानगर अध्यक्ष श्रीमती माला सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष प्रभात दुबे, कमलेश यादव, प्रियंका मिश्रा, सौरभ दुबे, आदेश सिंह, साधना तिवारी, आरती दिक्षित, शैलजा सुल्लेरे, कुसुम चौबे, राजेश खरे, मुनीश जैन ने योगदान दिया। कार्यक्रम में महाकौशल प्रांत के प्रांत संचालक , विधायक अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पाण्डेय, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, प्रदेश भाजपा कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, डॉ. जितेन्द्र जामदार, भाजपा के प्रदेश दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संदीप रजक, भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू सहित गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

भेड़ाघाट नगर परिषद में कांग्रेस सेवा दल का प्रभात फेरी एवं विजय मार्च संपन्न

छात्र आंदोलन की सफलता पर मनाया गया विजय दिवस

जबलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष श्री संजय यादव के नेतृत्व में भेड़ाघाट नगर परिषद क्षेत्र में कांग्रेस सेवा दल द्वारा प्रभात फेरी एवं विजय मार्च का आयोजन किया गया। पद संचलन नगर परिषद के विभिन्न मार्गों से होते हुए टाउन हॉल परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संयोजन नगर परिषद अध्यक्ष श्री चतुर सिंह लोधी, श्री शिव नामदेव एवं श्री सतीश तिवारी ने किया। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के प्रवक्ता विवेक यादव ने बताया कि देशभर में छात्रों के आंदोलन की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के उपरांत इसे छात्रों की आवाज़ एवं लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत मानते हुए कांग्रेस सेवा दल द्वारा विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष श्री संजय यादव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सदैव छात्रों के अधिकारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज़ को दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करना सरकार का दायित्व है। लोकतंत्र में जनआंदोलनों की सफलता जनता की शक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की विजय का प्रतीक होती है। पद संचलन के माध्यम से कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने संगठन की एकजुटता, अनुशासन, सेवा भावना एवं जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहेः श्री संजय यादव, दिनेश यादव, राधेश्याम चौबे, राजेश तिवारी, वीरेंद्र चौबे, रूपेंद्र पटेल, बबुआ शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पार्षद गुड्डा चौबे, गुड्डू नवी, पार्षद झल्ले लाल जैन, संगठन महासचिव राजेश पटेल, विवेक पटेल, विवेक अवस्थी, नन्हा राय, रामविलास कारसोलिया, सोनेलाल पटेल, नेक नारायण पटेल, जयंत जैन, कोड़ीलाल राय, वीरेंद्र यादव, सुनील जैन, रहमान खान, किशोर दुबे, जमना पटेल, आशीष जैन, दिलीप राय, परमलाल अहिरवासी, प्रमोद पटेल, राजकिशोर पटेल, शरद गौर, राजेश चौबे, मुकुल खम्परिया, प्रवीण चौबे, सुकृति त्रिपाठी, ऋषि पटेल, मदन लारिया, राजेश पटेल, रामेश्वर गिरी, नेक नारायण सिंह, सुभाष पटेल, मुन्नी बाई, संतोष डहेरिया, सोनू दुबे, अजीत परिहार, रिकू तिवारी, फिरोज खान,दुर्जन पटेल, डॉ. हिमांशु गुप्ता, प्रदीप पटेल, मनीष शर्मा एवं इंद्र कुमार श्रीपाल उपस्थित रहे।

सद्गुरु ऋतेश्वरजी महाराज के दिव्य सान्निध्य में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महा-महोत्सव का भव्य आयोजन

जबलपुर। गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक चेतना के पावन पर्व गुरु पूर्णिमा के अवसर पर परमपूज्य सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज, पीठाधीश्वर श्री आनंदम धाम पीठ के दिव्य सान्निध्य में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महा-महोत्सव का भव्य आयोजन 27 जुलाई को शाम 4 बजे मानस भवन, राइट टाउन, जबलपुर (मध्य प्रदेश) में किया जा रहा है।

यह महोत्सव श्रद्धा, भक्ति, सेवा एवं आध्यात्मिक जागरण का दिव्य संगम होगा, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु, संत-महात्मा, समाजसेवी, युवा एवं गणमान्य नागरिक सम्मिलित होकर सद्गुरु के पावन आशीर्वाद का लाभ प्राप्त करेंगे।कार्यक्रम में गुरुदेव का भव्य आगमन, दीप प्रज्ज्वलन, गुरु पूजन, महाआरती, पद पूजन, परमपूज्य सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज का दिव्य प्रवचन, भजन संध्या, आशीर्वाद समारोह एवं महाप्रसाद सहित अनेक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस भव्य समारोह में , मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति श्री अहलूवालिया जी, लोकप्रिय डिजिटल क्रिएटर Golden Guys Sunny, Longhair Brotherhood के डिजिटल क्रिएटर्स एवं प्रोड्यूसर्स विशाल पांडेय एवं आकाश शुक्ला, तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध द टर्बन ट्रैवलर (The Turban Traveller) के नाम से विख्यात अमरजीत सिंह चावला, जिन्होंने सड़क मार्ग से 70 से अधिक देशों की यात्रा कर भारत की संस्कृति, पर्यटन और “वसुधैव कुटुम्बकम्” के संदेश को वैश्विक स्तर पर पहुँचाया है, की गरिमामयी उपस्थिति प्रस्तावित है। इन सभी विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति आध्यात्मिकता, भारतीय संस्कृति, युवा शक्ति एवं वैश्विक सद्भाव का प्रेरणादायी संदेश देगी। परमपूज्य सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज वर्षों से मानवता, सेवा, सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक जागरण एवं “वसुधैव कुटुम्बकम्” के दिव्य संदेश का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में आयोजित यह गुरु पूर्णिमा महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अभियान है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं, नागरिकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे इस दिव्य अवसर पर अपने परिवार सहित उपस्थित होकर सद्गुरु के पावन आशीर्वाद का लाभ प्राप्त करें तथा गुरु-शिष्य परंपरा के इस महापर्व के साक्षी बनें। **आयोजन समिति** - रजनेश दुबे, विवेक सिंह, पंकज सिंह राजपूत,रोशन अग्रवाल, धरम गौतम, अर्पित पांडे, रमेश श्रीवास काका जी, अनीश तिवारी, नर्मदा पांडे, कपिल दुबे।

प्लॉट दिलाने के नाम पर रिटायर्ड कर्मचारी से 8 लाख की ठगी

जबलपुर। बरेला थाना क्षेत्र में प्लॉट दिलाने का झांसा देकर एक रिटायर्ड कर्मचारी से 8 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बरेला थाना पुलिस के अनुसार द्वारका नगर निवासी 84 वर्षीय जीवनलाल मलिक ने वर्ष 2020 में एचएफ इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के माध्यम से 900 वर्गफीट का प्लॉट खरीदने के लिए 8 लाख रुपये जमा किए थे। कंपनी के संचालक नैंसी स्वामी और अनूप मिश्रा ने 10 से 15 दिन में रजिस्ट्री कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन न तो प्लॉट दिया गया और न ही रुपये लौटाए गए। बाद में दोनों से संपर्क भी नहीं हो सका। पुलिस ने आरोपी नैंसी स्वामी एवं अनूप मिश्रा के खिलाफ धारा 420 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

27वाँ कारगिल विजय दिवसः
वीरता और सर्वोच्च बलिदान को पूरे सम्मान के साथ किया याद

जबलपुर। 27वें कारगिल विजय दिवस के मौके पर मुख्यालय मध्य भारत एरिया ने भारतीय सशस्त्र बलों के उन बहादुर सैनिकों के बेमिसाल साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान को पूरे सम्मान के साथ याद किया, जिन्होंने 1999 में कारगिल युद्ध (ऑपरेशन विजय) के दौरान देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। हर साल 26 जुलाई को मनाया जाने वाला 'कारगिल विजय दिवस', 'ऑपरेशन विजय' की सफल समाप्ति का प्रतीक है। इस ऑपरेशन के जरिए भारतीय सशस्त्र बलों ने लद्दाख के कारगिल-द्रास-बटालिक सेक्टर में उन रणनीतिक ऊंचाइयों को वापस हासिल किया था, जिन पर पाकिस्तानी सेना ने अवैध रूप से कब्ज़ा कर लिया था। बेहद खराब मौसम और बर्फ से ढकी खतरनाक पहाड़ी चोटियों पर 16,000 फीट से ज़्यादा की ऊंचाई पर लड़ते हुए, भारतीय सैनिकों ने असाधारण साहस, अटूट संकल्प और बेहतरीन पेशेवर रवैया दिखाया और आखिरकार दुश्मन के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। यह जीत भारी कीमत पर मिली; इस संघर्ष के दौरान 527 बहादुर सैनिकों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जबकि 1,363 जवान घायल हुए। इस ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में तथा कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वंद्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मध्य भारत एरिया, राघवेन्द्र सिंह, आईएएस, जिलाधिकारी जबलपुर, श्री सम्पत उपाध्याय, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक जबलपुर एवं स्टेशन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, सेवारत सैन्यकर्मियों, गणमान्य नागरिकों एवं उनके परिवारजनों के साथ मुख्यालय मध्य भारत एरिया, जबलपुर स्थित स्टेशन युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया।

आबकारी विभाग की कार्रवाई, 3.47 लाख रुपये का माल जब्त
बिना नंबर प्लेट कार से 81 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। आबकारी विभाग ने अवैध शराब के परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना नंबर प्लेट की मारुति स्विफ्ट कार से 81 बल्क लीटर अवैध देशी मसाला शराब बरामद की है। कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त संजीव कुमार दुबे के मार्गदर्शन में आबकारी कंट्रोल रूम प्रभारी परमानंद कोरचे के नेतृत्व में रविवार को बरोदा चौराहा पर मझौली से जबलपुर की ओर आने वाले वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की एक मारुति स्विफ्ट कार को रोककर तलाशी ली गई। वाहन से 450 पाव (81 बल्क लीटर) देशी मसाला शराब बरामद हुई। मौके से सिद्धार्थ कुर्मी (21) निवासी मेन रोड, नल के पास, मेहगंवा बरोदा, थाना पनागर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। आबकारी विभाग के अनुसार जब्त शराब की कीमत 47,700 तथा वाहन की अनुमानित कीमत 3,00,000 है। इस प्रकार कुल 3,47,700 मूल्य का माल जब्त किया गया।कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक

आर.एस. मरावी, आशीष जैन, नरेंद्र उईके तथा आबकारी आरक्षक अभिषेक निरापुरे, आदित्य कौरव, लोकिक टीकम और जोगिंदर मरावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भ्रष्टाचार पर बिजली कंपनी का बड़ा एक्शन
रिश्वत के आरोपी अभियंता को हटाया, जांच शुरु

जबलपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए छिंदवाड़ा शहर में पदस्थ कार्यपालन अभियंता शरद बिसेन के खिलाफ बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। ठेकेदारों से बिल भुगतान के एवज में अवैध वसूली और गंभीर अनियमितताओं के आरोपों के बाद कंपनी प्रबंधन ने उन्हें वर्तमान पद से हटाकर कार्यपालन अभियंता (प्रवर्तन), छतरपुर के पद पर स्थानांतरित कर दिया है। साथ ही 24 जुलाई 2026 से उनके विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ करते हुए आरोप पत्र भी जारी कर दिया गया है। कंपनी की जांच में प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि शरद बिसेन पर ठेकेदारों से सरकारी कार्यों और बिलों के भुगतान के बदले अवैध धनराशि मांगने के आरोप हैं। इन आरोपों को गंभीर मानते हुए प्रबंधन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।बिजली कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है। भ्रष्टाचार या अनियमितता में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ बिना किसी रियायत के नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद बिजली कंपनी के महकमे में हलचल तेज हो गई है। अधिकारियों का मानना है कि यह कदम पूरे विभाग के लिए स्पष्ट संदेश है कि भ्रष्टाचार के मामलों में अब किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

मोदी जी ने मन की बात में देश में हो रहे सकारात्मक और सृजनात्मक कार्यों का किया उल्लेख

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरणादायक मन की बात कार्यक्रम के 136वें संस्करण को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ द्वारा क्षेत्रीय जनों के साथ महानगर के सभी 1041 बूथों में सुना गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मन की बात कार्यक्रम में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान, बारिश की हर बूंद को सहेजने के कैच द रेन अभियान, कारगिल विजय दिवस, ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल में विजयी बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु की सफलता, विक्रम-1 के सफल लॉन्चिंग, महिलाओ द्वारा संचालित विदुर चाय उद्धम के साथ देश में हो रहें सकारात्मक परिवर्तनो और सृजनात्मक कार्यो पर देश को सम्बोधित किया. लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आज 'मन की बात' कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के जल संरक्षण प्रयासों का विशेष उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

प्रधानमंत्री के मन की बात को सभी 1041 बूथों में श्रवण किया

“मन की बात“ कार्यक्रम को लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह एवं विधायक श्री अशोक रोहाणी बूथ 134 में, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर बूथ 186 में, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन एवं प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू बूथ 132 में, विधायक श्री अभिलाष पांडे बूथ 213 में, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू बूथ 78 में, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन बूथ 77 में, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज ने बूथ 164 में, प्रदेश प्रवक्ता डॉ वाणी अहलुवालिया बूथ 155 में, निशक्तजन कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री संदीप रजक ने बूथ 97 में, पूर्व मंत्री श्री शरद जैन बूथ 199 में, पूर्व मंत्री श्री अंचल सोनकर ने बूथ 54 में, पूर्व मंत्री श्री हरेंद्रजीत सिंह बब्बू ने बूथ 132 में, पूर्व महापौर श्री प्रभात साहू ने बूथ 86 में, पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले ने बूथ 58 में, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, सोनू बचवानी के साथ जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों ने अलग अलग बूथों में क्षेत्रीय जनों एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

सख्य भक्ति का प्राकट्य ही भगवान की बाल लीलाएंः ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी

गोपियों के उत्कृष्ट भावों का भोग ही भगवान की माखन चोरी लीला, श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस में बाल लीलाओं के आध्यात्मिक रहस्यों का हुआ भावपूर्ण वर्णन

हरिभूमि, जबलपुर। श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर मढ़ाताल में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के पंचम दिवस पर पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का आध्यात्मिक रहस्य श्रद्धालुओं के समक्ष अत्यंत भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सख्य भक्ति का प्राकट्य ही भगवान की बाल लीलाएं हैं, जिनमें प्रेम, समर्पण, वात्सल्य और भक्ति का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

मनोरंजन नहीं आध्यात्मिक

उत्थान का दिव्य संदेश-महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की प्रत्येक लीला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीव के आध्यात्मिक उत्थान का दिव्य संदेश है। उन्होंने कहा कि माता यशोदा को जो वात्सल्य और यश प्राप्त हुआ, वह स्वयं माता देवकी को भी प्राप्त नहीं हो सका। भगवान का ग्वाल-बालों के साथ खेलना, गोचारण करना और ब्रजवासियों के साथ सहज व्यवहार करना सामाजिक समरसता, स्नेह और समानता का आदर्श प्रस्तुत करता है।प

्रेम के सम्मान में रची माखन चोरी लीला

कथा के दौरान ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने भगवान की माखन चोरी लीला का रहस्य बताते हुए कहा कि यह चोरी नहीं, बल्कि गोपियों के निष्काम प्रेम और उत्कृष्ट भावों का स्वीकार था। गोपियां माखन केवल इसलिए मथती थीं कि किसी न किसी बहाने उन्हें अपने प्रिय कन्हैया के दर्शन हो जाएं। भगवान ने उनके इसी प्रेम का सम्मान करते हुए माखन चोरी की लीला रची और उनके मनोरथ को पूर्ण किया।

मुख से कराया संपूर्ण ब्रह्मांड का दर्शन

ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने कहा कि भगवान द्वारा मिट्टी खाने की लीला के माध्यम से माता यशोदा को अपने मुख में संपूर्ण ब्रह्मांड का दर्शन कराकर यह संदेश दिया गया कि समस्त सृष्टि उन्हीं में समाहित है। वहीं गोचारण लीला के माध्यम से भगवान ने ब्रह्मा का अहंकार दूर किया।

परास्त कर कालिया नाग को दिया जीवनदान

कालिया नाग के प्रसंग का उल्लेख करते हुए महाराज श्री ने कहा कि भगवान ने कालिया नाग का वध नहीं किया, बल्कि उसे परास्त कर जीवनदान दिया। कालिया नाग हमारी इंद्रियों का प्रतीक है, जिनका नाश नहीं बल्कि संयम और निग्रह आवश्यक है। इसी प्रकार भगवान ने विषाक्त हो चुकी यमुना को कालिय दमन के माध्यम से प्रदूषण मुक्त कर समाज को प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया।**गोवर्धन पूजा से हुई शास्त्रसम्मत आचरण की स्थापना**- ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने कहा कि गोवर्धन पूजा की स्थापना कर भगवान श्रीकृष्ण ने शास्त्र-विरुद्ध परंपराओं का अंत कर शास्त्रसम्मत आचरण की स्थापना की तथा इंद्र के अहंकार का मर्दन किया। वहीं चीरहरण लीला के माध्यम से जीव और ब्रह्म के बीच स्थित माया रूपी आवरण को हटाने तथा गोपियों के कात्यायनी व्रत की पूर्णता का संदेश दिया। वेणुनाद के माध्यम से भगवान ने गोपियों को महारास की पात्रता प्रदान कर भक्ति के सर्वोच्च स्वरूप का दर्शन कराया।

इनकी रही उपस्थिति

कथा प्रारंभ से पूर्व व्यासपीठ का पूजन प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, अभिलाष पांडे ने किया। वहीं इस अवसर पर मधु यादव, सुधांशु गुप्ता, बीके पटेल, घनश्याम मिश्रा, वर्षा साहू, गोविंद साहू, आशीष आराधना चौकसे, शिव गुप्ता, सुनील गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य, राज गुप्ता, लकी शर्मा, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे, मीडिया प्रभारी मनोज सेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का रसपान कर भक्ति भाव से सराबोर हो गए।

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी और प्रदर्शन ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया

असम के मंत्री की बेटी भी प्रदर्शन में उतरी, सरकार के खिलाफ नारे लगाए
पुलिस और पत्रकारों पर हिंसा में शामिल टीएमसी के 14 कार्यकर्ता गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के गुवाहाटी में नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। इस प्रदर्शन में असम सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री और असम गण परिषद (एजीपी) नेता केशब महंता की बेटी दिबिसा भी शामिल हुईं। उनके प्रदर्शन में शामिल होने और प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाने के कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिबिसा को प्रदर्शनकारियों के साथ नारे लगाते हुए और प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए दिखाया गया है। हालांकि, इन वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। इसके बाद विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच चर्चा शुरू हो गई। इसी बीच सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने मंत्री केशब महंता का बचाव करते हुए कहा कि किसी पिता को उसकी वयस्क बेटी के राजनीतिक फैसलों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

दिबिसा के वीडियो की पुष्टि नहीं हुई

प्रदर्शन में हिंसा पर पुलिस का बड़ा एक्शन

तोड़फोड़ में शामिल टीएमसी की 'माफिया टीम' के आरोपी धराए

कोलकाता। नीट पेपर लीक के मामले में शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के धर्मतला में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और पत्रकारों के खिलाफ काफी हिंसा हुई थी। इस मामले में अब पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें टीएमसी का एक कार्यकर्ता भी है।विरोध प्रदर्शन में हिंसा करने के मामले में गिरफ्तार हुए लोगों को लेकर पुलिस ने कहा, इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोड़फोड़ में शामिल थे।पुलिस ने ये भी है किसीजेपीने ईमेल के माध्यम से ये भी बताया है कि ये आंदोलन से नहीं जुड़े थे।

वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा

नतीजों के बाद इस्तीफा देकर प्रधान ने सही फैसला लिया, प्रदर्शन को नहीं रोका गया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने कभी भी छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को रोकने की कोशिश नहीं की। उन्होंने ये भी कहा कि प्रधान ने दोबारा परीक्षा के नतीजों के बाद इस्तीफे की पेशकश करके समझदारी भरा फैसला लिया। एक कार्यक्रम में सीतारमण ने ये बातें कहीं। सीतारमण ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से निपटने के सरकार के तरीके का बचाव किया और कहा कि हमने किसी भी समय विरोध-प्रदर्शन को रोकने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि हर पीढ़ी युवावस्था में विरोध-प्रदर्शन करती है।

शिक्षामंत्री का चार्ज लेते ही एक्शन

रविवार को भी बुलाई अधिकारियों की बैठक, कामों की समीक्षा की

देशभर में 26 दिनों तक चले छात्र आंदोलन, संसद में लगातार हंगामे और आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे के बाद अब शिक्षा मंत्रालय की कमान प्रह्लाद जोशी के हाथों में आ गई है। जिम्मेदारी संभालते ही उन्होंने यह संकेत देने की कोशिश की कि मंत्रालय अब इंतजार के मूड में नहीं है। रविवार जैसे अवकाश वाले दिन भी उन्होंने मंत्रालय पहुंचकर अधिकारियों के साथ बैठक की।

रविशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस

राहुल का बिना अनुमति धरना निंदनीय-शर्मनाक

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन और नीट पेपर लीक के राजनीतिकरण पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने राहुल पर हमला बोला। प्रधानमंत्री आवास के सामने बिना अनुमति के धरना देने और गरिमा का उल्लंघन करने को शर्मनाक बताया।

राहुल ने शाह को लिखा पत्र

छात्रों को पीटने का आदेश किसने दिया?

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए। राहुल ने एक्स पर यह पत्र साझा करते हुए लिखा कि छात्रों को मारने का आदेश किसने दिया? उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बर्बर तरीके से बल प्रयोग किया गया और इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। राहुल ने लिखा कि छात्र एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय सुरक्षा बलों ने उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया। इससे सैकड़ों छात्र घायल हुए। महिला छात्रों के साथ पुलिसकर्मियों ने मारपीट की और उनके निजी अंगों को भी निशाना बनाया गया।

तहसीन ने किया ऐलान

अब सड़क पर ई20 के खिलाफ होगा आंदोलन

नीट पेपर लीक के मुद्दे पर हुए आंदोलन के बाद अब टीम भारत के संस्थापक तहसीन पूनावाला ने ई20 ईंधन नीति के खिलाफ नया आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। उन्होंने दावा किया कि ई20 नीति सबसे खराब तरीके से लागू की गई नीतियों में से एक है। उनका कहना है कि अगर इस नीति में सही सुधार किए जाएं तो लोगों को 80 से 90 रुपए प्रति लीटर के बीच शुद्ध और बिना मिलावट वाला पेट्रोल मिल सकता है। इसी मांग को लेकर उन्होंने 31 जुलाई को दिल्ली में 'गाड़ी मार्च, गांधी मार्च' निकालने की घोषणा की है। तहसीन ने लोगों से इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह मार्च इंडिया गेट से शुरू होगा और संसद मार्ग होते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरदीप पुरी के कार्यालय तथा आवास के बाहर पहुंचेगा।

खबर संक्षेप

श्री प्रेमानंद के लिए खास मोती पोर्ट्रेट बनाया

जमशेदपुर। श्री प्रेमानंद महाराज के लिए जमशेदपुर के कलाकार विवेक मिश्रा ने भगवान श्री राधा-कृष्ण का 11गुणा 7 फीट का दुनिया का सबसे बड़ा मोती पोर्ट्रेट बनाया है। यह लगभग 4 लाख क्रिस्टल और मैट मोतियों से तैयार किया गया है। इसका आकार 11 गुणा 7 है। 3 माह से अधिक की मेहनत करके बनाया है। विश्व का सबसे बड़ा पोर्ट्रेट तैयार कर रिकार्ड बनाया है।

असम की फैक्ट्री में धमाका, 4 की मौत

दिसपुर। असम के कछार जिले में रविवार सुबह एक फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके में कम से कम 4 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 11:30 बजे उधारबंद थाना क्षेत्र के पंग्राम में स्थित काडे ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी नाम की रॉड बनाने वाली फैक्ट्री में हुआ। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री के कुछ हिस्से पक्षतिग्रस्त हो गए।

हाथ मिला लो बाद में रोना नहीं: ओवैसी

मुरादाबाद। 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले सियासी बयानबाजी गर्माने लगी है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुरादाबाद में जनसभा के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को मंच से गठबंधन का बड़ा ऑफर दिया है। ओवैसी ने कहा आप हाथ मिला लो फिर रोना नहीं। वे पार्टी का प्रचार कर रहे थे।

5 रुपए के नोट के फेर में युवक ने गंवाए 1.2 लाख

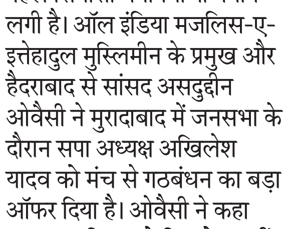

फरीदाबाद। फेसबुक पर पुराने नोट खरीदने का विज्ञापन देखकर संपर्क करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। आरोपियों ने 5 रुपए के पुराने ट्रैक्टर छपे नोट के बदले एक करोड़ रुपए देने का झांसा देकर एयरपोर्ट फीस, कस्टम, जीएसटी और अन्य शुल्क के नाम पर 1.02 लाख रुपए ठग लिए। हरियाणा के फरीदाबाद सेक्टर-आठ निवासी सुनील कुमार जैन ने पुलिस को शिकायत दी है।

'मन की बात' में पीएम मोदी ने देशवासियों से किया आह्वान

हर घर तिरंगा अभियान को आगे बढ़ाएं उत्साह से अभियान को बेमिसाल बनाएं

स्वतंत्रता दिवस स्पीच के लिए मांगे सुझाव

रेडियो कार्यक्रम के 136वें एपिसोड को प्रधानमंत्री ने संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के करीब आते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण के लिए देशवासियों को विचार और सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने यह भी अपील की कि देशवासी इस साल भी 'हर घर तिरंगा' अभियान की भावना को बेमिसाल उत्साह और गर्व के साथ आगे बढ़ाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ ही सप्ताह बाद हम अपनी स्वतंत्रता का महापर्व भी मनाएंगे।

15 अगस्त हर भारतीय के लिए गर्व का दिन है। ये उन असंख्य वीरों को याद करने का दिन है, जिन्होंने 'भारत माता' की स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर दिया। उनके त्याग और तपस्या की वजह से आज हमारे हाथ में तिरंगा है। इस तिरंगे में हमारे संविधान के आदर्श हैं।

सुझाव भी आमंत्रित किया

अपने घर पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराएं

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अभियान ने पूरे देश को एक अद्भुत भावना से जोड़ा है। हर घर-हर गली में तिरंगे का उत्सव दिखाई देता है। इस साल भी हमें 'हर घर तिरंगा' अभियान को पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ाना है। अपने घर पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराना है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि हर वर्ष 15 अगस्त से पहले आप मुझे बहुत से विचार और सुझाव भेजते हैं। इस वर्ष भी आप अपने विचार 'माईगव' पर जरूर साझा कीजिए। मुझे आपके सुझावों का इंतजार है।

डॉ. कलाम को याद किया

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को याद किया। उन्होंने कहा कि 27 जुलाई को, भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि है। डॉ. कलाम के व्यक्तित्व में कई प्रेरक रूप थे, लेकिन, उनके हृदय के सबसे करीब एक शिक्षक की भूमिका थी। वे बच्चों और युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने कहा कि संयोग से, इसी हफ्ते हम 'गुरु पूर्णिमा' का पावन पर्व मनाएंगे। हमारे माता-पिता हमारे पहले गुरु होते हैं। स्कूल के शिक्षक हमें अक्षर ज्ञान देते हैं। मैं देश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं।

कश्मीर की पारंपरिक 'वगू' चटाई का किया जिक्र

हुसैन और तंजीला की सराहना की

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में कश्मीर की पारंपरिक चटाई वगू पर चर्चा की। इसके साथ ही इस चटाई बनाने की परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए श्रीनगर के गुलाम हुसैन और उनकी बेटी की तारीफ की। जब हुनर भी हो और कुछ करने का जज्बा भी हो, तो हर राह आसान हो जाती है। कश्मीर की पारंपरिक चटाई 'वगू' को लेकर आज जो प्रयास हो रहे हैं, उसमें इसी की झलक मिलती है। इसे सरकंडे और धान के पुआल, घास से से तैयार किया जाता है। इस चटाई को बनाने की परंपरा बरसों पुरानी है। इसके लिए कश्मीर के दलदली इलाकों की घास और सरकंडे की कटाई की जाती है। धूप में सुखाने के बाद छंटाई होती है और फिर शुरू होता है हाथों से बुनाई का काम। दो कारीगरों को एक चटाई बनाने में करीब 4 दिन लगते हैं। यह चटाई अनूठी भी है और इकोफ्रेंडली भी है। एक बड़ी खासियत यह है कि आपको गर्मियों में इससे ठंडक और सर्दियों में गर्माहट मिलेगी।

हुसैन का एक साधारण परिवार से ताल्लुकात रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले वगू चटाई हर घर में दिखती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसका उपयोग कम होने लगा था। श्रीनगर के हुसैन और तंजीला ने एक संकल्प लिया। दोनों 'वगू' क्राफ्ट की परंपरा को एक नया जीवन देने में जुट गए।हुसैन बहुत ही साधारण परिवार से आते हैं, उनको इस काम में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन वगु के सरंक्षण का उनका संकल्प अडिग था।

सीतामढ़ी 'वेस्ट टू वेल्थ' पहल को भी सराहा

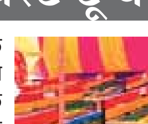

प्रधानमंत्री ने बिहार के सीतामढ़ी जिले की एक अनूठी पहल की देशभर में सराहना की। उन्होंने प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर वैश्विक पर्यावरणीय चुनौती का जिक्र करते हुए बताया कि सीतामढ़ी ने इसका एक आसान और प्रभावी समाधान पेश किया है।प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वेस्ट टू वेल्थ' पहल के तहत जिले में सिंगल-यूज प्लास्टिक कचरे को रिसाइकिल कर मजबूत, टिकाऊ, आरामदायक और पर्यावरण अनुकूल बेंच तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि एक बेंच बनाने में करीब 40 किलोग्राम सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल होता है। ये बेंच आकर्षक होने के साथ-साथ लंबे समय तक उपयोग में रहने योग्य हैं और इन्हें सरकारी स्कूलों, पार्कों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाया जा रहा है।

'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' का सिद्धांत अपनाया

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल लोगों को बैठने की सुविधा ही नहीं दे रही बल्कि छात्रों और आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रही है। बच्चे सीख रहे हैं कि जिस प्लास्टिक को वे पहले बेकार समझकर फेंक देते थे, वही सही तकनीक और बेहतर प्रबंधन के जरिए समाज के लिए उपयोगी संसाधन बन सकता है। उन्होंने कहा कि इससे 'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' का सिद्धांत अब केवल नारा नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है।

सिद्धारमैया नहीं लड़ेंगे 2026 का विधानसभा चुनाव

आज की राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो गई, चुनाव लड़ने के लिए भी पैसा देना पड़ रहा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता सिद्धारमैया ने चुनावी राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान किया है। रविवार को एक्स पर पोस्ट करके उन्होंने इसे लेकर अपनी नाराजगी भी जताई। सिद्धारमैया ने कहा कि आज राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है। इसलिए मैंने फैसला लिया कि मैं साल 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा। हालांकि, मैं राजनीति में सक्रिय रहूंगा और जनता के सुख-दुख की आवाज बनकर उनके लिए काम करता रहूंगा। सिद्धारमैया ने कहा कि वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग एक बार फिर मुझसे चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन मैंने तय कर लिया है कि अब मैं भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ूंगा।

पहले जब मैं चुनाव लड़ता था, तब क्षेत्र की जनता ही हमारे लिए धन जुटाती थी और हमें जीत दिलाती थी। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। मेरी उम्र अब 79 वर्ष है। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल और बाकी है। दूसरी ओर, कर्नाटक में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार पर अंतिम फैसला लेने के लिए कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह तैयार है और लगभग 20 मंत्री पदों के लिए कांग्रेस के 60 से अधिक विधायक होड़ में हैं।

सिद्धारमैया ने उम्र का दिया हवाला

कांग्रेस नेता ने कहा कि साल 2028 तक मेरी उम्र 82 वर्ष हो जाएगी और तब मेरे राजनीतिक जीवन के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अब मेरा स्वास्थ्य पहले जैसा नहीं रहा और न ही पहले जैसी ऊर्जा के साथ काम करना संभव है। उन्होंने कहा कि मैंने 1978 में तालुक बोर्ड के सदस्य के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। इन पांच दशकों में मैंने जीत और हार दोनों देखी हैं। लेकिन मुझे इस बात का संतोष है कि मैंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और न ही अपनी अंतरात्मा के खिलाफ कोई काम किया।

ईमानदार राजनीति के लिए कोई जगह नहीं

सिद्धारमैया ने कहा कि आज हालात ऐसे हो गए हैं कि चुनाव लड़ने के लिए नेताओं को जनता को पैसा देना पड़ता है। राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए कोई जगह नहीं बची है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए मैंने भविष्य में चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों से राज्य की जनता ने मुझे अपना मानकर स्नेह और मार्गदर्शन दिया है। मैं इस कर्ज को कभी नहीं चुका सकता। इसलिए मेरा बाकी जीवन भी जनता की सेवा और उनके हितों के लिए समर्पित रहेगा। पोस्ट के अनुसार सिद्धारमैया ने शनिवार को मंड्या जिले पेट में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में ये बातें कही थीं।

दक्षिणी राज्यों में कोरोना का बढ़ा खतरा

अस्पतालों को किया सतर्क इमरजेंसी बेड बनाने को कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोरोना के दौर की डरावनी यादें शायद ही कोई भूल पाया होगा। इसकी तीन लहरों के दौरान अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें, ऑक्सीजन की कमी, मास्क और सेनिटाइजर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गए थे। हम सभी मानने लगे थे कि अब खतरा टल गया है।हालांकि कोरोना फिर से दस्तक देता दिख रहा है। पिछले करीब एक महीने से देश के कई राज्यों जैसे महाराष्ट्र, केरल, आंध्र-प्रदेश और तेलंगाना से संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कोविड-19 के मामलों में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी भले ही महामारी के दौर जैसी नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे नजरअंदाज करने की गलती न करने की सलाह दे रहे हैं। राज्य सरकारों ने निगरानी बढ़ा दी है, अस्पतालों को सतर्क रहने को कहा गया है और संदिग्ध मामलों की टेस्टिंग की जा रही है।

आंध्र प्रदेश में संक्रमण के करीब 50 मामले

आंध्र प्रदेश में कोविड-19 के 10 नए मामले सामने आए। मामलों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है। 4लोगों की मौत भी हो चुकी है। 24 मरीज अस्पतालों में हैं, जबकि 16 मरीज मेडिकल देख-रेख में घर पर हैं। 5 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। पूर्वी गोदावरी जिले में सबसे ज्यादा 11 मामले दर्ज किए गए हैं। गुंटूर में 9 मामले दर्ज किए गए, इसके बाद कडप्पा में 8, विशाखापत्तनम में 5, एनटीआर में 3 और काकीनाडा, एलुरु और बापटला में 2-2 मामले सामने आए।

प्रधानमंत्री ने 'विकसित वाइब्रेंट विलेज' में की प्रतिभागियों से बात

'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने अनुभव साझा किया

विकसित भारत की रोशनी देश के दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के प्रतिभागियों से बातचीत की। इस दौरान 'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। एक 'माई भारत' स्वयंसेवक ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें देश के सीमावर्ती गांवों का दौरा करने का अवसर दिया।

उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे गांवों को देखने का मौका मिला, जहां जाने की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। एक अन्य 'माई भारत' स्वयंसेवक ने कहा कि जब उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली, तब उन्हें महसूस हुआ कि विकसित भारत की रोशनी देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच रही है। स्कूलों में भी विकसित भारत की सोच दिखाई दी।

दादर-नागर हवेली के दिव्यांश ने जताया आभार

कार्यक्रम के दौरान दादर-नागर हवेली के युवा प्रतिभागी दिव्यांश जोशी ने प्रधानमंत्री से कहा कि मेरे जैसे आम युवाओं को देश के दूरदराज और सीमावर्ती गांवों में जाने और वहां रहने का मौका दिया। इस अद्भुत और सीख देने वाले अनुभव के लिए मैं आपका और पूरी टीम का दिल से धन्यवाद करता हूं।

245 जिलों के 5000 जेन जेड से एक साथ जुड़े

इस खास कार्यक्रम में देश के 245 जिलों के 5000 से अधिक छात्र और युवा प्रतिनिधि एक साथ जुड़े। इस संवाद का मुख्य उद्देश्य भारत के सीमावर्ती गांवों को देश का अंतिम गांव न मानकर उन्हें पहला गांव स्वीकारना और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को सक्रिय भागीदार बनाना है।

चांगो पहुंचकर पनिकिता ने कहा- सड़कें देखकर हैरान हूं

प्रतिभागी निकिता ने बताया कि चांगो जाने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर देखे गए वीडियो के आधार पर यह मान लिया था कि वहां न मोबाइल नेटवर्क होगा और न ही बिजली की सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि जब वह वहां पहुंचीं और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों के बीच बनी मजबूत सड़कों को देखा तो हैरान रह गईं।

ग्रामीणों ने कहा- सड़क, नलजल और नेटवर्क की सुविधा मिली

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने कहा कि अब क्षेत्र में चौबीसों घंटे बिजली और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही आयुष्मान भारत योजना के कारण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उनका भरोसा बढ़ा है और उनका जीवन पहले की तुलना में अधिक आसान हुआ है। कई सुविधाएं अब ग्रामों में ही मिल रही हैं।

खबर संक्षेप

बैंक ऑफ इंडिया का लाभ बढ़कर 3,068 करोड़ रुपए

मुंबई। बैंक ऑफ इंडिया का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 36.23 प्रतिशत बढ़कर 3,067.90 करोड़ रुपये रहा। बैंक के लाभ में वृद्धि मुख्य रूप से गैर-ब्याज आय में बढ़ोतरी के कारण हुई। 2025-26 की समान तिमाही में 2,252.12 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

एनटीपीसी का लाभ 13% बढ़कर 6897 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 6,896.44 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 6,108.46 करोड़ रुपये था।

आयातित तेलों के भाव में गिरावट, सरसों में सुधार

नई दिल्ली। लागत से नीचे दाम पर की जाने वाली बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में आयातित तेलों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं आगामी त्योहारी मौसम की मांग की सुगबुगाहट के कारण सरसों एवं मूंगफली तेल तिलहन तथा बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया।

पूंजीकरण में एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 2.74 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,091.68 अंक यानी 2.67 प्रतिशत टूट गया।

एबीडीएल को आमदनी में 15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। शराब बनाने वाली कंपनी अलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडीएल) को वित्त वर्ष 2026-27 में राजस्व और बिक्री मात्रा में 15 प्रतिशत (मिड-टीन) स्तर की वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी को प्रीमीयम उत्पादों पर बढ़ते ध्यान, निर्यात कारोबार के विस्तार और उत्पादन क्षमता बढ़ने से यह वृद्धि मिलने की उम्मीद है।

पीएनबी को 20,000 करोड़ रुपए से अधिक के लाभ की उम्मीद

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पीएनबी के सीईओ अशोक चंद्र ने कहा है कि बैंक को पिछली लगातार चार तिमाहियों के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के बल पर चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ हासिल होने की उम्मीद है। पीएनबी ने पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 16,904 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। चंद्र ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही से बैंक प्रत्येक तिमाही में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ अर्जित कर रहा है।

नेपाल ने नोटबंदी के बाद भारतीय मुद्रा पर लगे अंकुश हटाए

एजेंसी ⏭ काठमांडू

- देश में नोट लाने और बाहर ले जाने की अधिकतम सीमा 25,000

नेपाल ने भारतीय और नेपाली नागरिकों को नौ नवंबर, 2016 या उसके बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट देश में लाने और बाहर ले जाने की अनुमति दे दी है, लेकिन इसकी अधिकतम सीमा 25,000 रुपये रखी गई।

भारत द्वारा 2016 में नोटबंदी किए जाने के बाद सिर्फ 100 रुपये के नोट को ही लाने ले-जाने की अनुमति थी। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने बृहस्पतिवार को जारी एक सूचना में कहा कि नौ नवंबर, 2016 से पहले जारी 500 रुपये और 1,000 रुपये के भारतीय नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे।

नेपाल ने 200, 500 के नोट को भी दी अनुमति

अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ले जा सकते

नेपाल राष्ट्र बैंक ने इन प्रावधानों को 11 फरवरी को नेपाल राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना जारी कर पहले ही लागू कर दिया था। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को नियमों को दोहराते हुए और उनके क्रियान्वयन को स्पष्ट करने के लिए नया नोटिस जारी किया। नए नियमों की व्याख्या करते हुए एनआरबी के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने शनिवार को कहा कि नेपाली नागरिक भारत के अलावा किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ला सकते।

नोटबंदी के बाद नेपाल ने लगाया था प्रतिबंध : नोटबंदी के बाद नेपाल ने पुरानी भारतीय मुद्रा के उपयोग और लेनदेन पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। इस कदम से दोनों देशों के बीच यात्रा और सीमा पार लेनदेन अधिक सुगम हो सकेगा।

सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष करनी होगी घोषणा

यदि यह राशि 5,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक होती है, तो आगमन के समय सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष उसकी घोषणा करना अनिवार्य होगा। भारत ने आठ नवंबर, 2016 को 500 और 1,000 रुपये के नोट को बंद कर दिया था। इसके बाद 500 रुपये और 2,000 रुपये के नए नोट जारी किए गए थे। बाद में 2,000 रुपये के नोट भी वापस ले लिए गए।

अधिसूचना के अनुसार, मौजूदा नियमों के तहत नेपाली और भारतीय नागरिक नौ नवंबर, 2016 के बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट नेपाल ला सकते हैं या वहां से ले जा सकते हैं, लेकिन इसकी अधिकतम सीमा प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये रहेगी।

व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को होगी सुविधा

इसी प्रकार, वे भारत को छोड़कर किसी अन्य देश में नेपाल से भारतीय मुद्रा नहीं ले जा सकते। उन्होंने कहा कि नए प्रावधान से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों तथा भारत के साथ व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को काफी सुविधा होगी। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि नेपाली नागरिक और विदेशी पर्यटक बिना सीमा शुल्क घोषणा के 5,000 अमेरिकी डॉलर या अन्य विदेशी मुद्राओं में उसके बराबर राशि तक नेपाल ला सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय गैस संघ की रिपोर्ट में यह बात कही गई

गैस की मांग बढ़ाने को सिर्फ एलएनजी आयात क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं : रिपोर्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय गैस संघ (आईजीयू) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने एलएनजी री-गैसीफिकेशन टर्मिनल की क्षमता तो बढ़ाई है, लेकिन गैस के परिवहन और वितरण से जुड़ा बुनियादी ढांचा उसी गति से विकसित नहीं हो पाया है। इससे देश की गैस खपत बढ़ाने की क्षमता पर सीधा असर पड़ा है।

भारत बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर

आईजीयू ने हालिया होर्मुज जलडमरूमध्य संकट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना ने भारत की गैस आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर किया है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस और एलपीजी की जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है।

एलपीजी की 60 से 65 फीसदी मांग आयात से पूरी

घरेलू उत्पादन कुल गैस मांग का लगभग 50-52 प्रतिशत ही पूरा कर पाता है, जबकि शेष आवश्यकता कतर, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और रूस से एलएनजी आयात से पूरी होती है।तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के मामले में भी देश अपनी 60-65 प्रतिशत जरूरत आयात के जरिये पूरी करता है। रिपोर्ट कहती है कि भारत का अधिकांश एलएनजी और एलपीजी आयात होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है।

भारत में प्राकृतिक गैस की दीर्घकालिक मांग बढ़ाने के लिए केवल तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात क्षमता बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ-साथ गैस पाइपलाइन और वितरण नेटवर्क का विस्तार, गैस आधारित उद्योगों में निवेश तथा बाजार, नियमन और मूल्य निर्धारण प्रणाली में व्यापक सुधार भी जरूरी होंगे।

- गैस पाइपलाइन और वितरण नेटवर्क का विस्तार जरूरी
- मूल्य निर्धारण प्रणाली में व्यापक सुधार भी जरूरी होंगे
- परिवहन और वितरण का बुनियादी ढांचा उस गति से विकसित नहीं

गैस पाइपलाइन का तेजी से विस्तार करना होगा : आईजीयू ने सुझाव दिया है कि भारत को एलएनजी टर्मिनल तक अधिक खुली पहुंच, प्रणाली प्रवेश शुल्क में सुधार और बाजार के उदारीकरण जैसे कदम उठाने चाहिए, ताकि खरीदार कम कीमतों का लाभ उठा सकें और आयात टर्मिनल का बेहतर उपयोग हो सके।

खाड़ी युद्ध तनाव ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई

हालिया पश्चिम एशिया तनाव के दौरान इस मार्ग पर आई बाधाओं ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी। हालांकि, दीर्घकाल में स्थिति बेहतर होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दशक के शेष वर्षों में वैश्विक स्तर पर नई एलएनजी निर्यात परियोजनाओं के शुरू होने से आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलएनजी की कीमतों पर दबाव पड़ेगा और भारत के लिए गैस का उपयोग अधिक किफायती हो सकेगा।

थोक गैस सस्ती होने से खपत नहीं बढ़ेगी

प्रतिस्पर्धी परिवहन शुल्क और मजबूत पारेषण नेटवर्क से गैस की लागत कम होगी और नए उपभोक्ताओं को जोड़ना आसान होगा। आईजीयू का मानना है कि केवल थोक गैस सस्ते दाम पर उपलब्ध होने से खपत नहीं बढ़ेगी। इसके लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, गैस मूल्य निर्धारण प्रणाली में सुधार, व्यावसायिक अनुबंधों को सरल बनाने और व्यापक बाजार सुधारों की भी आवश्यकता होगी।

आयात के स्रोत बढ़ाने होंगे

रिपोर्ट कहती है कि खाड़ी क्षेत्र के संकट ने एलएनजी आयात की विश्वसनीयता पर सवाल जरूर खड़े किए हैं, लेकिन विभिन्न देशों से आयात के स्रोत बढ़ाकर इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड बनाने में जुटी एआई प्लस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

स्मार्टफोन उद्योग में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी के संस्थापक माधव सेठ भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड 'एआई प्लस' को वैश्विक कंपनियों के मुकाबले खड़ा करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

सेठ ने कहा कि चीन के स्मार्टफोन बाजार और आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख का इस्तेमाल वह भारत में एक मजबूत घरेलू ब्रांड बनाने में कर रहे हैं। सेठ ने बातचीत में कहा कि उनकी कंपनी ने सितंबर, 2025 में अपना पहला स्मार्टफोन बाजार में उतारा था। कंपनी ने अपने पहले ही वित्त वर्ष में 965 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सेठ ने कहा कि चालू वित्त वर्ष कंपनी का पहला पूर्ण परिचालन वर्ष होगा और इस दौरान कारोबार कई गुना बढ़कर 7,500 करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी पूरी तरह भारतीय कंपनी है। सेठ ने कहा कि रियलमी जैसे ब्रांड को चीनी बाजार में स्थापित करने के

- एआई प्लस को वैश्विक कंपनियों के मुकाबले खड़ा करने की योजना
- कंपनी को 7,500 करोड़ रु. के कारोबार का लक्ष्य

अनुभव और चीन की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख के आधार पर कंपनी भारत में अपना स्मार्टफोन ब्रांड खड़ा कर रही है।

किसी भी भारतीय स्मार्टफोन की वैश्विक पहचान नहीं

सेठ ने कहा कि भारत में स्मार्टफोन बाजार की संभावनाएं बहुत बड़ी हैं। देश में स्मार्टफोन की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन अभी तक कोई भी भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान नहीं बना पाया है।

देश में कलपुर्जों का तंत्र विकसित करने की जरूरत

सेठ ने कहा, ''भारत में कलपुर्जों का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए जरूरी है कि यहां से कोई मजबूत भारतीय ब्रांड खड़ा हो। मौजूदा समय में इस क्षेत्र पर विदेशी कंपनियों का दबदबा है, जिससे घरेलू स्तर पर पुर्जों के निर्माण का विकास मुश्किल रहा है।''

फेड के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी बाजार पर डालेगा असर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी।

विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों के अनुसार, इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही के कंपनियों के नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, अमेरिका-ईरान संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली जहाजों की आवाजाही और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव वैश्विक बाजारों की धारणा को प्रभावित करेंगे। वहीं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक समीक्षा बैठक में ब्याज दरों और महंगाई पर दिए जाने वाले संकेत निवेशकों के लिए अहम रहेंगे। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक जून महीने के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार का संकेत मिलेगा।

सेल का लाभ दोगुने से अधिक होकर 1,644 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में दोगुने से अधिक होकर 1,644.05 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से खर्च में कमी आने से कंपनी का लाभ बढ़ा है।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले साल की इसी तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा 744.58 करोड़ रुपये था। सेल की कुल आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 26,451.21 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 26,083.90 करोड़ रुपये थी। वहीं, खर्च 24,146.32 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 25,189.19 करोड़ रुपये था।

टाटा टेक्नोलॉजीज को चालू वित्त वर्ष में 'बड़ी छलांग' की उम्मीद

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- सीईओ ने कहा, चालू वित्त वर्ष ब्रेकआउट ईयर होगा साबित
- कंपनिया नए उत्पादों के विकास में बढ़ा रही निवेश

वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 उसके लिए 'बड़ी छलांग' (ब्रेकआउट ईयर) वाला साल साबित होगा। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक वॉरेन हैरिस ने कहा कि दुनिया भर की वाहन विनिर्माता कंपनियां नए उत्पादों के विकास में निवेश बढ़ा रही हैं और अधिक से अधिक कार्य बाहरी कंपनियों को सौंप रही हैं, जिसका सीधा लाभ टाटा टेक्नोलॉजीज को मिल रहा है। हैरिस ने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कई पूर्ण वाहन कार्यक्रम परियोजनाएं हासिल की हैं। इनमें टेनेको के साथ 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुबंध भी शामिल है। इसके अलावा एक प्रमुख जापानी मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) ने कंपनी को पूर्ण वाहन इंजीनियरिंग कार्यक्रम सौंपा है, जबकि एक यूरोपीय लक्ज़री वाहन विनिर्माता के साथ बहुवर्षीय समझौता भी हुआ है।

कंपनी ने पहले तिमाह में 1664 करोड़ का परिचालन राजस्व पाया

कंपनी ने पहली तिमाही में 1,664.6 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व हासिल किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 33.8 प्रतिशत अधिक है। हैरिस ने इसे कंपनी के लिए 'बड़ी उपलब्धि'' और आने वाले वर्षों की मजबूत वृद्धि का संकेत बताया।

आम लोगों के हित के लिए काम करें आयकर अधिकारी : सीतारमण

एजेंसी ⏭ मुंबई

- लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए दर-दर भटकना न पड़े
- नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यों का करे निपटारा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विभाग के अधिकारियों से आम नागरिकों के हित में कार्य करने की अपील करते हुए कहा है कि लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए 'दर-दर भटकने' पर मजबूर नहीं होना चाहिए।

वित्त मंत्री ने अधिकारियों से नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यों का समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से निपटारा करने का आग्रह किया। मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित 13 मंजिला 'आयकर सिंधु' भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने रविवार को कहा कि इस भवन के निर्माण के लिए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने में स्वयं आयकर विभाग के अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सीतारमण ने कहा कि यदि विभाग के अधिकारी ऐसी कठिनाइयों का अनुभव कर सकते हैं, तो उन्हें आम नागरिकों की समस्याओं का भी बेहतर ढंग से एहसास होना चाहिए। सीतारमण ने सरकारी विभागों की सुस्त कार्यशैली पर चिंता जताते हुए कहा कि इसी कारण सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण जैसी समस्याएं पैदा होती हैं।

वित्त मंत्री ने बताया कि जिस भूमि पर नया भवन बनाया गया है, वह वर्ष 1973 से आयकर विभाग के पास थी, इसके बावजूद उस पर अवैध कब्जे हो गए, जो प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है।

ईमानदारी ही कर प्रशासन की आधारशिला

अपने संबोधन के अंत में सीतारमण ने कहा कि ईमानदारी ही कर प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने सभी अधिकारियों से निष्पक्ष, पारदर्शी और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तेज करने का दिया भरोसा

साथ ही उन्होंने सरकारी विभागों के बीच भूमि हस्तांतरण और अन्य मंजूरियों की प्रक्रिया को तेज करने का भरोसा दिया, ताकि भविष्य में कार्यालय भवनों का निर्माण समय पर पूरा हो सके। वित्त मंत्री ने अधिकारियों को बीएसएनएल की उपलब्ध भूमि के उपयोग की संभावनाएं तलाशने का सुझाव भी दिया और कहा कि इस संबंध में वह संबंधित मंत्री से बातचीत करेंगी।

मारुति चालू वित्त वर्ष में नौ लाख सीएनजी वाहन बेचेगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- ईंधन की कीमतें बढ़ने से सीएनजी वाहनों मांग तेजी से बढ़ी
- कंपनी ने पहली तिमाही में 2.2 लाख सीएनजी वाहन बेचे

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने चालू वित्त वर्ष में करीब नौ लाख सीएनजी वाहन बेचने का लक्ष्य रखा है।

कंपनी का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बाद ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से सीएनजी वाहनों की मांग तेजी से बढ़ी है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने विभिन्न मॉडल श्रेणियों में 2.2 लाख सीएनजी वाहन बेचे हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 58 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध के बाद ईंधन के दाम बढ़ने से सीएनजी वाहनों की मांग बढ़ी है। चालू वित्त वर्ष के लिए सीएनजी वाहन बिक्री लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पहली तिमाही के आंकड़े को देखते हुए हम करीब नौ लाख इकाई की बिक्री की उम्मीद कर रहे हैं। बीते वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने सात लाख से ज्यादा सीएनजी वाहन बेचे थे।

इस दौरान जेप्टो, टूहॉम और लॉजिस्टिक मंच की कंपनियां का निर्गम

अगले महीने दर्जनभर से ज्यादा कंपनियां लाएगी आईपीओ

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- कंपनियां आईपीओ से कुल मिलाकर 25,000 करोड़ से अधिक जुटाएगी

अगले महीने यानी अगस्त में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में काफी गतिविधियां देखने को मिलेंगी। इस दौरान जेप्टो, टूहॉम फाइनेंस और लॉजिस्टिक मंच शिपरॉकेट सहित एक दर्जन से अधिक कंपनियां अपना आईपीओ लाने की तैयारी में हैं।

इन कंपनियों के आईपीओ से कुल मिलाकर 25,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाए जाने की उम्मीद है। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार, आगामी आईपीओ में नए शेयर जारी करने के साथ-साथ मौजूदा शेयरधारकों की ओर से बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी। इक्विरस कैपिटल के प्रबंध निदेशक और निवेश बैंकिंग प्रमुख भावेश शाह ने कहा कि बाजार में स्थिरता और निवेशकों की बेहतर धारणा के चलते वे कंपनियां भी अब आगे बढ़ रही हैं, जो पहले आईपीओ योजनाओं को टाल रही थीं।

इस साल अब तक 36 आईपीओ आ चुके

इस साल अब तक 36 कंपनियां आईपीओ ला चुकी हैं, जिनमें नौ कंपनियां इसी महीने बाजार में सूचीबद्ध हुई हैं। आने वाले दिनों में मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज और जूनिपर ग्रीन एनर्जी के आईपीओ क्रमशः 29 और 30 जुलाई को खुलने वाले हैं। इसके अलावा एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स भी अगले सप्ताह अपना आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं।

मिल्की मिस्ट 1553 करोड़ का आईपीओ लाने तैयार

वहीं, एलिवेट कैंपसेज 2,550 करोड़ रुपये के आईपीओ के तहत पूरी तरह नए शेयर जारी करेगी। शिपरॉकेट ने 2,342.35 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए हैं, जिसमें 1,100 करोड़ रुपये का नया निर्गम और 1,242.35 करोड़ रुपये का ओएफएस शामिल है। अन्य कंपनियों में इनोवेटिवव्यू इंडिया 2,000 करोड़ रुपये तक और मिल्की मिस्ट डेयरी फूड 1,553 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की तैयारी में हैं।

सबसे बड़ा आईपीओ वाणिज्य मंच जेप्टो का

सबसे बड़े प्रस्तावित आईपीओ में त्वरित वाणिज्य मंच जेप्टो का नाम प्रमुख है। कंपनी नए शेयर जारी कर 8,010 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रही है। इसके अलावा वह 11.34 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश भी लाएगी। आवास वित्त कंपनी टूहॉम फाइनेंस 3,000 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की तैयारी में है। इसमें 1,500 करोड़ रुपये का नया निर्गम और इतनी ही राशि का ओएफएस शामिल होगा।

चिंतन

आंदोलन खत्म, अब सुधारों की बारी

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला छात्रों का आंदोलन आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाप्त हो गया। अब आंदोलन खत्म होने के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लागू करने की बारी है, ताकि जवाबदेही तय हो सके और परीक्षाओं में पारदर्शिता आए। परीक्षा प्रणाली में ऐसे ठोस और संस्थागत सुधार किए जाएं, जो भविष्य में इस तरह के संकट की पुनरावृत्ति रोक सकें और करोड़ों विद्यार्थियों का भरोसा फिर से मजबूत करें। अब देश की निगाहें सरकार द्वारा प्रस्तावित परीक्षा सुधारों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर टिकी हैं। वहीं, केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में कड़े नकल विरोधी कानून से जुड़ा 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पेश करेगी। प्रस्तावित संशोधनों के तहत दोषियों के लिए 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यदि संसद से पारित होकर ये प्रावधान प्रभावी ढंग से लागू होते हैं, तो परीक्षा माफिया के खिलाफ एक स्पष्ट और सख्त संदेश जाएगा। मामलों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रस्ताव भी महत्वपूर्ण है। जांच को दो माह के भीतर पूरा करने और आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर सुनवाई समाप्त करने की समय-सीमा तय करना न्याय प्रक्रिया को गति देने का प्रयास है। यदि यह व्यवस्था व्यवहार में भी उतनी ही प्रभावी साबित होती है, तो वर्षों तक लंबित रहने वाले मामलों की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है और कानून का भय भी बढ़ेगा। दूसरी तरफ सरकार ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधारों के लिए एक हाई पावर्ड टास्क फोर्स का गठन किया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार परीक्षा व्यवस्था में केवल तात्कालिक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और संरचनात्मक बदलाव चाहती है। इस टास्क फोर्स से अपेक्षा है कि वह प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित जोखिम पहचान, परीक्षा संचालन, डेटा सुरक्षा और संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक सुझाव देगी। यदि इसकी सिफारिशों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाता है, तो देश की परीक्षा प्रणाली अधिक आधुनिक, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकती है। सरकार ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं (सीबीटी) के विस्तार, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और तकनीकी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं के सपनों का आधार होती हैं। यदि उन्हें यह भरोसा नहीं रहेगा कि उनकी सफलता केवल उनकी मेहनत से तय होगी, तो पूरी शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। इसलिए सुधारों का लक्ष्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना होना चाहिए, जिसमें गड़बड़ी की गुंजाइश ही न्यूनतम रह जाए। आंदोलन समाप्त हो चुका है, लेकिन सुधारों की असली परीक्षा अब शुरू हुई है। यदि सरकार घोषित कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी सुधारों को ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से लागू करती है, तो यह केवल परीक्षा प्रणाली ही नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य में विश्वास को भी नई मजबूती देगा। अब देश को इस्तीफों से आगे बढ़कर स्थायी सुधारों का परिणाम देखना है।

इस्तीफा

डॉ. घनश्याम बादल

सत्ता की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव नहीं, विश्वास

सत्ता कभी यह स्वीकार नहीं करती कि वह दबाव में है। वह निर्णयों को दूरदर्शिता का नाम देती है, परिस्थितियों को सामान्य बताती है और विरोध को राजनीति कहकर खारिज करती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि कभी-कभी सड़क संसद से अधिक प्रभावशाली हो जाती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा भी उसी सत्य की पुनर्पुष्टि है। यह केवल एक मंत्री के पद छोड़ने की घटना नहीं है। यह उस बेचैनी का राजनीतिक स्वीकार है जो पिछले कुछ समय से देश के युवाओं के मन में उबल रही थी। प्रश्न केवल परीक्षा का नहीं था।

प्रश्न यह था कि क्या इस देश में मेहनत करने वाले छात्र का भविष्य सुरक्षित है? क्या उसकी सफलता उसकी योग्यता तय करेगी या व्यवस्था की लापरवाही? जब ये प्रश्न लाखों युवाओं के भीतर एक साथ उठते हैं, तब उनका उत्तर किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस से नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों से देना पड़ता है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा उसी उत्तर का पहला वाक्य है, पूरी कहानी नहीं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने वह किया, जिसे वह लंबे समय तक करने से बचती रही। पहले सफ़ाइयां दी गईं। फिर जांच बैठी। फिर सुधारों का आश्वासन दिया गया। उसके बाद भी जब आक्रोश शांत नहीं हुआ तो अंततः राजनीतिक उत्तरदायित्व स्वीकार करना पड़ा। यह स्वीकारोक्ति जितनी आवश्यक थी, उतनी ही विलंबित भी। राजनीति में देर से लिया गया सही निर्णय भी कई बार अधूरा साबित होता है।

यदि यही कदम तब उठाया जाता, जब युवाओं का विश्वास पहली बार डगमगाया था, तो शायद सड़कों पर उतरने की नौबत ही नहीं आती। सरकार ने अंततः घाव पर मरहम लगाया, लेकिन तब जबकि घाव नासूर बनने लगा था। भाजपा के लिए यह घटना एक गंभीर राजनीतिक संदेश है। पिछले एक दशक में पार्टी ने निर्णायक नेतृत्व और मज़बूत प्रशासन की छवि बनाई है। किंतु निर्णायक नेतृत्व का अर्थ केवल कठोर निर्णय लेना नहीं होता; समय पर सही निर्णय लेना भी होता है। यदि जनता यह मानने लगे कि सरकार केवल दबाव पड़ने पर ही प्रतिक्रिया देती है, तो उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी-विश्वसनीयता-धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है। यहां विपक्ष भी पूरी तरह निर्दोष नहीं है। किसी मंत्री का इस्तीफ़ा लोकतंत्र की अंतिम विजय नहीं होता। यदि विपक्ष इसे केवल राजनीतिक ट्रॉफी बनाकर रख देगा और शिक्षा व्यवस्था के व्यापक सुधारों पर गंभीर विमर्श नहीं करेगा, तो वह भी युवाओं की अपेक्षाओं के साथ न्याय नहीं कर पाएगा। आंदोलन का उद्देश्य व्यक्ति नहीं, व्यवस्था होनी चाहिए। अब सबसे बड़ा प्रश्न जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन का है। क्या मंत्री के इस्तीफ़े के बाद धरना समाप्त हो जाएगा?

यदि ऐसा होता है, तो यह मानना पड़ेगा कि आंदोलन का लक्ष्य व्यक्ति था, व्यवस्था नहीं। लेकिन यदि आंदोलन जारी रहता है और उसकी मांगें परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, संस्थागत सुधार, जवाबदेही और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा तक विस्तृत होती हैं, तब यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अधिक परिपक्व संकेत होगा। आंदोलनों की सफलता किसी पदत्याग से नहीं, नीतिगत परिवर्तन से मापी जाती है। आगामी चुनावों पर इसका प्रभाव अवश्य पड़ेगा, पर उसकी तीव्रता सरकार के अगले कदम तय करेंगे। मतदाता भूल भी जाता है, पर युवा अपमान नहीं भूलता। यदि उसे लगे कि उसकी मेहनत का सम्मान लौटा है, तो राजनीतिक क्षति सीमित रह जाएगी। लेकिन यदि यह धारणा बनी कि केवल एक चेहरा बदला गया और व्यवस्था वैसी ही रही, तो यह असंतोष मतदान की चुप्पी में भी दिखाई देगा। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सबक शायद यही है कि भारत की नई राजनीति का केंद्र अब जाति और धर्म के साथ-साथ युवा आकांक्षाएं भी बन चुकी हैं। यह पीढ़ी भाषणों से अधिक अवसर चाहती है, नारों से अधिक निष्पक्षता और आश्वासनों से अधिक विश्वसनीय संस्थाएं। जो राजनीति इस बदलाव को नहीं समझेगी, वह धीरे-धीरे अपनी ज़मीन खोती जाएगी। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा एक व्यक्ति का राजनीतिक अवसान नहीं है। यह सत्ता के लिए चेतावनी है कि लोकतंत्र में जनता केवल सरकार नहीं चुनती, जवाबदेही भी तय करती है।

जब करोड़ों युवाओं का भविष्य दांव पर हो, तब सत्ता की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव नहीं, विश्वास होती है। अब देश की निगाह नए शिक्षा मंत्री पर नहीं, नई शिक्षा व्यवस्था पर है। क्योंकि मंत्री बदलने से राजनीति बदल सकती है, लेकिन व्यवस्था तभी बदलती है, जब सत्ता यह स्वीकार करे कि जनता केवल शासन नहीं, न्याय भी चाहती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अर्थव्यवस्था

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अमेरिका से बढ़ती आर्थिक चुनौतियां

अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है।

इन दिनों अमेरिका में एच-1बी वीजा रोक की तैयारी और भारत के लिए बढ़ते हुए टैरिफ से संबंधित तीन परिदृश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां के रूप में दिखाई दे रहे हैं । एक, 25 जुलाई को अमेरिकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमेरिका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमेरिका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है। यह बात महत्वपूर्ण है कि अमेरिका भारत का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच लगभग 141 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ था, जिसमें भारत का कुल निर्यात 87.3 अरब डॉलर रहा था। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की बड़ी हिस्सेदारी होने के कारण वस्त्र उद्योग, रत्न एवं आभूषण, वाहन कलपुर्जे जैसे क्षेत्रों के लाभ मार्जिन पर सीधा प्रहार होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी चिंताजनक है कि 22 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयातित जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से टैरिफ लागू करने की घोषणा की गई है। इस नीति के तहत 1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2028 तक, यानी शुरुआती दो वर्षों के लिए, आयातित जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से पूरी तरह मुक्त रखा गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में दवा आपूर्ति में तुरंत कोई बाधा न आए। इसके पश्चात, 1 अगस्त 2028 से 31 जुलाई 2029 तक एक वर्ष के लिए दवाओं के मूल्य पर सीधे 100 प्रतिशत का टैरिफ लागू किया जाएगा। अंततः 1 अगस्त 2029 के बाद इस टैरिफ को बढ़ाकर 200 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया जाएगा। ट्रंप द्वारा जेनेरिक दवाओं पर इस कड़े टैरिफ ढांचे को

अपनाने का मुख्य उद्देश्य विदेशी दवा कंपनियों को अमेरिका के भीतर निर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए बाध्य करना है। जो दवा निर्माता दी गई इस समयावधि के भीतर अपना उत्पादन घरेलू स्तर पर अमेरिका में स्थानांतरित नहीं करेंगे, उन पर 200 प्रतिशत का भारी आर्थिक दंडस्वरूप टैरिफ लागू होगा। अब अमेरिकी टैरिफ की इस नई चुनौती से निपटने के लिए भारत को कई रणनीतिक बिंदुओं पर तुरंत ध्यान केंद्रित करना होगा। अगस्त 2026 से जुलाई 2028 तक मिलने वाली शून्य प्रतिशत शुल्क की अवधि का उपयोग भारतीय कंपनियों और सरकार को दीर्घकालिक रणनीति बनाने में करना चाहिए। बड़ी भारतीय दवा कंपनियों को यह मूल्यांकन करना होगा कि क्या अमेरिका में स्थानीय संयंत्र स्थापित करना या वहां की कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी करना आर्थिक रूप से व्यावहारिक है। चूंकि अमेरिका में प्लांट लगाने और एफडीए मंजूरी में भारी निवेश लगता है, इसलिए यह देखना होगा कि टैरिफ लगने के बाद भी क्या भारतीय दवाएं अमेरिकी विकल्पों से सस्ती रह पाती हैं या नहीं। भारत को अपनी निर्भरता केवल अमेरिकी बाजार तक सीमित न रखकर यूरोपीय संघ, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के उभरते बाजारों में अपना निर्यात तेजी से बढ़ाना चाहिए। पारंपरिक जेनेरिक दवाओं के स्थान पर अब जटिल जेनेरिक और बायोसिमिलर दवाओं के शोध व विकास पर अधिक ध्यान देना होगा। भारत को अपनी लागत-कुशल उत्पादन रणनीति और दवाओं की विश्वस्तरीय गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान देना होगा। सरकार को फार्मा पार्कों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा और दवा उद्योग के साथ आईटी व डिजिटल विशेषज्ञता को एकीकृत करना होगा। स्वदेशी फार्मास्युटिकल अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दवा अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाना होगा तथा वैश्विक नियामक प्राधिकरणों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। यद्यपि पिछले वर्ष ब्रांडेड दवाओं पर लगाया गया टैरिफ भारत के लिए बेअसर साबित हुआ था, लेकिन अब जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ की यह नई चुनौती अधिक गंभीर है।

भारत को अपनी फार्मा रणनीति को नए सिरे से गढ़ना होगा। निश्चित रूप से टैरिफ की चुनौतियों के मद्देनजर अमेरिका व भारत के बीच अंतिम आकार ले रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की अहमियत बढ़ गई है। ऐसा एक औपचारिक और संतुलित व्यापार समझौता भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे दवाई, रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, मसाले और हस्तशिल्प पर अमेरिकी शुल्क दरों को काफी कम या शून्य दर पर ला सकता है। इससे धारा 301 के तहत लगे 10 प्रतिशत टैरिफ और भविष्य में जेनेरिक दवाओं पर लगने वाले भारी टैरिफ का असर स्वतः समाप्त या सीमित हो जाएगा, जिससे भारतीय निर्यातक अमेरिकी बाज़ार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रख सकेंगे। द्विपक्षीय व्यापार समझौते का दूसरा सबसे बड़ा लाभ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की केंद्रीय भूमिका के रूप में सामने आएगा। दुनिया के प्रमुख देश अब किसी एक बाज़ार पर अति-निर्भरता समाप्त कर सुरक्षित विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इस समझौते के माध्यम से अमेरिकी कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन कलपुर्जे, सौर ऊर्जा और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्रों में भारत को एक विश्वसनीय और पसंदीदा वैश्विक केंद्र के रूप में चुनेंगी। इससे न केवल देश में बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि घरेलू विनिर्माण क्षमता का भी अभूतपूर्व विस्तार होगा। लॉजिस्टिक्स लागत घटाकर तथा अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक अपनाकर भारतीय उत्पादों को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाना आवश्यक है।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

योग के सभी सूत्र जीवन की आधारशिला

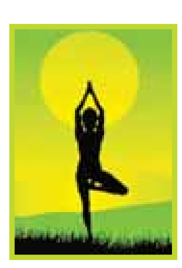

संकलित

दर्शन

योग प्राचीन काल से भारतीय आध्यात्मिक संचेतना का केंद्र रहा है। इसके आदिम सूत्रधार परमयोगी भगवान शिव हैं। योग शब्द का प्रयोग विभिन्न अर्थों में होता रहा है। समाधि अर्थ में इसका प्रयोग आत्मा और परमात्मा के मिलन के लिए किया जाता है, जब साधक अपनी साधना की चरमावस्था में परमात्मा से एकाकार होकर उसका साक्षात्कार कर लेता है। अग्निपुराण में भी मन एवं आत्मा तथा आत्मा और परमात्मा के संयोग को योग कहा गया। सांख्यदर्शन के अनुसार प्रकृति और पुरुष का भेद होने पर भी पुरुष का आत्मस्वरूप में स्थित हो जाना योग कहलाता है। कठोपनिषद् के अनुसार, जब इंद्रियां मन के साथ और मन अविचल बुद्धि के साथ स्थिर हो जाता है तो यह अवस्था योग की होती है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने 'योगः कर्मसु कौशलम्' कहकर योग का जो स्वरूप अजरुन के समक्ष प्रस्तुत किया है वह सामान्य जन के सर्वाधिक निकट है। कोई भी मनुष्य एकाग्रचित्त होकर निष्काम भाव से कर्म करते हुए योग को सिद्ध कर सकता है। योगसूत्र के प्रणेता महर्षि पतंजलि संयमन अर्थ में चित्तवृत्तियों के निरोध को योग कहते हैं। उनके अनुसार यम, नियम, आसन, ध्यान, धारणा आदि आठ अंगों से संपन्न प्राणायाम की विविध क्रियाएं योग कहलाती हैं। इससे चित्त की एकाग्रता बढ़ती है। बुद्धि में स्थिरता आती है। चिंतन उत्कृष्ट होता है। मन में सद्विचारों का उदय होता है। नकारात्मक प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाती हैं। परिणामतः आत्मिक और शारीरिक शक्तियों में वृद्धि होती है।

अहंकार ही व्यक्ति की समस्याओं का कारण

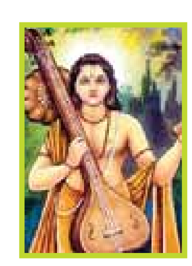

संकलित

प्रेरणा

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया तो इस बात का घमंड हो गया। इसके बाद नारद जी जहां जाते, वहां अपनी तारीफ करने लगते। ऐसे ही एक दिन वे शिव जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने शिव जी के सामने अपनी प्रशंसा करना शुरू कर दी। शिव जी नारद मुनि की बातें सुनकर समझ गए कि इन्हें अहंकार हो गया है। शिव जी से विदा लेकर नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए और विष्णु जी के सामने अपनी तारीफ करनी शुरू कर दी। विष्णु जी के सामने नारद मुनि ने अहंकार दिखाया तो विष्णु जी ने तय किया कि नारद जी भक्त हैं और इनका घमंड करना सही नहीं है। इसके बाद विष्णु जी ने अपनी माया रची। नारद मुनि विष्णु जी के यहां लौट रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक सुंदर राज्य दिखा। वे उस राज्य में पहुंचे तो वहां देखा कि एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा है। राजकुमारी बहुत सुंदर थी। उसे देखकर नारद ही मोहित हो गए और तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी से कहा कि आप मुझे सुंदर रूप दे दीजिए। ताकि मैं उस स्वयंवर राजकुमारी से विवाह कर सकूं। इसके बाद नारद मुनि उस स्वयंवर में पहुंच गए। विष्णु जी ने नारद मुनि को बंदर का मुख दे दिया था। स्वयंवर में नारद पहुंचे तो वहां बंदर जैसे मुख की वजह से उनका बहुत अपमान हुआ। गुस्से में नारद मुनि ने विष्णु जी को शाप दे दिया, लेकिन जब उनका मन शांत हुआ तो उन्हें पूरी बात समझ आ गई। जब नारद का घमंड टूटा तो उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी।

सटाका

आज की पाती

आयकर के प्रति गंभीरता जरूरी

24 जुलाई को आयकर दिवस मनाया गया। वर्ष 1860 को सर जेम्स विल्सन ने कर व्यवस्था को शुरू किया था। आयकर दिवस मनाने का मुख्य कारण करदाताओं का देश के विकास में जो महत्वपूर्ण योगदान है, उसके लिए इन्हें सम्मान देना और लोगों को आयकर के प्रति जागरूक करना भी है। जितने भी करदाता हैं, चाहे वो बिजनेसमैन हों, छोटे-बड़े उद्योगपति हों, दुकानदार या अन्य कोई भी, इन सभी का देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। सरकारें आमजन को जितनी भी मुफ्त की सुविधाएं देती हैं वो भी इन्हीं करदाताओं की बदौलत हैं। देश की आर्थिक व्यवस्था को सुधारने में टैक्स प्रणाली का बहुत बड़ा योगदान होता है। कर देने वालों का सम्मान जरूरी है, ताकि देश में विकास कार्य न रुकें।

- सुनील गुप्ता, रोहतक

करंट अफेयर

भारत एनआईडी को वैध यात्रा दस्तावेज की मान्यता दे

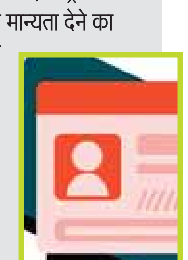

नेपाल ने भारत की यात्रा पर आने वाले नेपाली नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) को वैध यात्रा दस्तावेज के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इस कदम के लागू होने पर नागरिकता प्रमाणपत्र और पासपोर्ट के साथ-साथ राष्ट्रीय पहचान पत्र का भी यात्रा दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। आव्रजन विभाग के प्रवक्ता टीका राम ढकाल ने बताया कि विभाग ने राजनयिक माध्यमों से यह प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा है और भारत की यात्रा के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र को मान्यता देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, 'हमने गृह मंत्रालय के माध्यम से यह प्रस्ताव पहले ही विदेश मंत्रालय को भेज दिया था और विदेश मंत्रालय ने इसे भारत के संबंधित अधिकारियों को अग्रेषित कर दिया है।' ढकाल ने कहा, ' 'हम इस मामले में काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं और भारत की ओर से औपचारिक जवाब की प्रतीक्षा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो राष्ट्रीय पहचान पत्र हवाई और सड़क, दोनों मार्गों से भारत की यात्रा करने वाले नेपाली नागरिकों के लिए नागरिकता प्रमाणपत्र और पासपोर्ट के साथ तीसरा वैध पहचान दस्तावेज बन जाएगा।

ऑफ बीट

रेन कोट की पानी से बचाव की क्षमता घटने के कारण

तेज बारिश में बाहर निकलने के कुछ ही समय बाद यदि रेन कोट के अंदर कपड़े भीगने लगें, तो अक्सर लगता है कि 'वाटरप्रूफ' कोट ने काम करना बंद कर दिया। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि आमतौर पर रेन कोट अचानक खराब नहीं होता, बल्कि उसकी बाहरी परत, गंदगी और लंबे उपयोग का असर धीरे-धीरे उसकी क्षमता कम करता है। अधिकतर गुणवत्तापूर्ण रेन कोट के भीतर एक विशेष वाटरप्रूफ मेम्ब्रेन लगी होती है। गोर-टेक्स जैसी तकनीक में पीटीएफई या ईपीटीएफई की अत्यंत पतली परत होती है, जिसमें सूक्ष्म छिद्र बने होते हैं। ये छिद्र पानी की बूंदों को भीतर आने से रोकते हैं, लेकिन शरीर से निकलने वाली जलवाष्प को बाहर जाने देते हैं। कुछ अन्य कोट ठोस, गैर-छिद्रयुक्त मेम्ब्रेन का उपयोग करते हैं, जो नमी को अवशोषित कर अणु-दर-अणु बाहर निकालती हैं। रेन कोट के बाहरी कपड़े पर 'ड्यूरेबल वाटर रिपेलेंट' (डीडब्ल्यूआर) नामक रासायनिक परत लगाई जाती है, जिससे पानी बूंदों के रूप में फिसल जाता है। पहले इन परतों में पीएफएएस जैसे 'फॉरएवर केमिकल्स' का इस्तेमाल होता था, लेकिन पर्यावरणीय चिंताओं के कारण अब सिलिकॉन या हाइड्रोकार्बन आधारित विकल्प अपनाए जा रहे हैं।

ट्रेंड

अनाहत सिंह पर गर्व

2026 वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। गोल्ड मेडल जीतने और वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी बनने पर अनाहत सिंह पर गर्व है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

निष्पक्षता की मांग

दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध कर रहे छात्रों पर पैलेट गन, लाठी और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। मैं 19 साल के साहिल लोचब से मिला। पैलेट लगने से उनकी एक आंख जा सकती है। उनका "गुनाह" क्या था? पेपर लीक को खत्म करने और भविष्य के लिए निष्पक्षता की मांग करना।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

राष्ट्र हित सर्वोपरि

भारतीय सेना की अद्वितीय वीरता, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र को सदा गौरवान्वित करता रहेगा। हमारे नायकों का साहस, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति समर्पण हम सभी को राष्ट्र हितों को सर्वोपरि रखने के लिए सदा प्रेरित करता रहेगा।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

सीआईडी की विश्वसनीयता

शराब घोटाले, जेएसएससी और ट्रेजरी घोटाले की जांच में सीआईडी के कामकाज को लेकर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। अब जेपीएससी मामले में भी वैसी ही आशंकाएं सामने आ रही हैं। जनता के बीच सीआईडी की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो चुकी है।

- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

चित्रकूटः देवांगना घाटी गैंगरेप के तीनों आरोपी गिरफ्तार मुख्य अभियुक्त मुठभेड़ के बाद दबोचा गया

96 घंटे में पुलिस ने सुलझाई वारदात; मुठभेड़ में मुख्य आरोपी के पैर में लगी गोली,दो तमंचे और कारतूस बरामद

सतना। चित्रकूट की देवांगना घाटी में छात्रा के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने 96 घंटे के भीतर सफल खुलासा कर दिया है। मामले में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी जितेंद्र उर्फ भोले को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया,जिसके पैर में गोली लगी है। वहीं,घटना में शामिल दो अन्य फरार आरोपियों को भी रविवार को दबोच लिया गया।

मड़फा पहाड़ पर मुठभेड़,सिपाही भी घायल

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के अनुसार,शनिवार को मड़फा पहाड़-हुडा मार्ग पर चेकिंग के दौरान पुलिस टीम की मुख्य आरोपी जितेंद्र उर्फ भोले से मुठभेड़ हो गई।पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी आरोपी जितेंद्र पैर में गोली लगने से घायल हो गया,जिसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। इस कार्रवाई के दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। पुलिस ने मौके से घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल,दो तमंचे,तीन जिंदा कारतूस और तीन खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

एसओजी और पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचे दो फरार आरोपी

मुख्य आरोपी से पूछताछ के आधार पर एसओजी और बहिलपुरवा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रविवार को फरार चल रहे दो अन्य अभियुक्तों-विवेक पटेल उर्फ सोनू और प्रवीण पटेल को मछरिहा तिराहा के पास से गिरफ्तार कर लिया।

सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से मिली सफलता

उल्लेखनीय है कि 22 जुलाई को देवांगना घाटी में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए एडीजी,डीआईजी और एसपी ने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया था। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए एसओजी, सर्विलांस और स्थानीय पुलिस की विशेष टीमें लगाई गई थीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल सर्विलांस के आधार पर 24 जुलाई को तीनों आरोपियों की पहचान की थी। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि घटना के बाद वे घबराकर सेमरदहा इलाके में छिपे थे और बाद में शिवरामपुर की ओर भाग गए थे। पुलिस फिलहाल तीनों आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और अन्य गंभीर धाराओं के तहत वैधानिक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला फरार आरोपी चढ़ा कोतवाली पुलिस के हत्थे

सतना। नाबालिग बालिकाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर सख्त कार्रवाई के तहत थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के गंभीर मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह पूरी कार्रवाई उपपुलिस अधीक्षक व थाना प्रभारी रावेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में अंजाम दी गई। मामले की जानकारी के अनुसार,पीड़िता ने थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी रज्जन शाह (35 वर्ष),निवासी टिकुरिया टोला (कब्रस्तान के अंदर),थाना कोलगवां ने उसके साथ गलत काम (दुष्कर्म) किया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1), 64(2)(m) एवं पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(j)(2), 5L/6 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। संवेदनशील मामला होने के कारण पुलिस टीम गठित कर आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू की गई। मुखबिर तंत्र और तकनीकी साधनों की मदद से आरोपी रज्जन शाह को धर दबोचा गया। विधिवत गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक बेबी तरन्नुम,आरक्षक रमाकांत शर्मा, महिला आरक्षक प्रियंका चतुर्वेदी तथा एकता श्रीवास्तव का सराहनीय योगदान रहा।

अपनी ही जमीन पर लाठी खाए पति-पत्नी

मानपुर। कानून व्यवस्था और पुलिसिया मुस्तैदी के दावे कागज पर कितने ही मजबूत दिखते हों, लेकिन मानपुर जनपद के मुगवानी गाँव में जो हुआ, वह व्यवस्था के मुँह पर करारा तमाचा है। यहाँ दबंगों का दुस्साहस इस कदर बुलंद है कि खून बहाकर भी वे खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय शायद किसी 'शुभ मुहूर्त' का इंतजार कर रही है।

घटना बीती 21 जुलाई की है, जब पीड़िता कुसुम चतुर्वेदी अपने पति केशव चतुर्वेदी के साथ अपनी ही निजी जमीन पर बाड़ी (घेराबंदी) लगा रही थीं। तभी पड़ोस में रहने वाले संबंधी—राजेन्द्र चतुर्वेदी और उसका बेटा वीरेश चतुर्वेदी, एक राय होकर लाठी-डंडों से लैस होकर आ धमके। गाली-गलौज करते हुए आरोपियों ने सीधे सिर पर जानलेवा वार कर दिया। दंपति लहू-लुहान होकर बचाओ-बचाओ चिल्लाते रहे, लेकिन हमलावर उन्हें जान से मारने की धमकी देकर बड़े आराम से चंपत हो गए।

खून से लथपथ हालत में पीड़ित पति-पत्नी न्याय की उम्मीद लेकर इन्दवार पुलिस थाने पहुँचे। लेकिन हद तो तब हो गई जब पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस ने उनकी पूरी बात सुनने के बजाय रिपोर्ट को अपने हिसाब से 'हल्का' कर दिया। घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी पुलिस के नाक के नीचे बेखौफ घूम रहे हैं, मानों उन्हें कानून का कोई खौफ ही न हो।

बच्चों की थाली पर डाका: लखनौटी के स्कूल में पानी वाली सब्जी और जली पूरी

मानपुर।

शासन की योजनाएं कितनी ही लुभावनी क्यों न हों, लेकिन जब बात जमीनी हकीकत की आती है, तो मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत लखनौटी का एकीकृत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय इसका एक जीता-जागता और शर्मनाक नमूना पेश करता है। यहां बच्चों के निवाले पर खुल्लम-खुल्ला डाका डाला जा रहा है और मीनू सिर्फ दीवारों की शोभा बढ़ाने वाला एक बेजान कागज का टुकड़ा बनकर रह गया है।

बदहाली का सामान्य खेल

मध्य प्रदेश सरकार ने बड़े-बड़े दावों के साथ मंगलवार का दिन बच्चों और आंगनवाड़ी के नौनिहालों के लिए विशेष पोषण दिवस घोषित कर रखा है। कागजों में नियम हैं कि इस दिन बच्चों को हलवा, पूरी, खीर, लजीज सब्जी और पापड़ परोसा जाएगा। लेकिन लखनौटी के इस एकीकृत विद्यालय में मंगलवार को जो पोषण परोसा गया, उसे देखकर किसी भी संवेदनशील इंसान का खून खौल उठेगा। यहां हलवे के नाम पर क्या था, यह तो बनाने वाले ही जानें, लेकिन पूड़ियाँ ऐसी परोसी गईं जो कड़ाही में नहीं, शायद लापरवाही की आग में जलकर कोयला हो चुकी थीं। अब बात करें सब्जी की—तो यहां आलू-रसदार का एक नया ही आविष्कार देखने को मिला, जहां आलू का एक टुकड़ा ढूंढने के लिए पानी के समंदर में गोता लगाना पड़े, आलू अलग तैर रहा था और पानी अपनी अलग राह नाप रहा था। स्वाद और गुणवत्ता का दूर-दूर तक कोई नाता नहीं था।

मासूमों की सेहत से खिलवाड़, कौन जिम्मेदार

सरकार हर साल बच्चों के कुपोषण को दूर करने और उन्हें पोषण युक्त भोजन देने के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है। लेकिन लखनौटी में यह सरकारी पैसा बच्चों के पेट में जाने के बजाय स्व-सहायता समूह और जिम्मेदार तंत्र की लापरवाही की बलि चढ़ रहा है। जली हुई पूडि़यां और पानी से छक-छक करती सब्जी खाकर बच्चे सेहतमंद बनेंगे या बीमार पड़ेंगे, इसका जवाब शायद किसी प्रशासनिक अफसर के पास नहीं है। मीनू के अनुसार खाना न बनाना और घटिया सामग्री का इस्तेमाल करना अब यहां की नियति बन चुका है। बच्चों को मिलने वाले हक के निवाले को जिस बेरहमी से छीना जा रहा है, वह सिर्फ प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि एक नैतिक अपराध है।

जरा इधर भी रुख कीजिए साहब

जिले की कमान संभाल रहीं कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय से अब लखनौटी की जनता और अभिभावकों को ही अंतिम उम्मीद नजर आ रही है। ग्रामीणों और जनापेक्षाओं का स्पष्ट कहना है कि इस विद्यालय का तत्काल औचक निरीक्षण किया जाए। केवल कागजी खानापूर्ति या चेतावनी देकर मामला दबाने के बजाय, बच्चों के निवाले पर डाका डालने वाले दोषियों पर ऐसी दंडात्मक कार्रवाई की जाए जो मिसाल बने। जिस समूह के पास इस भोजन को बनाने की जिम्मेदारी है, उसे तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर काम किसी अन्य जिम्मेदार समूह को सौंपा जाए।

अंत्येष्टि सहायता राशि दिलाने के नाम पहले भी ले चुका था रिश्वत पेंशन प्रकरण निपटाने के लिए पैसे लेते हुआ ट्रैप

जल संसाधन विभाग के बाबू को 7 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ लोकायुक्त पुलिस ने किया गिरफ्तार

रीवा।

रीवा में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त की कार्रवाई लगातार जारी है। रविवार को लोकायुक्त पुलिस ने जल संसाधन विभाग के एक बाबू को सात हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने उसने पहले मृत कर्मचारी के अंतिम संस्कार सहायता राशि जारी करने के एवज में रिश्वत ली और बाद में पारिवारिक पेंशन तथा अन्य लंबित भुगतान के प्रकरण को आगे बढ़ाने के लिए दोबारा रुपए की मांग करने लगा। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने जाल बिछाया और आरोपी को बाणसागर कॉलोनी स्थित जल संसाधन विभाग कार्यालय के समीप रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। लोकायुक्त की इस कार्रवाई के बाद जल संसाधन विभाग में हड़कंप मच गया। ट्रैप के दौरान आरोपी के हाथ धुलवाए गए, जिसमें रिश्वत के नोटों पर लगाए गए रासायनिक पदार्थ की पुष्टि हुई। इसके बाद आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण

अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।जानकारी के अनुसार फरियादी के पिता जल संसाधन विभाग के त्योंथर कार्यालय में चौकीदार के पद पर कार्यरत थे। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझने के बाद 24 मार्च 2026 को उनका निधन हो गया। कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार पहले से ही आर्थिक संकट से गुजर रहा था। विभाग की ओर से मृतक कर्मचारी के अंतिम संस्कार एवं कर्मकांड के लिए मिलने वाली लगभग 1.25 लाख रुपए की सहायता राशि जारी करने के एवज में आरोपी बाबू ने पहले ही 5 हजार रिश्वत ले ली थी। परिजनों का आरोप है कि सहायता राशि मिलने के बाद भी आरोपी की मांग खत्म नहीं हुई। उसने मृतक कर्मचारी की पत्नी के पेंशन प्रकरण, अन्य विभागीय भुगतान और आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर फिर से रुपए मांगने शुरू कर दिए ।लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बार-बार मांग रहा था रुपए, परेशान होकर पहुंचा लोकायुक्त

फरियादी ने बताया कि आरोपी रामनारायण मिश्रा, जो जल संसाधन विभाग मे बड़े बाबू के पद पर पदस्थ है, लगातार पैसों की मांग कर रहा था। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए बार-बार रिश्वत देना संभव नहीं था। आरोपी की मांग और दबाव से परेशान होकर उसने रीवा लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। लोकायुक्त पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद पूरे मामले का सत्यापन कराया। जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर ट्रैप की योजना बनाई गई।

छुट्टी के दिन कार्यालय के पास बुलाया, वहीं बिछा था लोकायुक्त का जाल

बताया गया कि आरोपी ने रिश्वत लेने के लिए फरियादी को छुट्टी के दिन भी कार्यालय के पास बुलाया था, ताकि किसी को संदेह न हो। निर्धारित योजना के अनुसार फरियादी रिश्वत की राशि लेकर पहुंचा, जबकि लोकायुक्त की टीम आसपास सादे कपड़ों में तैनात थी।जैसे ही आरोपी ने 7 हजार रिश्वत के रूप में अपने कब्जे में लिए, टीम ने तत्काल उसे घेर लिया। मौके पर ही रासायनिक परीक्षण में रिश्वत लेने की पुष्टि होने के बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

1 लाख का कर्ज देकर हड़प लिया 13 लाख में मकान! शहडोल में सूदखोरों की बलि चढ़ा युवक

शहडोल। संभागीय मुख्यालय इन दिनों अवैध ब्याज माफिया और सूदखोरों की खूनी जकडऩ में पिस रहा है। मजबूरी में लिया गया चंद पैसों का कर्ज यहां लोगों की जिंदगियों पर भारी पड़ रहा है। रेलवे स्टेशन और आसपास की कॉलोनियों में बेखौफ होकर चल रहा यह काला धंधा अब मासूमों की बलि लेने लगा है। बीते दिनों किरण टॉकीज के पास, वार्ड नंबर 24/31 निवासी 32 वर्षीय होनहार युवक नितिन गुप्ता द्वारा अपनी ही प्रिंटिंग प्रेस में खुद को आग लगाकर आत्मदाह कर लेने की रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने पूरे शहर की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है।

रेलवे कर्मचारी पत्नी और गुर्गों का खूनी सिंडिकेट

जांच के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी राकेश यादव, उसकी रेलवे कर्मचारी पत्नी सरिता यादव और नितिन चौरसिया उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर बीएनएस की धारा 108 और 61(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि एक सरकारी नौकरी करने वाली महिला, महिला का पति और उसके गुर्गे शहर में खुलेआम ऐसा संगठित अपराध चला रहे थे और खाकी को भनक तक नहीं लगी, वसूली के लिए पाले गए ये गुंडे जरूरतमंदों को धमकाकर उनकी जिंदगियां और जायदादें निगल रहे हैं।

कड़क कप्तानों के जाते ही खाकी का खौफ खत्म

शहर में यह चर्चा आम है कि जब पूर्व एसपी अवधेश गोस्वामी का कार्यकाल था, तब सूदखोरों की रूह कांपती थी और वे सलाखों के पीछे स सड़ रहे थे, लेकिन श्री गोस्वामी के जाते ही और पुलिसिया सुस्ती का फायदा उठाकर ये गिद्ध फिर से सक्रिय हो गए। यदि पुलिस वक्त रहते इन ब्याज माफियाओं की नकेल कसती, तो आज नितिन गुप्ता जिंदा होता। जब संभागीय मुख्यालय शहडोल में आदमी आत्मदाह करने को मजबूर है, तो दूर-दराज के देहाती इलाकों का खुदा ही मालिक है, नितिन गुप्ता की मौत सिर्फ एक खुदकुशी नहीं, बल्कि लचर व्यवस्था द्वारा कराई गई संस्थागत हत्या है।

1 लाख रुपये का कर्ज और ले लिया घर

15 जून को हुई इस दर्दनाक वारदात के बाद जब पुलिस के हाथ सुसाइड नोट लगा, तो सूदखोरी का खौफनाक चेहरा बेनकाब हो गया। मृतक नितिन गुप्ता ने राकेश यादव नामक सूदखोर से महज 1 लाख रुपये का कर्ज लिया था। इस रकम की एवज में ब्याज का ऐसा मायाजाल बुना गया कि दबाव बनाकर नितिन के 13 लाख रुपये में मकान और जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली गई। कागजों में सौदेबाजी तो 13 लाख की दिखाई गई, लेकिन नितिन को एक फूटी कौड़ी भी नहीं दी गई।

सचिव ने किसान का फोड़ा सिर एफआईआर से कतराई पुलिस

शहडोल। पद का नशा और सरकारी कुर्सी की गर्मी जब दिमाग पर हावी हो जाए, तो कानून का खौफ किस कदर हवा हो जाता है, इसका खूनी नजारा जैतपुर थाना क्षेत्र के टिकुरी गांव में देखने को मिला। यहां खोडरी पंचायत के सचिव ने खाकी और पद के रसूख के नशे में अंधे होकर एक निरपराध किसान परिवार पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला बोल दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल किसान मौत से जूझ रहा है और शहडोल रेफर किया गया है, लेकिन जैतपुर पुलिस का दिल है कि पसीजने का नाम ही नहीं ले रहा।

जानकारी के मुताबिक, रसमोहनी निवासी किसान सतेंद्र सिंह बरगाही की टिकुरी गांव स्थित जमीन को लेकर पंचायत सचिव पुरन लाल साहू से विवाद चल रहा है। आरोप है कि सत्ता और पद की धौंस में चूर सचिव पुरन लाल साहू अपने लाव-लश्कर—पत्नी और सुपुत्र के साथ किसान के खेत पर आ धमके और खड़ी फसल के बीच जबरन ट्रैक्टर का इंजन खड़ा कर दिया। जब किसान सतेंद्र सिंह ने इस दादागिरी का विरोध किया, तो सचिव परिवार ने बिना सोचे-समझे लाठी-डंडों से किसान पर ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। बीच-बचाव करने पहुँची किसान की पत्नी और बेटे रोहित को भी लहूलुहान कर दिया गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से रफूचक्कर हो गए।

करंट की चपेट में आने से मासूम की दर्दनाक मौत दिव्यांग पिता के इकलौते पुत्र को नहीं बचा सके चिकित्सक

पन्ना। पन्ना जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र के कोठी टोला में शनिवार, 25 जुलाई 2026 की शाम एक अत्यंत हृदयविदारक हादसे में करंट लगने से एक मासूम बालक की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाम लगभग 6:00 बजे दिव्यांग संजय लोधी के इकलौते पुत्र रवि कृष्ण खेलते-खेलते घर के एक कमरे में चला गया। लगातार हो रही बारिश के कारण कमरे में लगे बिजली के बोर्ड में करंट आ गया था, जिसकी चपेट में आने से बालक वहीं फंस गया। कुछ देर बाद जब पिता संजय लोधी कमरे में पहुंचे, तब उन्हें यह आभास नहीं था कि उनके पुत्र को करंट लग चुका है। जैसे ही उन्होंने बच्चे को उठाने का प्रयास किया, वे भी करंट की चपेट में आ गए। हालांकि उन्होंने सूझबूझ का परिचय देते हुए स्वयं को किसी तरह बचा लिया, लेकिन तब तक बालक बेहोश हो चुका था। परिजन तत्काल निजी वाहन से रवि कृष्ण को सतना के बिरला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां इमरजेंसी वार्ड में चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि यह परिवार अत्यंत गरीब है तथा पिता संजय लोधी दिव्यांग हैं। इकलौते पुत्र की असमय मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन एवं शासन से मांग की है कि परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्हें शीघ्र आर्थिक सहायता और हर संभव सहयोग प्रदान किया जाए। ईश्वर दिवंगत बालक की आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति दें।

गांव के होनहार ने रचा सफलता का इतिहास, 2026 में शानदार प्रदर्शन

पन्ना। कहते हैं कि 'सपनों की उड़ान के लिए बड़े शहर नहीं, बड़ा हौसला चाहिए।' इस बात को सच साबित कर दिखाया है पन्ना जिले के अजयगढ़ विकासखंड के छोटे से ग्राम 'मेहंदीपुरवा' के प्रतिभाशाली छात्र 'विमल किशोर लोधी' ने।

सीमित संसाधनों के बीच कठिन परिश्रम और अटूट आत्मविश्वास के दम पर विमल ने 'छम्म्ज न्ळ 2026 री-एग्जाम' में '720 में से 538 अंक' प्राप्त करते हुए 'ऑल इंडिया रैंक 23,550' हासिल की और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफलता अर्जित कर जिले का गौरव बढ़ाया। शिक्षक 'नंदकिशोर लोधी' के पुत्र विमल की इस उपलब्धि ने न केवल परिवार बल्कि पूरे गांव और जिले को गौरवान्वित कर दिया। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं यदि सही दिशा और निरंतर मेहनत करें, तो राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

ऐसा है टमाटर का गणित, फसल ज्यादा होने से इस बार भी कीमत कम

चार का टमाटर, बेंगलुरु से भाड़ा 10 रुपए, यहां थोक में 16 और चिल्हर में दाम 20 रुपए किलो

हरिभूमि न्यूज >> रायपुर

राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश की सभी सब्जी मंडियों में इस समय टमाटर की आवक बेंगलुरु से हो रही है। वहां पर टमाटर की कीमत सौ रुपए क्रेट यानी चार रुपए किलो है। अब इस चार रुपए के टमाटर को रायपुर तक पहुंचने में दस रुपए प्रति किलो के हिसाब से भाड़ा लग रहा है। ऐसे में रायपुर की मंडी में इसके दाम थोक में चार सौ रुपए क्रेट यानी 16 रुपए किलो हैं।

चिल्हर में दाम ज्यादा

राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के अन्य सब्जी मंडियों में टमाटर के चिल्हर में दाम ज्यादा हैं। राजधानी रायपुर की अलग-अलग सब्जी मंडियों में इसके दाम 20 से 25 रुपए हैं। चिल्हर कारोबारियों के मुताबिक वे 16 रुपए किलो में टमाटर लेकर आते हैं तो दो रुपए तो भाड़ा ही लग जाता है। ऐसे में टमाटर उनको 18 रुपए किलो पड़ता है। ऐसे में इसको 20 रुपए में बेचना संभव नहीं होता है।

भाड़ा ज्यादा लगता है

बेंगलुरु में तो टमाटर के दाम कम हैं, लेकिन भाड़ा ज्यादा होने के कारण इसके दाम यहां पर थोक मे 15 से 16 रुपए हो जाते हैं।

-टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, डूमरतराई थोक सब्जी मंडी

इस बार भी दाम कम

आमतौर पर जब भी बेंगलुरु से टमाटर की आवक प्रारंभ होती है तो इसके दाम बढ़ जाते हैं, लेकिन यह लगातार दूसरा साल है जब इसके दाम बहुत कम हैं। इसके पीछे का कारण यह है कि वहां पर टमाटर की भारी फसल हुई है। ऐसे में वहां के किसानों को तो इसके दाम ही नहीं मिल पा रहे हैं। यहां के कारोबारियों के मुताबिक बेंगलुरु में इस समय टमाटर की कीमत 2 से 4 रुपए किलो है। बहुत अच्छी क्वालिटी का टमाटर चार रुपए किलो है।

भाड़े की वजह से रेट बढ़ा

बेंगलुरु में टमाटर के दाम तो महज चार रुपए हैं, लेकिन इसको वहां से रायपुर या प्रदेश के किसी भी शहर तक लाना महंगा साबित हो रहा है। रायपुर के कारोबारियों के मुताबिक बेंगलुरु से रायपुर तक एक क्रेट टमाटर का भाड़ा दो सौ रुपए है। इसकी के साथ लोडिंग और अनलोडिंग का शुल्क अलग से लगता है। ऐसे में एक किलो टमाटर पर यहां तक पहुंचने पर दस रुपए खर्च हो जाते हैं। ऐसे में चार रुपए किलो के टमाटर के दाम 14 रुपए हो जाते हैं। इसमें लोकल थोक कारोबारी इसमें अपना एक से दो रुपए किलो के हिसाब से मुनाफा जोड़कर इसके 15 से 16 रुपए किलो के हिसाब से बेचते हैं।

मानवता को झकझोर देने वाले आयरलैंड के चर्चित 'मदर एंड बेबी होम' मामले में जांच के दौरान एक और अहम जानकारी सामने आई है। खुदाई कर रही फॉरेंसिक टीम को 22 और नवजात बच्चों के कंकाल और अस्थियां मिली हैं। इसके साथ ही अब तक इस परिसर से कुल 99 बच्चों के अवशेष बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी सच्चाई से 60 साल बाद परदा उठा है।

जब कुंवारी मां बनीं लड़कियां तो बच्चों को जमीन में गाड़ा जिंदा

60 साल बाद उठा 99 लाशों की सच्चाई से परदा!

डबलिन। जांच एजेंसियों का मानना है कि जमीन के नीचे अभी भी बड़ी संख्या में बच्चों के अवशेष हो सकते हैं और खुदाई का काम आगे भी जारी रहेगा। ताजा बरामदगी उस हिस्से से हुई है, जिसे पुराने दस्तावेजों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज किया गया था। जांच में शामिल अधिकारियों के मुताबिक, बच्चों के अवशेष छोटे-छोटे ताबूतों में मिले हैं। सभी अवशेषों को सुरक्षित तरीके से आधुनिक फॉरेंसिक लैब में भेजा गया है, जहां उनकी वैज्ञानिक जांच की जाएगी।

62 लोगों ने सौंपे अपने डीएनए नमूने

उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और उन्हें वहां किस तरह दफनाया गया, इसकी जांच अभी जारी है। एक्सपर्ट पहले इन कंकालों को संरक्षित करेंगे और फिर रेडियोलॉजी, 3डी स्कैनिंग और अन्य तकनीकों की मदद से यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि बच्चों की उम्र क्या थी, उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और क्या उनकी पहचान स्थापित की जा सकती है। जांच का एक अहम हिस्सा डीएनए टेस्ट भी है। अब तक 62 लोगों ने अपने डीएनए नमूने जांच एजेंसियों को सौंपे हैं, ताकि अवशेषों की पहचान उनके परिवारों से कराई जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रक्रिया समय लेने वाली है, लेकिन इससे कई लोगों को दशकों पुराने सवालों के जवाब मिल सकते हैं।

बच्चों को माताओं से कर दिया जाता था अलग

इस बारे में वरिष्ठ फॉरेंसिक सलाहकार डॉ. नीव मैकुलघ ने कहा कि शुरुआती खुदाई में ही इतनी बड़ी संख्या में अवशेष मिलना इस बात का संकेत है कि परिसर के अन्य हिस्सों में भी और अवशेष हो सकते हैं। उनके अनुसार, एक ही स्थान पर इतने बच्चों को दफनाया जाना गंभीर जांच का विषय है और पूरी साइट की वैज्ञानिक तरीके से पड़ताल की जा रही है। इस मामले ने पहली बार वर्ष 2014 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा था। इतिहासकार कैथरीन कॉर्लेस ने अपने शोध में पाया कि इस संस्थान से जुड़े 796 बच्चों के मृत्यु प्रमाण पत्र तो मौजूद हैं, लेकिन उनके दफनाने का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं मिला। इसी खुलासे के बाद सरकार ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कराई। 'मदर एंड बेबी होम' उन संस्थानों में शामिल था, जहां 20वीं सदी के दौरान अविवाहित गर्भवती महिलाओं को रखा जाता था। कई मामलों में बच्चों को जन्म के बाद उनकी माताओं से अलग कर दिया जाता था। यह संस्थान 1925 से 1961 तक संचालित हुआ।

बड़ी संख्या में हुई थी बच्चों की मौत

उपलब्ध रिकॉर्ड बताते हैं कि यहां बड़ी संख्या में बच्चों की मौत हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार, इनमें से कई मौतें कुपोषण, संक्रमण और ऐसी बीमारियों के कारण हुईं जिनका इलाज उस समय संभव था। आज भी इस पूरे मामले की जांच जारी है। जांच एजेंसियों का कहना है कि खुदाई पूरी होने और सभी वैज्ञानिक परीक्षण खत्म होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी, जिसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वहां कुल कितने बच्चों के अवशेष मौजूद हैं। साथ ही, डीएनए जांच के जरिए अधिक से अधिक बच्चों की पहचान कर उन्हें उनके परिवारों से जोड़ने की कोशिश की जाएगी. यह मामला केवल एक जांच नहीं है, बल्कि उन परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण है जो वर्षों से अपने प्रियजनों के बारे में सच्चाई जानने का इंतजार कर रहे हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ कई और तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

रोचक खबरें

ये है दुनिया का सबसे आलसी जानवर हफ्ते में एक बार ही करता है पॉटी

नई दिल्ली। दुनिया भर में आलस्य की मिसाल दी जाए तो सबसे पहले स्लॉथ (Sloth) का नाम लिया जाता है। दक्षिण और मध्य अमेरिका के वर्षावनों में पाया जाने वाला यह अनोखा जानवर इतना आलसी है कि उसकी जिंदगी का अधिकांश हिस्सा पेड़ की डाल पर लटके रहने में बीतता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि स्लॉथ प्रकृति का सबसे धीमा जानवर है, जिसकी गति इतनी कम होती है कि इंसान आसानी से इसे पकड़ सकता है। लेकिन, इसके आलस्य के पीछे एक गहरा वैज्ञानिक कारण छिपा है। स्लॉथ की सबसे चर्चित आदत है उसका पॉटी करना। सामान्य जानवर रोजाना कई बार शौच करते हैं, लेकिन स्लॉथ हफ्ते में सिर्फ एक बार नीचे उतरकर पॉटी करता है। यह प्रक्रिया उसके लिए इतनी मेहनत भरी होती है कि वह पेड़ से नीचे आता है, पॉटी करता है और फिर तुरंत वापस चढ़ जाता है। दिलचस्प बात यह है कि पॉटी करने के दौरान वह अपनी बॉडी का लगभग एक तिहाई वजन खो देता है। इतना भारी मल त्याग करना उसके लिए खतरनाक भी हो सकता है, क्योंकि जंगल में शेर, जगुआर जैसे शिकारी उसे आसानी से पकड़ सकते हैं। स्लॉथ का मेटाबोलिक रेट बेहद धीमा होता है। मनुष्यों की तुलना में इसकी मेटाबॉलिज्म 40-74% तक कम होती है। यही वजह है कि यह कम खाता है और जो खाता है उसे पचाने में भी बहुत समय लगता है। इसके बालों पर शैवाल उग आते हैं जो हरे रंग के होते हैं, जिससे यह पेड़ों में घुल-मिल जाता है और शिकारियों से बच जाता है।

डिलीवरी के ठीक बाद बॉस ने मांगी नवजात की सेल्फी, बाद में नौकरी से भी निकाला!

कुआलालंपुर। मलेशिया से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। एक महिला का आरोप है कि बच्चे को जन्म देने के कुछ ही घंटों बाद उसके बॉस ने आराम करने या हालचाल पूछने के बजाय उससे यह साबित करने के लिए सबूत मांगने शुरू कर दिए कि उसने सच में बच्चे को जन्म दिया है। हैरानी की बात यह है कि सभी दस्तावेज भेजने के बाद भी कंपनी ने उसका कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया। महिला ने अपनी कहानी मलेशियाई मीडिया प्लेटफॉर्म एमस्टार के साथ शेयर की। महिला के मुताबिक, उसने 29 अक्टूबर को अपने पहले बच्चे को जन्म दिया। डिलीवरी के बाद वह अस्पताल में भर्ती थी और रिकवरी की प्रक्रिया से गुजर रही थी। इसी दौरान उसके फोन पर ऑफिस से डिलीवरी के सबूत के लिए लगातार कॉल और मैसेज आने लगे। महिला ने बताया कि शुरुआत में उसके पति ने अस्पताल की ओर से जारी बेबी इंफॉर्मेशन कार्ड बॉस को भेज दिया। पति द्वारा भेजे गए कार्ड में महिला का नाम, अस्पताल की जानकारी और बच्चे के जन्म की तारीख दर्ज थी। उन्हें लगा कि इससे सारी औपचारिकताएं पूरी हो जाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कुछ देर बाद बॉस ने और सबूत मांगने शुरू कर दिए। महिला से कहा गया कि वह अस्पताल में भर्ती होने से जुड़े दस्तावेज दिखाए और अपनी तस्वीर भी भेजे। तब उसने अस्पताल के गाउन में अपनी फोटो भेज दी। इसके बावजूद बॉस का शक खत्म नहीं हुआ। महिला का आरोप है कि इसके बाद उससे कहा गया कि वह नवजात बच्चे को गोद में लेकर एक सेल्फी भेजे, ताकि पुष्टि हो सके कि उसने वास्तव में बच्चे को जन्म दिया है। उस समय वह ऑपरेशन और डिलीवरी के बाद दर्द में थी। ऐसे में बार-बार फोटो भेजने की मांग ने परेशानी और बढ़ा दी। महिला का कहना है कि उसे सबसे ज्यादा दुख इस बात का हुआ कि उसके बॉस ने एक बार भी तबीयत के बारे में नहीं पूछा। पूरा ध्यान सिर्फ इस बात पर था कि वह अपनी बात साबित करे।

कंपनी ने कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाया

महिला ने सवाल उठाया कि अगर कंपनी को किसी तरह की पुष्टि करनी ही थी, तो डिस्चार्ज होने तक इंतजार क्यों नहीं किया जा सकता था। मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। महिला का रोजगार अनुबंध 30 अक्टूबर को समाप्त होने वाला था। उसने 29 अक्टूबर को बच्चे को जन्म दिया और उसी दिन अस्पताल से मांगे गए सभी दस्तावेज और तस्वीरें भेजती रही। इसके बावजूद अगले ही दिन कंपनी ने उसका कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाया। एक तरफ वह नई मां बनने की जिम्मेदारियों के साथ खुद को संभालने की कोशिश कर रही थी, वहीं दूसरी तरफ नौकरी छूटने की खबर उसके लिए बड़ा झटका साबित हुई। उसका कहना है कि जीवन के सबसे अहम और भावनात्मक समय में उसे सहयोग की जगह मानसिक दबाव का सामना करना पड़ा।

जलवायु परिवर्तन

ग्लेशियरों के पिघलने से बन सकती हैं 56 हजार नई झीलें

भारत-पाकिस्तान समेत इन देशों में तबाही का खतरा वैज्ञानिकों ने चेताया

इस्लामाबाद। दुनिया में 200,000 से 275,000 ग्लेशियर हैं, जिनमें कुल पानी का 69 फीसदी जमा है। ये ऑस्ट्रेलिया के अलावा हर महाद्वीप पर हैं। ये आर्कटिक, अलास्का, अंटार्कटिका के साथ-साथ हिमालय और एंडीज जैसी पर्वत श्रृंखलाओं में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। ये ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण पिघलकर एशिया समेत दुनिया के बड़े हिस्से के लिए खतरे का सबब बन सकते हैं। वैज्ञानिकों ने इसको लेकर चेतावनी दी है। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित एक अध्ययन में स्वीडन, अमेरिका, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे के शोधकर्ताओं ने ग्रह पर मौजूद सभी ग्लेशियरों के नीचे की जमीन का नक्शा बनाया और चौंकाने वाले नतीजे पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जब इस बर्फ का कुछ हिस्सा गायब हो जाएगा तो पृथ्वी पर 56,659 नई झीलें बनेंगी, जो अभी पूरी तरह से जमी हुई हैं।

क्या कहता है अध्ययन

इस स्टडी का मुख्य नतीजा यह था कि भविष्य में 56,659 ऐसी झीलें बन सकती हैं, जिनका कम से कम एरिया 0.05 वर्ग किलोमीटर होगा। ये भविष्य की झीलें 40,647 वर्ग किलोमीटर जगह घेर सकती हैं और इनमें 3,138 घन किलोमीटर तक पानी जमा हो सकता है। यह मात्रा समुद्र के जलस्तर में 7 मिलीमीटर की बढ़ोतरी के बराबर है, जो सीधे महासागरों में बहने के बजाय इन प्राकृतिक जलाशयों में कुछ समय के लिए जमा रहेगा। इसका मतलब है कि बर्फ से मुक्त होने वाली नई जमीन का 6% हिस्सा झीलों से ढका हो सकता है। स्टडी में इस संख्या की तुलना उन इलाकों में झीलों के कवरेज के ग्लोबल औसत से की गई है, जहां ग्लेशियर नहीं हैं। यह औसत लगभग 2 प्रतिशत है। एशिया के पहाड़ी इलाके चिंता का सबब हैं। स्टडी में ऊंचे पहाड़ी एशियाई इलाके को संवेदनशील माना गया है।

इस टीम ने किया विश्लेषण

स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी, अमेरिका की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के शोधकर्ताओं की टीम ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बड़ी बर्फ की चादरों के बाहर मौजूद ग्लेशियरों का विश्लेषण किया है। उन्होंने जीपीयू और डीप लर्निंग से चलने वाले 'इंस्ट्रक्टेड ग्लेशियर मॉडल' नाम के थ्री-डायमेंशनल आइस फ्लो मॉडल का इस्तेमाल करके ग्लेशियरों के नीचे की जमीन की बनावट का पता लगाया। इस विश्लेषण का मकसद यह समझना था कि अगर ग्लेशियर पूरी तरह से गायब हो जाएंगे तो पृथ्वी की सतह कैसी दिखेगी।

एशिया में खतरा क्यों ज्यादा

रिसर्चर्स ने एशियाई इलाके में ग्लेशियर के किनारों के पास बड़े गड्ढे देखे। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लेशियर के सबसे निचले हिस्से के पास बनने वाली झीलें ज्यादा पानी जमा कर सकती हैं। ये आबादी वाली घाटियों, सड़कों, पनबिजली संयंत्रों, खेती वाले इलाकों और गांवों के करीब हो सकती हैं। हाई माउंटेन एशिया में ग्लेशियर के किनारों के बड़े गड्ढे इसका संकेत हैं कि ग्लेशियर की झील फटने से अचानक बाढ़ आने का खतरा है। इस घटना को अंग्रेजी में **GLOF** कहा जाता है। ये तब होती हैं, जब ग्लेशियर की झील खाली हो जाती है और घाटी में बड़ी मात्रा में पानी, बर्फ और तलछट बहने लगती है।

छोटी सी जलन में पति ने 20 साल तक घर में नहीं बोला एक भी शब्द

टोक्यो। जापान के नारा शहर में रहने वाले ओटो कातायामा ने अपनी पत्नी युमी से पूरे 20 साल तक सिर्फ, इसलिए बातचीत नहीं की, क्योंकि उन्हें अपने ही नवजात बच्चों से जलन होने लगी थी। साल 1997 से शुरू हुआ यह अजीबोगरीब सिलसिला तब खुला जब उनके 18 वर्षीय सबसे छोटे बेटे योशिकी ने 2017 में एक टेलीविजन रियलिटी शो 'टीवी होक्काइडो' को पत्र लिखकर मदद मांगी। टीवी शो के मेकर्स दोनों को नारा पार्क की उसी पुरानी बेंच पर ले गए जहां दशकों पहले वे अपनी पहली रोमांटिक डेट पर मिले थे। छिपे हुए कैमरों और रोते हुए बच्चों के सामने ओटो ने 20 साल बाद अपना पहला वाक्य बोला- 'कुछ ऐसा समय हो गया है जब हमने आपस में बात की थी।' उन्होंने स्वीकार किया कि पत्नी का पूरा ध्यान बच्चों पर चले जाने से वे खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे और इसी बचकाने अहंकार में उन्होंने बोलना बंद कर दिया था।

खामोशी के बीच हुआ तीसरे बच्चे का जन्म

इस दो दशक लंबे गतिरोध के दौरान दोनों एक ही छत के नीचे रहे, तीन बच्चों की परवरिश की और रोज साथ खाना भी खाया। यहां तक कि इस खामोशी के बीच ही उनके तीसरे बच्चे का जन्म भी हुआ था। लेकिन, बातचीत के नाम पर ओटो अपनी पत्नी के सवालों का जवाब कभी वाक्यों में नहीं देते थे। वे केवल अपना सिर हिलाते या सिर्फ 'कूं-कूं') जैसी अधूरी आवाजें निकालकर रह जाते थे।

अफ्रीका महाद्वीप के बीचों-बीच फटी धरती

अदीस अबाबा। उत्तरी इथियोपिया के सुदूर अफार डिप्रेशन में प्रकृति का एक ऐसा दुर्लभ और अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है, जो अमूमन लाखों-करोड़ों सालों में घटित होता है। यहां अफ्रीकी महाद्वीप धीरे-धीरे दो हिस्सों में बंट रहा है और एक नए महासागर का जन्म हो रहा है। आमतौर पर नदियों, समुद्रों और पर्वतों के निर्माण जैसी भूगर्भीय प्रक्रियाएं बहुत धीमी गति से होती हैं, लेकिन हॉर्न ऑफ अफ्रीका के पास अफार ट्राएंगल में यह बदलाव बेहद हैरान करने वाली रफ्तार से देखने को मिला है। सितंबर 2005 में डब्बाहु ज्वालामुखी में हुए विस्फोट और उसके बाद आए तीव्र भूकंपीय झटकों ने पृथ्वी की ऊपरी परत को चीर दिया।

100 मीटर तक नीचे धंस गई जमीन

इसके बाद के कुछ महीनों में रेगिस्तान की सतह पर सैकड़ों छोटी-बड़ी दरारें उभरीं और जमीन 100 मीटर तक नीचे धंस गई। इसी दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि धरती की गहराइयों से पिघला हुआ मैग्मा ऊपर आ रहा है, जो आगे चलकर बेसाल्टिक समुद्री तल का रूप ले रहा है।

अंटार्कटिका की बर्फ में दिखा विशाल विशालकाय पक्षी

वॉशिंगटन/नई दिल्ली। नासा और इसरो के सिंथेटिक अपर्चर रडार सैटेलाइट ने पूर्वी अंटार्कटिका की एक शानदार तस्वीर ली है, जिसमें जमी हुई जमीन पर पंख फैलाए एक विशाल पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे रही है।निसार के वैज्ञानिकों ने इसे 'हमिंगबर्ड' नाम दिया है। यह अद्भुत आकृति कोई असली पक्षी नहीं है, बल्कि पहाड़, बर्फ और रडार टेक्नोलॉजी का एक अनोखा मेल है जो पृथ्वी के बर्फीले महाद्वीप की छिपी हुई जानकारियों को सामने लाता है। यह आकृति पूर्वी अंटार्कटिका की बर्फ की चादर के ऊपर उठी हुई एक चट्टानी पर्वत चोटी है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में 'नुनाटक ज़ातेरजावशिज्ञा' कहा जाता है। बर्फ से बाहर निकली ऐसी खुली चोटियों को 'नुनाटक' कहते हैं। जब ग्लेशियर उत्तर-पूर्व की ओर समुद्र की तरफ बहते हैं तो यह उठा हुआ पहाड़ उनके रास्ते में एक बाधा बनता है। इस वजह से इसके आसपास की गतिशील बर्फ पर भारी दबाव पड़ता है। अगस्त 2025 में निसार के एडवांस्ड L-बैंड रडार से ली गई इस तस्वीर में 'नुनातक ज़तेरजावशिज्या' दिखाई दे रहा है।

तस्वीर में दिखने वाले रंगों का क्या मतलब है?

नासा और इसरो ने बताया है कि यह तस्वीर सूरज के प्रकाश के बजाय माइक्रोवेव संकेतों का उपयोग करके ली गई है, जो विभिन्न प्रकार की बर्फ की सतहों में अंतर दिखाती है। सामान्य उपग्रहों या कैमरों से देखने पर यह पूरा इलाका केवल सफेद बर्फ जैसा दिखता है। लेकिन, निसार की रडार तकनीक ने इसे अलग-अलग रंगों में दिखाया है। यह रंग चिकनी सतहों से टकराकर लौटने वाले सिग्नलों को दर्शाते हैं। वहीं, सफेद क्षेत्र उन गहरी दरारों और खुरदरे हिस्सों को दिखाते हैं, जहां रडार की तरंगें आंतरिक बर्फीली संरचनाओं से टकराकर बिखर जाती हैं।

हैरानी फिर भी इसे देखने को बेताब रहते हैं लोग!

सबसे अकेला घर, चारों ओर सिर्फ समुद्र, न पड़ोसी न सड़क

न्यूयार्क। दुनिया में ऐसे कई घर हैं, जो अपनी बनावट, लोकेशन या इतिहास की वजह से लोगों को हैरान कर देते हैं। कहीं पहाड़ की चोटी पर घर बना है, तो कहीं समुद्र के बीच एक छोटा-सा मकान नजर आता है। कुछ घर पेड़ों पर बने हैं, तो कुछ बर्फीले इलाकों में लोगों का ध्यान खींचते हैं। लेकिन, आइसलैंड का एक सफेद रंग का छोटा-सा घर इन सबसे अलग माना जाता है। पहली नजर में इसे देखकर लगता है कि यहां कोई रहस्यमयी अरबपति रहता होगा या फिर यह किसी हॉलीवुड फिल्म का सेट होगा। हालांकि, इसकी असली कहानी इंटरनेट पर फैली अफवाहों से बिल्कुल अलग है। सोशल मीडिया पर इन दिनों यह अनोखा घर एक बार फिर चर्चा में है, जिसे दुनिया के सबसे अकेले घरों में से एक माना जाता है। दरअसल, यह अनोखा घर आइसलैंड के दक्षिणी तट से दूर स्थित एलिडाए नाम के छोटे से द्वीप पर बना हुआ है। चारों तरफ सिर्फ समुद्र, ऊंची चट्टानें और तेज हवाएं दिखाई देती हैं। इस द्वीप पर कोई स्थायी आबादी नहीं रहती. यहां तक पहुंचने के लिए भी केवल नाव का सहारा लेना पड़ता है। खराब मौसम में यहां नाव उतारना भी बेहद मुश्किल माना जाता है। यही वजह है कि यह जगह दुनिया की सबसे अलग-थलग और शांत जगहों में गिनी जाती है।

अकेलेपन का सबसे खूबसूरत प्रतीक

एलिडाए द्वीप पर बना यह छोटा-सा सफेद घर आज आइसलैंड की प्राकृतिक खूबसूरती और शांत जीवन का प्रतीक बन चुका है। यहां न शहरों का शोर है, न ट्रैफिक और न ही भीड़भाड़ सिर्फ समुद्र की लहरों की आवाज, ठंडी हवाएं और प्रकृति का अद्भुत नजारा दिखाई देता है। यही कारण है कि यह घर दुनिया के सबसे अनोखे और सबसे अलग-थलग बने घरों की सूची में हमेशा शामिल रहता है। सोशल मीडिया पर हमेशा ये दावा किया जाता है कि यह घर किसी अरबपति का प्राइवेट घर है या फिर सालों से ये वीरान पड़ा हुआ है। लेकिन सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। यह सफेद घर दरअसल एलीडाए हंटिंग एसोसिएशन का एक हंटिंग लॉज है। इसे 1950 के दशक में बनाया गया था। जब पफिन नाम के समुद्री पक्षियों के शिकार का मौसम आता है, तब इस संस्था के सदस्य कुछ दिनों के लिए यहां रुकते हैं। यानी यह घर रोजमर्रा की जिंदगी के लिए नहीं, बल्कि अस्थायी ठहरने के लिए बनाया गया है।

न बिजली, न पानी फिर भी है रहने की व्यवस्था

इस घर की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां आधुनिक सुविधाएं लगभग हैं ही नहीं हैं। घर में न बिजली की लाइन है, न पाइप से आने वाला पानी और न ही सीवर सिस्टम। जरूरत के लिए बारिश का पानी इकट्ठा किया जाता है और उसी का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, इतनी सादगी के बीच भी यहां एक पारंपरिक सॉना बनाया गया है, जहां ठंड से राहत पाने के लिए लोग बैठते हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद यह छोटा-सा घर कुछ दिनों तक आराम से रहने लायक सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

इस द्वीप के चारों ओर ऊंची-ऊंची चट्टानें, समुद्री पक्षियों की बड़ी कॉलोनियां और दूर-दूर तक फैला उत्तरी अटलांटिक महासागर दिखाई देता है। यहां इंसानों की भीड़ नहीं, बल्कि प्रकृति की शांति सुनाई देती है। यही वजह है कि फोटोग्राफर, ट्रैवलर और एडवेंचर पसंद करने वाले लोग इस जगह की तस्वीरें देखकर आकर्षित हो जाते हैं। हालांकि, आम लोगों के लिए यहां पहुंचना आसान नहीं है, लेकिन इंटरनेट की वजह से यह घर पूरी दुनिया में मशहूर हो चुका है।

खबर संक्षेप

हिंदुस्तान जिंक का शुद्ध लाभ 5,469 करोड़ रुपए हुआ

उदयपुर। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 145 प्रतिशत बढ़कर 5,469 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि परिचालन से राजस्व 77 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 13,747 करोड़ रहा। कंपनी ने पहली तिमाही में 8,074 करोड़ रुपए का एबिटडा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 109 प्रतिशत अधिक है। कंपनी सबसे कम लागत वाले जस्ता उत्पादकों में अपनी स्थिति और मजबूत की है।

बिरला सीमेंट का राजस्व 7 फीसदी बढ़ा

कोलकाता। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की जून तिमाही में मजबूत परिचालन प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने 98त्न की उच्च क्षमता उपयोग बनाए रखते हुए सीमेंट बिक्री बढ़ाकर 5.05 मिलियन टन कर दी, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बेहतर रही। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में ट्रेड सेगमेंट की मजबूत मांग ने इस वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कंपनी का रेवेन्यू 2,669 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 7 फीसदी अधिक है।

सुमीत का 199.75 करोड़ का राइट्स इश्यू सफल

सूरत। एकीकृत पॉलिएस्टर निर्माता सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपना 199.75 करोड़ का राइट्स इश्यू सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। कंपनी के इस कदम से उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के साथ परिचालन दक्षता में सुधार की योजनाओं को गति मिलेगी। कंपनी के निदेशक मंडल ने 2 रुपए अंकित मूल्य वाले 16,84,24,217 इक्विटी शेयरों के आवंटन को 11.86 रुपए प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर मंजूरी दी।

फ्यूजन एडुटेक का आईपीओ 31 जुलाई को

नई दिल्ली। शिक्षा प्रौद्योगिकी (एडटेक) क्षेत्र की कंपनी फ्यूजन क्लासरूम एडुटेक लिमिटेड ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम की घोषणा कर दी है। कंपनी का आईपीओ 31 जुलाई 2026 से निवेशकों के लिए खुलेगा और 4 अगस्त 2026 तक खुला रहेगा। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 30 जुलाई से शुरू होगी।

आईटीआर फाइलिंग से पहले ई-फाइलिंग पोर्टल ठप, करदाता और कर सलाहकारों की बढ़ी परेशानी

कई लोगों को पोर्टल पर लॉग-इन करने में भी दिक्कत, जबकि कुछ ने दावा किया कि पोर्टल कई घंटों तक ठप रहा

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

आयकर रिटर्न दाखिल करने की 31 जुलाई की अंतिम तिथि से पहले आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल में तकनीकी दिक्कत आने से टैक्सपेयर्स और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई उपयोगकर्ताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शिकायत की,कि पोर्टल ठीक से काम नहीं कर रहा, जिससे रिटर्न दाखिल करने और टैक्स भुगतान में बाधा आई। उपयोगकर्ताओं के अनुसार कई लोगों को पोर्टल पर लॉग-इन करने में भी दिक्कत हुई, जबकि कुछ ने दावा किया कि पोर्टल कई घंटों तक पूरी तरह ठप रहा। इसके कारण न तो आईटीआर फाइल हो सका और न ही टैक्स का भुगतान किया जा सका। वरिष्ठ कर सलाहकार राजेश जैन ने पोर्टल की तकनीकी समस्या को लेकर नाराजगी जताई।

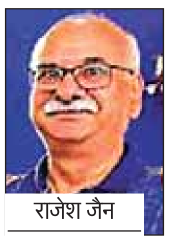

राजेश जैन

एक उपयोगकर्ता ने लिखा कि दो घंटे से अधिक समय तक पोर्टल काम नहीं कर रहा था, जिससे रिटर्न फाइलिंग और भुगतान दोनों प्रभावित हुए। वहीं, अन्य उपयोगकर्ताओं ने कहा कि यदि तकनीकी समस्या जल्द दूर नहीं होती है तो 31 जुलाई की अंतिम तिथि बढ़ाई जानी चाहिए।

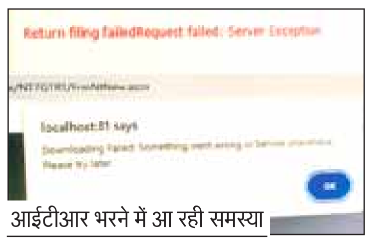

आईटीआर भरने में आ रही समस्या

3.5 करोड़ से अधिक आईटीआर हो चुके हैं दाखिल

आयकर विभाग की वेबसाइट के अनुसार, आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 3.5 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। हर वर्ष अंतिम तिथि के करीब बड़ी संख्या में लोग रिटर्न दाखिल करते हैं, जिसके कारण पोर्टल पर ट्रैफिक बढ़ने से तकनीकी दिक्कतें सामने आती रही हैं। फिलहाल, आयकर विभाग ने पोर्टल में आई तकनीकी समस्या के कारणों या उसके समाधान की समयसीमा को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। ऐसे में जिन करदाताओं को पोर्टल का उपयोग करने में परेशानी हो रही है, उन्हें विभाग की अगली सूचना का इंतजार करना होगा। अभी तक आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई ही निर्धारित है।

वित्त मंत्री की नसीहत, आम जनता को बेवजह न दौड़ाएं अधिकारी

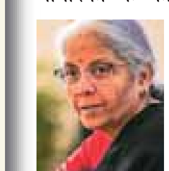

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विभाग के अधिकारियों को आम नागरिकों के काम में अनावश्यक देरी और परेशानियों से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र का सुस्त रवैया चिंताजनक है और इसे बदलने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने बताया कि इस इमारत के निर्माण के लिए आवश्यक मंजूरियां प्राप्त करने में आयकर विभाग के अधिकारियों को भी विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़े। उन्होंने कहा कि यदि प्रशिक्षित और जिम्मेदार अधिकारियों को ऐसी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, तो आम नागरिकों की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

तेज उछाल के बाद गिरावट

मुनाफावसूली से तेजी पर लगा ब्रेक हल्दी, धनिया और जीरा के दाम फिसले

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

पिछले कुछ सप्ताह से लगातार बढ़ रही मसालों की कीमतों में इस सप्ताह नरमी देखने को मिली है। बाजार के जानकारों के अनुसार तेज उछाल के बाद मुनाफावसूली और मानसून की स्थिति में सुधार के चलते हल्दी, धनिया और जीरा के भाव में गिरावट दर्ज की गई है।

माना जा रहा है कि लंबी अवधि में इन मसालों की कीमतों में फिर मजबूती देखने को मिल सकती है। गौरतलब है कि हल्दी का अगस्त वायदा अनुबंध 20 जुलाई को 21,492 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ था, जो 24 जुलाई को गिरकर 20,720 रुपए प्रति क्विंटल के निचले स्तर तक पहुंच गया। इसी अवधि में धनिया का अगस्त अनुबंध 16,298 रुपए से घटकर 15,460 रुपए प्रति क्विंटल रह गया, जबकि जीरे का अगस्त अनुबंध 21,285 रुपए से फिसलकर 20,950 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गया। तेज उछाल के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते कीमतों में कुछ गिरावट आई है। धनिया और जीरे में भी यही रुझान देखने को मिला। बाजार जानकार अनिल कुकरेजा ने कहा कि मानसून में सुधार से आगामी फसल को लेकर चिंताएं कुछ कम हुई हैं।

मारुति सुजुकी का नया ब्रेजा टर्बो बूस्टरजेट लांच

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने युवाओं का ध्यान रखते हुए अपना लोकप्रिय ब्रांड मॉडल न्यू ब्रेजा टर्बो बूस्टरजेट लॉन्च किया है। का दावा है कि नया मॉडल बिल्डर, आधुनिक तकनीक के साथ युवा उद्यम कंपनी को पूरा करेगा। शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7,39,900 रुपए रखी गई है। ब्रेज़ा का एक अन्य विकल्प के15 सी ड्रैगन जेट स्केट वीवीटी इंजन और स्मार्ट हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ भी उपलब्ध रहेगा।

10 नंबर मार्केट से अरेरा कॉलोनी तक घमासान, व्यापारी बोले- मिक्स लैंड यूज लागू हो

व्यापारी और रहवासी आमने-सामनेः रेजिडेंशियल बनाम कमर्शियल विवाद तेज, हजारों व्यापारियों की नजर भविष्य पर

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

राजधानी की पॉश कॉलोनियों में आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर विवाद अब बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। 10 नंबर मार्केट, अरेरा कॉलोनी, 11-12 नंबर मार्केट, 1100 क्वार्टर्स, बावडिया कला सहित कई क्षेत्रों में संचालित दुकानों, क्लीनिक, कार्यालयों और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर व्यापारी और रहवासी आमने-सामने हैं।

व्यापारियों का कहना है कि भोपाल की आबादी और क्षेत्रफल में पिछले दो दशकों में तेजी से विस्तार हुआ है, लेकिन नया मास्टर प्लान लंबे समय से लागू नहीं होने के कारण पर्याप्त व्यावसायिक स्थान विकसित नहीं हो सके। इसके चलते हजारों छोटे-बड़े व्यवसाय आवासीय भवनों से संचालित हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर रहवासी संगठनों का तर्क है कि कॉलोनियों का मूल स्वरूप आवासीय है। बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों से पार्किंग की समस्या, ट्रैफिक दबाव, शोर और सुरक्षा जैसी परेशानियां बढ़ रही हैं। उनका कहना है कि विकास जरूरी है, लेकिन रहवासियों की सुविधाओं और शांति का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

परिवारों की आजीविका प्रभावित होगी

व्यापारिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर के मुख्य मार्गों और विकसित क्षेत्रों में मिक्स लैंड यूज नीति लागू की जाए, जिससे आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों को नियमों के तहत संचालित किया जा सके। दस नंबर मार्केट स्थित व्यापारी आनंद सोनी का कहना है कि वे नगर निगम को कमर्शियल टैक्स, व्यावसायिक बिजली शुल्क और लाइसेंस शुल्क का भुगतान कर रहे हैं। ऐसे में अचानक कार्रवाई से हजारों व्यापारियों, कर्मचारियों और उनसे जुड़े परिवारों की आजीविका प्रभावित हो सकती है।

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू ने शुरू किया स्कूल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट

मुंबई। एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी ने प्रो. मकरंद हस्तक स्कूल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजी.एंड मैनेजमेंट की शुरुआत की है। यह नई अकादमिक पहल देश के लिए ऐसे प्रोफेशनल्स तैयार करने पर केंद्रित होगी, जो तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता से भी लैस हों। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से शुरू होने वाला यह स्कूल इंजीनियरिंग और इंडस्ट्री आधारित लर्निंग को एक साथ जोड़कर विद्यार्थियों को भविष्य की इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों के अनुरूप तैयार करेगा।

व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर

सीआईआई और दक्षिण अफ्रीका के वाणिज्य दूतावास के बीच चर्चा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और दक्षिण अफ्रीका के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापार, विनिर्माण और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के मुंबई स्थित महावाणिज्यदूत (कॉन्सुल जनरल) गेडियन लाबाने और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सीआईआई की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अल्पा अंतानी के साथ विचार विमर्श किया।

बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने, निवेश को प्रोत्साहित करने और विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही पश्चिमी भारत में उद्योग जगत के साथ कारोबारी सहभागिता बढ़ाने के लिए सीआईआई के व्यापक उद्योग नेटवर्क का बेहतर उपयोग करने पर भी सहमति बनी। बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बढ़ता आर्थिक सहयोग दोनों देशों के उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है तथा व्यापार और निवेश को नई गति देने में मददगार साबित होगा।

बैठक

विशेषज्ञों ने जताई साइलेंट लिवर डैमेज पर चिंता

नई दिल्ली। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में बढ़ रहे लिवर संबंधी रोगों पर चिंता जताते हुए लोगों से लिवर की सुरक्षा के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की है। वरिष्ठ आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. प्रीति छाबड़ा के अनुसार शरीर का प्राकृतिक डिटॉक्सिफिकेशन केंद्र माना जाने वाला लिवर पाचन, शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने सहित 500 से अधिक महत्वपूर्ण कार्य करता है, लेकिन इसके बावजूद लिवर स्वास्थ्य को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है।

आईआईएफएल के गोल्ड लोन ब्रांच 3 हजार के पार

नई दिल्ली। आईआईएफएल फाइनेंस ने देशभर में अपने समर्पित गोल्ड लोन ब्रांच की संख्या 3,000 के पार पहुंचने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि इस विस्तार से लाखों ग्राहकों, विशेषकर छोटे उद्यमियों, किसानों, व्यापारियों, कारीगरों और स्वरोजगार करने वाले लोगों तक औपचारिक ऋण सेवाओं की पहुंच और मजबूत होगी। कंपनी के अनुसार, नए ब्रांच नेटवर्क के माध्यम से ऐसे लोगों को भी संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी, जिनकी पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच सीमित रही है। आईआईएफएल फाइनेंस के गोल्ड लोन प्रमुख मयंक शर्मा ने कहा कि 3,000 समर्पित गोल्ड लोन शाखाओं का आंकड़ा पार करना केवल नेटवर्क विस्तार नहीं, बल्कि देशभर में उद्यमियों, किसानों, व्यापारियों और स्वरोजगार करने वाले लोगों तक समय पर संस्थागत ऋण पहुंचाने की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग रघुराजनगर (नगरीय) जिला- सतना (म.प्र.)

क्रमांक/1288/अनु.अधि.रघु./प्रवाचक-प्रथम/2026
सतना, दिनांक- 02/7/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आयुक्त महोदय नगर पालिक निगम सतना द्वारा मौजा घूरडांग तहसील रघुराजनगर की आराजी क्रमांक 5/1 कुल रकबा 2.0070 हे. एवं आराजी क्रमांक 1036 / 1 कुल रकबा 3.6820 हे. तथा आराजी क्रमांक 599/675/2 रकबा 3.8050 हे. भूमि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के AHP घटक के आवासों के निर्माण हेतु आवंटन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। म.प्र. नजूल निर्वर्तन निर्देश 2020 की कण्डिका 142 के अनुसरण में यह उद्घोषणा जारी की जाती है कि उपरोक्त आवंटन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था का दावा, आपत्ति अथवा सुझाव हो तो वह दिनांक 03/08/26 तक अनुविभागीय अधिकारी रघुराजनगर जिला सतना के न्यायालय के कक्ष क्रमांक जी -04 कलेक्ट्रेट कार्यालय सतना में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के बाद प्रस्तुत दावे आपत्ति अथवा सुझाव मान्य नहीं होंगे। यह उदघोषणा आज दिनांक 02/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी
रघुराजनगर (नगरीय) जिला- सतना (म.प्र.)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT (E./M.) DIVISION- JABALPUR (M.P.)
Indira Gandhi Road, South Civil Lines, Jabalpur (MP) Pin- 482001 Email:- cepwdelecjbp@mp.nic.in

NIT No.16/SAC/2026-27 — Notice Inviting Tender — Jabalpur Date :- 21.07.2026

Tender for the works mentioned below are invited through E-Tendering. This tender can be seen in the website http://mptenders.gov.in.

S. No.	Tender No.	Name of Work	Call	PAC Rs (in lacs)	EMD (in Rs.)	Cost of Tender Form (in Rs.)	Time Allowed for Completion	Contractor category
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_523040_1	INSTALLATION OF NEW SOLAR PANEL AT DEGREE COLLEGE KATANGI DIST BALAGHAT.	1ST	7.48	14960/-	2000/-	1 MONTH	Centralised PWD Registration in Electrical & "A" Class electric licence From MP Licensing Board And Registerd as Roof Top Solar Vender in MPPKVV. Co. Ltd
2	2026_PWDRB_523041_1	PROVIDING FIXING ELECTRICAL RENOVATION WORK IN 2MP NEVAL UNIT NCC OFFICE AT CIVIL LINE JABALPUR	2nd	5.41	10820/-	2000/-	1 MONTH	Centralised PWD Registration in Electrical & "A" Class electric licence From MP Licensing Board
3	2026_PWDRB_523043_1	AMC of 03 Nos Lifts (Jhonson make) BY OEM (for 5 year) installed in District Court Building at Narsinghpur	6th	13.43	26,860/-	2000/-	5 years	Centralised PWD Registration in Electrical & "A" Class electric licence From MP Licensing Board
4	2026_PWDRB_523045_1	PROVIDING ANNUAL MAINTENANCE CONTRACT (AMC) OF 1 NOS 8 PASSENGER ELEVATOR (BG2) INSTALLED AT SP EOW OFFICE KATANGA JABALPUR.	5th	1.56	3120/-	1000/-	1 years	Centralised PWD Registration in Electrical & "A" Class electric licence From MP Licensing Board
5	2026_PWDRB_523396_1	PROVIDING PASSENGER LIFT (03 Nos) REPAIRING AND MAINTENANCE WORK AT MEDICAL SCIENCE UNIVERSITY JABALPUR. (OEM OR AUTHORISED DEALOR OF THYSSENKRUPP ELEVATOR)	1ST	3.48	6960/-	2000/-	1 MONTH	Centralised PWD Registration in Electrical & "A" Class electric licence From MP Licensing Board

Details of Tender can be seen on tender Portal MP. Govt. https://mptenders.gov.in. Tender Form can be purchased after making online payment in the above website. The last date & time for purchase of Tender Document online is dated 03.08.2026 up to 5:30 PM. Amendments to NIT, if any would be published on above website only, and not in newspaper.

Executive Engineer
PWD (E/M) Division jabalpur

G-16265/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

मध्यप्रदेश शासन
नर्मदा घाटी विकास विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता अपर नर्मदा जोन, बरगी हिल्स, जबलपुर
Tel. No. - 0761-2673450 FAX No. - 0761-2672373 E-mail: ceunz.2010@rediffmail.com

निविदा क्रमांक 313 /सा/मु.अ./2026, निविदा आमंत्रण सूचना (तृतीय आमंत्रण) जबलपुर, दिनांक 23/07/2026

निम्न कार्यों की ऑन लाईन निविदा ई- प्रीक्योरमेंट सिस्टम पार्टल से वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर जारी की जा रही है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

निविदा आई.डी. क्रमांक	:	2026_NVDA_523567_1
कार्य का विवरण	:	टर्न की आधार पर बरगी व्यपवर्तन परियोजना की दांयी तट मुख्य नहर की आर.डी. 63.00 कि.मी. से आर. डी. 104.00 कि.मी. तक विद्यमान डब्ल्यू. बी. एम. सर्विस रोड डामरीकरण सड़क का निर्माण कार्य जिसमें सम्मिलित ओ.एम.सी. पर ग्रेडड स्टोन एग्रीगेट की उपलब्धता, बिछाने, फैलाने एवं काम्पेटिंग कर वेट मिक्स मैडम का निर्माण, बिटूमिन इमल्सन (एस.एस.- 1) द्वारा प्राईम कोट, बिटुमिन इमल्सन (आर. एस. - 1) द्वारा टैक कोट करना, उपयुक्त प्लान्ट मे मिश्रण कर 20 एम.एम. मोटाई की ओपन ग्रेडड प्री-मिक्स कार्पेट उपलब्ध कराना, बिछाना एवं रोलिंग करना, बिटुमिनस सतह के रिक्त स्थानों को सील करने हेतु सील कोट टाईप-बी (ii) बिटुमिन (व्ही. जी. - 30) प्रदान करना एवं बिछाना तथा चयनित मिट्टी से सोल्डर का निर्माण करना जिसकी सी.वी.आर. वेल्यू 12 से कम न हो, कार्य में 12 माह की दोष दायित्व अवधि भी शामिल है, साथ ही कार्य पूर्ण होने के बाद संचालन एवं रखरखाव का कार्य सामान्तर रूप से किया जाना शामिल है।
अनुबंध की अनुमानित राशि (रू. लाख में)	:	रू. 778.35 लाख (जी.एस.टी. के बिना)
धरोहर राशि (रुपएमें)	:	रू. 779000.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपए में)	:	रू. 20000.00 (नान रिफन्डेबल)
निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक	:	23-07-2026, 17:31 बजे से 07-08-2026, 17:30 बजे तक
धरोहर राशि प्रपत्र खोलने का दिनांक	:	10-08-2026, 10:30 बजे
कार्य पूर्णता अवधि	:	12 माह (वषार्काल छोड़कर)

1. निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर केवल ऑनलाईन क्रय किया जा सकता है। ऑनलाईन भुगतान क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट एकाउण्ट के माध्यम से किया जा सकता है।
2. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये उपरोक्त वेबसाईट का अवलोकन करें।

(डी.एल.वर्मा) मुख्य अभियंता
अपर नर्मदा जोन, बरगी हिल्स, जबलपुर (म. प्र.)

G-16276/26 "स्वच्छता ही सेवा"

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 6299

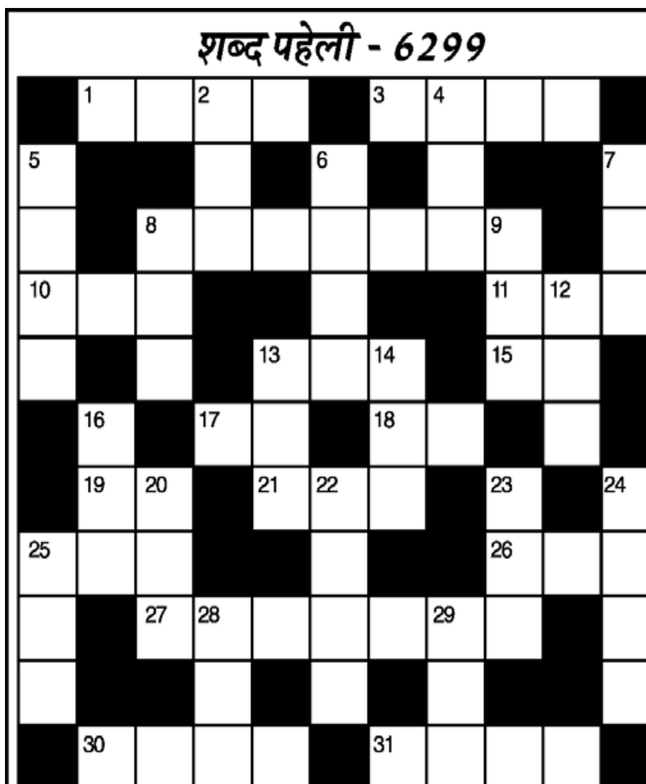

बाएँ से दाए
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6298 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चौ	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

सूडोकु नवताल - 6309

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6308 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

200 करोड़ क्लब की ओर विजय की जन नायकन

नई दिल्ली। विजय थलापति की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड गढ़ रही है। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि ओवरसीज मार्केट्स में भी इस फिल्म का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। विजय थलापति के स्टारडम के दम पर फिल्म ने अपने शुरुआती वीकेंड में ही दुनिया भर में ताबड़तोड़ कमाई की है और महज 3 दिनों के भीतर 200 करोड़ के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच गई है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने धमाकेदार ओपनिंग ली थी, हालांकि दूसरे दिन कमाई में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई, लेकिन तीसरे दिन (रविवार) फिल्म ने फिर से शानदार वापसी की।

लाइफ Style

आनंदी

सीन कटने से टूट गया दिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एक्ट्रेस आनंदी अजय ने एक बेहद इमोशनल वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह बात करते-करते फफक कर रो पड़ती हैं। एक्ट्रेस का दावा है कि 1 साल काम करने के बाद थलपति विजय की 'जन नायकन' से उनके सीन काट दिए गए हैं।

यह बात उन्हें फिल्म के रिलीज होने के बाद ही पता चली है। थलपित विजय की फेयरवेल फिल्म 'जन नायकन' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। एक तरफ जहां फैंस ने सिनेमाघरों को उत्सव का रंग दे दिया है, वहीं एक्ट्रेस आनंदी अजय का दिल टूट गया है। विजय के साथ स्क्रीन शेयर करना उनका सपना था। इसके लिए उन्होंने 1 साल तक कड़ी मेहनत की और फिल्म में काम भी किया। लेकिन, जब डायरेक्टर एच. विनोद की फिल्म रिलीज हुई तो वह यह देखकर दंग रह गईं कि उनका कोई भी सीन फिल्म में नहीं है। आनंदी ने एक बेहद इमोशनल वीडियो शेयर किया है, जिसमें अपनी आपबीती बताते हुए वह फफक कर रो पड़ी हैं। 'जन नायकन' पहले सेंसर बोर्ड के साथ विवाद में फंसी थी। यह मूल रूप से जनवरी महीने में ही रिलीज होने वाली थी। लेकिन 7 महीने का यह लंबा इंतजार भी आनंदी के लिए खुशी के पल लेकर नहीं आया। वीडियो पोस्ट में वह बताती हैं कि फिल्म के फाइनल एडिट से उनका सीन हटा दिया गया है। अब आनंदी का यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैंस उन्हें हिम्मत दे रहे हैं। तमिल टेलीविजन की पॉपुलर एक्ट्रेस आनंदी के लिए विजय की फिल्म का हिस्सा होना, जाहिर तौर पर बड़ी बात थी।

हॉलीवुड मसाला

द रिंग्स ऑफ... का टीजर ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। सैन डिएगो कॉमिक-कॉन 2026 में प्राइम वीडियो ने 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्सः द रिंग्स ऑफ पावर' सीजन 3 का टीजर ट्रेलर जारी किया। 99 सेकंड के इस प्रीव्यू में सीरीज के एक इंटेंस और डार्क दौर की झलक मिली, जिसमें मिडिल-अर्थ में सॉरॉन का उदय, 'वन रिंग' का निर्माण और फैलती हुई जंग नए सीजन की कहानी को आगे बढ़ाएगी। इस फुटेज को बेंजामिन वॉकर के मॉडरेट किए गए एक पैनल के दौरान दिखाया गया, जिसमें सिंथिया अडाई-रॉबिन्सन, ओवेन आर्थर, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, चार्ली विकर्स, डैनियल वेमैन और नए कलाकार जेमी कैंपबेल बॉवर चर्चा में शामिल हुए।

ब्लैक पैंथर का किरदार निभाएंगे डेविड....

लॉस एंजिल्स। 'ब्लैक पैंथर' फ्रेंचाइजी हॉलीवुड की सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की सबसे पहली फिल्म 'ब्लैक पैंथर' (2018) को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। इसका दूसरा भाग 'ब्लैक पैंथरः वकांडा फॉरएवर' 2022 में रिलीज हुआ। अब इसके तीसरे भाग 'ब्लैक पैंथर 3' के रिलीज होने की तैयारी हो रही है। इसमें 'ब्लैक पैंथर' का किरदार डेविड जॉनसन निभाएंगे। डेविड जॉनसन 15 दिसंबर 2028 को रिलीज होने वाली 'ब्लैक पैंथर 3' में टीचाला के बेटे का किरदार निभाएंगे। यह फिल्म जॉनसन के किरदार, प्रिंस टी'चाला 2 की कहानी दिखाएगी। डेविड जॉनसन 'ब्लैक पैंथरः वाकांडा फॉरएवर' में एक बच्चे के तौर पर नजर आए थे। डायरेक्टर रयान कूगलर तीसरी फिल्म के लिए वापसी करेंगे।

दीपिका से छूटी फिल्म अब कैट की झोली में!

नई दिल्ली। संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' प्रभास की मचअवेटेड फिल्मों में से एक है। प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर इस फिल्म को सबसे ज्यादा सुर्खियां तब मिलीं जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म से किनारा किया। अब एक बार फिल्म ये फिल्म चर्चा में है और वजह है नई एक्ट्रेस का नाम। दावा किया जा रहा है कि कैटरीना कैफ इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इसे लेकर अभी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडस्ट्री के एक सोर्स ने कैटरीना की काम पर वापसी की अफवाहों को 'पूरी तरह से गलत और गुमराह करने वाला' बताया है। सोर्स ने बताया, "फ्यूचर में कैट के एक्टिंग प्लान के बारे में किए जा रहे दावों में कोई सच्चाई नहीं है। यह रिपोर्ट पूरी तरह से अटकलों और गलत जानकारी पर आधारित है जिसकी कोई कनफर्मेशन नहीं है।

यामी कहानी-3 में आएंगी नजर...

मुंबई। यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का ऐलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म 'कहानी 3' में नजर आएंगी। सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंजाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म 'कहानी' साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया। वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कहानी 3' में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

टीवी मसाला

वो शख्स, जो जाते-जाते रामानंद की रामायण को बना गया अमर

नई दिल्ली। रवींद्र जैन वो सितारा थे, जिन्होंने खुद दृष्टिहीन होते हुए रामानंद सागर की 'रामायण' में अपने सुरीले संगीत से रंग भर दिए थे। ये रंग ऐसे भरे कि जब भी 'रामायण' की बात होती है, तो उनके कलाकारों के साथ ही उसकी चौपाइयां और गीत याद आ जाते हैं, जिन्हें रवींद्र जैन ने अपनी प्यारी आवाज और संगीत से सजाया था। रवींद्र जैन जन्म से ही दृष्टिहीन थे। उन्हें कुछ दिखाई नहीं देता था, पर भगवान ने उन्हें सुरीली आवाज और संगीत के अमर वरदान से नवाजा था। उनके गले में मां सरस्वती विराजत करती थीं। उन्हें 'सरस्वती पुत्र' कहा जाता था। उसी वरदान से उन्होंने रामानंद सागर को 'रामायण'के रूप में ऐसा तोहफा दे दिया, जो दुनियाभर में हमेशा के लिए अमर हो गया। 28 फरवरी 1944 को पैदा हुए रवींद्र जैन के पिता संस्कृत पंडित थे, पर बचपन में ही उन्होंने बेटे के हुनर को भांप लिया था। फिर क्या था, उन्होंने बेटे रवींद्र को जी.एल जैन, जनार्दन शर्मा और नाथू राम जैसे संगीतकारों के पास संगीत सीखने भेज दिया। रवींद्र जैन ने संगीत के लिए ही अपनी आंखों को इलाज तक नहीं कराया था। वह बचपन से ही दृष्टिहीन थे। आंखों का इलाज हो सकता था, पर रवींद्र का कहना था कि अगर उनकी आंखों की रोशनी लौट आई, तो वह न तो संगीत पर ध्यान दे पाएंगे और ना ही पहले जैसा संगीत बना पाएंगे। इसलिए उन्होंने आजीवन दृष्टिहीन होना ही चुना। रवींद्र जैन का 9 अक्टूबर 2015 को 71 साल की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे और मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती थे। परिवार में पत्नी दिव्या जैन और बेटा आयुष्मान ही रह गए।

हर्षद हुए लॉक अप 2 से बाहर

नई दिल्ली। 'लॉक अप 2' में ड्रामा जारी है क्योंकि अब हर्षद चोपड़ा को रियलिटी शो से बाहर कर दिया गया है। उनके बाहर होने से कई दर्शक हैरान हैं, जिन्हें उम्मीद थी कि वह गेम में और आगे तक जाएंगे। जेल के अंदर हर्षद एक शांत और संयमित कंटेस्टेंट के तौर पर दिखे। हालांकि उनकी कुछ बहसें और इमोशनल पल भी रहे, लेकिन ज़्यादातर समय वह गेम में अपने में ही रहे। लेकिन, बढ़ते कॉम्पिटिशन और मजबूत कंटेस्टेंट्स के बीच उन्हें काफी सपोर्ट नहीं मिल पाया और उन्हें शो छोड़ना पड़ा। उनके बाहर होने के बाद सोशल मीडिया पर फैन्स जोरदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई दर्शकों ने कहा कि उन्हें उनके इतनी जल्दी बाहर होने से झटका लगा है और वे निराश हैं। कुछ फैन्स ने इसे अनुचित भी बताया और कहा कि वह गेम में और समय के हकदार थे, जबकि दूसरों का कहना है कि यह शो के अनप्रेडिक्टेबल नेचर का ही हिस्सा है।

पेरिस तक गई, ताकि जमाने से आगे रह सकूं : हेलेन

नई दिल्ली। अदाकारा और मशहूर डांसर हेलेन के नाम पर दर्शकों की भीड़ सिनेमाघरों में फिल्म देखने टूट पड़ती थी। एक दौर था जब हेलन का सिर्फ नाम ही काफी थी। उन्होंने बॉलीवुड के कुछ सबसे यादगार डांस परफॉर्मेंस दी हैं। हेलेन ने हाल ही में इसे लेकर दिलचस्प खुलासा किया कि गानों को करने में वे खुद किस तरह एफर्ट्स डालती थीं। यह उनके डांस के अलावा फैशन से भी जुड़े थे।

चीजें खोजने विदेशों की यात्राएं कीं

हेलेन ने 'इंडियाज बेस्ट डांसर' के एक एपिसोड में बताया कि उन्होंने खुद कई ऐसी एक्सेसरीज चुनीं, जो उनके ग्लैमरस कैबरे डांस की पहचान बन गईं। हेलेन ने कहा कि वे हमेशा चाहती थीं कि उनके कॉस्ट्यूम अनोखे लगें। सिर्फ स्थानीय स्तर पर मिलने वाली एक्सेसरीज पर निर्भर रहने के बजाय, उन्होंने ऐसी चीजें खोजने के लिए विदेश की यात्रा कीं, जो उनके परफॉर्मेंस को एक अलग विजुअल पहचान दे सकें।

बहुत जल्दी डांस सीख लेती थीं

शो के जज जावेद जाफरी ने बॉलीवुड फैशन और डांस पर हेलेन के असर को याद किया और उन्हें ट्रिब्यूट दिया। उन्होंने कहा कि उनके बोल्ड कॉस्ट्यूम, शानदार परफॉर्मेंस और स्क्रीन पर उनके कॉन्फिडेंस भरे अंदाज ने हिंदी फिल्मों में ग्लैमर को पेश करने का तरीका बदल दिया। उनके मुताबिक, उन्होंने नए ट्रेंड सेट किए और साथ ही कई पीढ़ियों के कलाकारों को प्रेरित भी किया। करिश्मा कपूर ने भी अपनी मां से जुड़ी एक याद शेयर की। उन्होंने कहा, 'मेरी मां मुझे बताती थीं कि जब भी हेलेन जी सेट पर आती थीं, तो सब लोग सम्मान के साथ शांत हो जाते थे। ठीक वैसे ही जैसे शम्मी कपूर के आने पर होता था'। करिश्मा कपूर ने यह भी बताया कि हेलेन रिहर्सल के दौरान बहुत तेजी से कोरियोग्राफी सीख लेती थीं, जिसके लिए उनके प्रोफेशनलिज्म और हुनर की तारीफ की जाती थी।

अपने लुक की हर चीज पर खुद ध्यान देती थीं

अपने डांस नंबर्स की तैयारी को याद करते हुए हेलेन ने बताया कि वे अपने लुक की हर छोटी-बड़ी चीज पर खुद ध्यान देती थीं। उन्होंने खुद ऐसी एक्सेसरीज और फैशन की चीजें चुनीं, जो उस समय भारत में आम नहीं थीं। उन्होंने कहा, 'मैं लंदन गई और वहां से नीले, भूरे और हरे रंग के लेंस और खास आईलैश (पलकें) लेकर आई। मेरे हेडगियर (बालों की एक्सेसरजी) मेरे हेयरड्रेसर ने बनाए थे। मैं अपनी कॉस्ट्यूम के लिए असली पंख लेने पेरिस भी गई थी। मेरी ज्वेलरी, बड़े गॉगल्स और एक्सेसरीज, ये सब मैंने इसलिए, चुना ताकि मैं जमाने से आगे रह सकूं'।

शूटिंग के लिए पति-बेटी संग लौटीं भारत

मुंबई। मच अवेटेड फिल्म 'वाराणसी' से प्रियंका चोपड़ा 8 साल के गैप के बाद इंडियन सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग के लिए वह पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी के साथ भारत आई हैं। उन्हें हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं। फ़िल्म का ज़्यादातर हिस्सा शूट हो चुका है, बस कुछ छोटे-छोटे आपस में जुड़े सीन बाकी हैं। एएस राजामौली ने बताया था कि टीम को उम्मीद है कि इस साल सितंबर या अक्टूबर तक फ़िल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी. वाराणसी को 7 अप्रैल, 2027 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा। वायरल तस्वीरों और वीडियो में निक जोनास और प्रियंका चोपड़ा को साथ चलते हुए देखा जा सकता है। प्रियंका को ऑफ-शोल्डर टॉप वाले डार्क ब्राउन को-ऑर्ड सेट में देखा जा सकता है। उन्होंने एयरपोर्ट लुक को बेज रंग की कैप, काले धूप के चश्मे और ब्राउन रंग के फ्लैट्स के साथ कंप्लीट किया है। वहीं, निक जोनास ने एयरपोर्ट लुक के लिए कंफर्टेबल ऑल-ब्लैक आउटफिट चुना. वह काली शर्ट के साथ मैचिंग ट्राउज़र पहने दिखाई दिए. उन्होंने सफेद-काले स्नीकर्स और टिंटेड धूप के चश्मे के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया।

शिव भक्ति से जुड़ा था गीत, स्टूडियो में डायरेक्टर की थी नो-एंट्री

पहले ठुकराया, फिर गुस्से में लता ने गाया था ये कालजयी गाना

नई दिल्ली। लता मंगेशकर स्वर कोकिला कही जाती हैं। उन्होंने सिनेमा को हजारों कल्ट क्लासिक गानों से नवाजा है, दशकों तक चाहने वालों को दीवाना बनाया है। डायरेक्टर-प्रोड्यूसर लता मंगेशकर को कास्ट करने के लिए लाइन में लगे रहते थे। लता मंगेशकर भी गायिकी के लिए समर्पित थीं। उन्होंने बेझिझक गाने गाए और नाम कमाया। मगर शायद ही आपको पता है कि उन्होंने अपना एक कल्ट गाना गाने से इनकार कर दिया था। 48 साल पहले उन्होंने शिव भक्ति से जुड़ा गीत गाना था, लेकिन उन्होंने पहले इनकार कर दिया था।

सुपरहिट गाने की कहानी

यह गीत है राज कपूर की फिल्म सत्यम शिवम सुंदरम का टाइटल ट्रैक । जीनत अमान पर फिल्माया गया ये गीत लता मंगेशकर ने अपनी आवाज में अमर कर दिया। करीब पांच दशक के बाद भी यह गाना लोगों की जुबान पर रहता है। इस गाने को गवाने लिए राज कपूर को लता मंगेशकर को मनाना पड़ा था। वह उनसे इतना खफा हो गई थीं कि उन्हें स्टूडियो में भी नहीं आने दिया था।

भाई के चक्कर में लता-राज के बीच अनबन

इस नाराजगी के पीछे की वजह राज कपूर पर लिखी किताब 'राज कपूरः द वन एंड ओनली शोमैन' में उनकी बेटी रितु नंदा ने बताई है। रितु नंदा ने किताब में बताया था कि राज कपूर ने सत्यम शिवम सुंदरम में म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर पहले लता मंगेशकर के भाई हृदयनाथ मंगेशकर को लेने वाले थे। उन्होंने ही सिंगर से गुजारिश की थी कि वह हृदयनाथ को मनाएं।

राज कपूर से मांगी थी गानों की रॉयल्टी

लता ने राज कपूर के लिए कई गाने गाए थे, लेकिन कभी रॉयल्टी नहीं ली। मगर जब भाई को रिप्लेस किया गया तो उन्होंने राज कपूर से गाने की रॉयल्टी मांगना शुरू कर दिया। चीजें बढ़ती गईं और लता मानने को तैयार नहीं थी। फिर पंडित नरेंद्र शर्मा की एंट्री हुई जिन्हें लता अपने पिता की तरह मानती थीं। उनका मानना था कि 'सत्यम शिवम सुंदरम' के गानों के साथ कोई और सिंगर न्याय नहीं कर सकता, इसलिए उन्होंने लता को इन गानों के लिए अपनी आवाज देने के लिए मनाया।

गाना गाने से किया था इंकार

राज कपूर के कहने पर हृदयनाथ राजी हो गए। मगर जब लता मंगेशकर काम से यूएस गईं और वापस आईं तो पता चला कि राज कपूर ने हृदयनाथ को हटाकर लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल को फिल्म में शामिल कर लिया है। इस बात से लता बहुत नाराज हुईं। उनसे बिना पूछे या बताए राज कपूर ने यह फैसला लिया था। गुस्से में सिंगर ने उनका गाना गाने से ही इंकार कर दिया था।

दो शर्तों पर गाया था लता ने हिट गाना

आखिरकार पंडित नरेंद्र शर्मा के कहने पर लता मंगेशकर ने गाने के लिए हामी भरी लेकिन शर्तें भी रखीं। उनकी शर्त थी कि वह स्टूडियो में किसी से भी बात नहीं करेंगी। साथ ही लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल से यह भी कह दिया था कि उनके रिकॉर्डिंग सेशन के दौरान वे राज कपूर को स्टूडियो में न आने दें। लता ने गाना गाया और बिना किसी से बात किए चली गईं। फिर दोनों के बीच रॉयल्टी को लेकर बहस भी हुई। मगर बाद में राज कपूर ने उन्हें मना लिया था।

ऋषिकांत सिंह ने वेटलिफ्टिंग में स्नैच रिकॉर्ड के साथ जीता सिल्वर मेडल

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

क्लीन एवं जर्क में अंतिम दो प्रयास में चूकने के बाद भारत के ऋषिकांत सिंह चानमबम को रविवार को राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 60 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

मणिपुर के ऋषिकांत ने कुल 264 किग्रा (121 और 143 किग्रा) वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 121 किग्रा वजन उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी की। हालांकि क्लीन एवं जर्क में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके, जिसके कारण दूसरे स्थान पर रहे।

स्नैच में ऋषिकांत ने बनाया नया रिकॉर्ड

ऋषिकांत ने स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि क्लीन एवं जर्क में वह केवल 143 किग्रा वजन ही उठा सके। मलेशिया के बिन कसदान मोहम्मद अनीक ने कुल 273 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाने के बाद क्लीन एवं जर्क में खेलों का रिकॉर्ड 152 किग्रा वजन उठाया। कीनिया के जोशुआ अमुंगा एमबोया ने कुल 260 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 115 जबकि क्लीन एवं जर्क में 145 किग्रा वजन उठाया।

स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाकर की रिकॉर्ड की बराबरी

सक्षम खिलाड़ियों के बीच भारत का पहला पदक

स्नैच में ऋषिकांत ने सफलतापूर्वक 116 किग्रा वजन उठाकर शुरुआत की और फिर 119 किग्रा और आखिर में 121 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क में ऋषिकांत ने पहले प्रयास में 143 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया लेकिन दूसरे प्रसास में 148 और तीसरे प्रयास में 151 किग्रा वजन उठाने में नाकाम रहे और स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। ऋषिकांत का यह पदक मौजूदा खेलों में सक्षम खिलाड़ियों के बीच भारत का पहला पदक है।

महिला वॉल्ट फाइनल में प्रतिष्ठा सामंता

भारत की प्रतिष्ठा सामंता ने राष्ट्रमंडल खेलों की जिम्नास्टिक प्रतियोगिता की महिला वॉल्ट स्पर्धा के क्वालीफाइंग में पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई। पश्चिम बंगाल की 22 वर्षीय खिलाड़ी प्रतिष्ठा ने अपने दोनों वॉल्ट में 13.025 अंक हासिल करके शीर्ष आठ खिलाड़ियों में जगह पक्की की। भारत की ही प्रणति नायक हालांकि मामूली अंतर से क्वालीफाई करने से चूक गई। वह 12.555 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहकर तीसरी रिजर्व खिलाड़ी रहीं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में इशिता रेवाले 11.725 अंकों के साथ 15वें, जबकि निशिका अग्रवाल 11.075 अंकों के साथ 19वें स्थान पर रहीं। आलराउंड प्रतियोगिता में प्रतिष्ठा और इशिता दोनों ही फाइनल में जगह नही बना पाई।

खबर संक्षेप

अब्दुल्ला शफीक पाकिस्तानी टेस्ट टीम में शामिल

कराची। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला और और उसके बाद इंग्लैंड दौरे में होने वाले तीन टेस्ट मैचों के लिए सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और सऊद शकील को अपनी राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि शफीक को चोटिल अब्दुल्ला फजल के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है, जबकि शकील को विदेशी दौरों पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए टीम में जोड़ा गया है। शफीक वेस्टइंडीज में टीम से जुड़ गए हैं। वह गयाना में ग्लोबल टी20 लीग में खेल रहे थे।

स्कॉटिश ओपनः शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब दीक्षा

डुनडोनाल्ड लिंक्स। गोल्फर दीक्षा डागर तीसरे दौर में दो अंडर 70 के स्कोर से महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। तीन दौर के बाद दीक्षा का कुल स्कोर एक ओवर है। लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता दीक्षा ने बारिश और तेज हवाओं के बीच 18वें होल में बर्डी का मौका गंवा दिया लेकिन इसके बावजूद अंडर पार का स्कोर बनाने में सफल रहीं। इससे पहले भारत की अवनि प्रशांत और प्रणवी उर्स कट हासिल करने में नाकाम रहीं। कोरिया की जेनी शिन 12 अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं। उन्होंने तीसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाया।

निशानेबाजी विश्व कपः पदक से चूके ऐश्वर्य, नीरज

हांगझोउ। भारत के दो निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल, पिस्टल, शॉटगन) में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बावजूद पदक जीतने में नाकाम रहे, जिससे देश केवल एक रजत पदक के साथ तालिका में संयुक्त सातवें स्थान पर बना हुआ है। भारतीय राइफल निशानेबाजों की किस्मत एक बार फिर उनका साथ नहीं दे सकी। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ऐश्वर्य और एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता नीरज दोनों आठ निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचे, लेकिन क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन को पदक में नहीं बदल सके। ऐश्वर्य ने 314.3 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया जबकि नीरज 303.4 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे।

कल होगा टीम का ऐलान, वाशिंगटन पहले टेस्ट से बाहर

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले टीम चयन में फिटनेस बनी बड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय चयनकर्ता श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले चयन को लेकर दुविधा में हैं, क्योंकि वाशिंगटन सुंदर की 15 अगस्त से गॉल में होने वाले पहले मैच के लिए समय पर ठीक होने की संभावना नहीं है, जिससे रिजर्व स्पिनर का स्थान खाली हो जाएगा। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम की घोषणा मंगलवार को की जाएगी और अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के लिए सबसे बड़ी चुनौती फिट टीम का चयन करना है क्योंकि कई खिलाड़ी फिटनेस संबंधी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी फिटनेस टेस्ट देना होगा। वह चोट लगने के कारण लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में नहीं खेल पाए थे।

बीसीसीआई ने किया फिटनेस अपडेट जारी

बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने फिटनेस संबंधी अपडेट जारी कर बताया है कि हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी दोनों ही श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। यह दोनों खिलाड़ी मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से जूझ रहे हैं और अभी फिट होने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। चयन मामलों से परिचित बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'वाशिंगटन दूसरे टेस्ट तक ही फिट हो पाएंगे। यह देखना बाकी है कि चयनकर्ता उनकी फिटनेस के आधार पर उन्हें एक मैच के लिए चुनते हैं या नहीं। अगर ऐसा नहीं हो पता है तो उन्हें स्पिन विभाग में रविंद्र जडेजा, मानव सुथार और कुलदीप यादव के अलावा चौथे विकल्प की तलाश करनी होगी। अगर वे हर्ष दुबे का चयन करते हैं, तो तीन गेंदबाज एक जैसे कौशल के हो जाएंगे।' ऐसी परिस्थितियों में ऑफ-स्पिनर सारांश जैन को मौका मिल सकता है, जो निचले मध्य क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज भी हैं।

सारांश को मिल सकता है मौका

सारांश ने हाल में श्रीलंका ए के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो मैचों में छह विकेट लिए और एक मैच में नाबाद 70 रन बनाए। मुख्य कोच गौतम गंभीर बल्लेबाजी क्रम को मजबूत रखने की रणनीति को प्राथमिकता देते रहे हैं और ऐसे में सारांश अच्छे विकल्प हो सकते हैं। अन्य विकल्पों में जीशान अंसारी और विपराज निगम जैसे कलाई के स्पिनर शामिल हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि निगम सीमित ओवरों के प्रारुप के लिए अधिक उपयुक्त हैं।

आकाशदीप 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' से उबर रहे

बुमराह के उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे। एक अन्य तेज गेंदबाज आकाशदीप अभी भी 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' से उबर रहे हैं। सूत्र ने कहा, 'आकाश निर्देशों के अनुसार प्रतिदिन लगभग 12-15 गेंदें फेंक रहे हैं। उन्हें पूरी तरह फिट होने में अभी कुछ समय लगेगा।' भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो में शुरू होगा। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी तरह से फिट हो गए हैं और अगस्त से भारत की तरफ से सीमित ओवरों के मैच खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

आईसीसी रैंकिंग

भारत फिर बना टी20 क्रिकेट किंग, इंग्लैंड की बादशाहत खत्म

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत ने हरारे में चल रही तीन मैच की श्रृंखला में जिम्बाब्वे के खिलाफ 2-0 की विजयी बढ़त बनाकर रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में फिर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारत ने इंग्लैंड को पछाड़ा, जिसने हाल ही में श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम को 0-4 से हराकर पांच मैच की श्रृंखला जीती थी। इससे पहले भारत को आयरलैंड के खिलाफ भी 0-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

भारतीय टीम की जीत की राह पर वापसी

भारतीय टीम ने हालांकि जीत की राह पर वापसी करते हुए हरारे में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में जिम्बाब्वे को सात विकेट से हराया और फिर दूसरे मैच में 90 रन की जीत के साथ 2-0 की बढ़त बना ली। दूसरे टी20 में अर्धशतक जड़ने वाले भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज इशान किशन बल्लेबाजों की सूची में 892 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद अभिषेक शर्मा (858 अंक) का नंबर आता है। किशन की तरह दूसरे टी20 में अर्धशतक जड़ने वाले तिलक वर्मा 733 अंक के साथ आठवें पायदान पर बरकरार हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेल रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती शीर्ष 10 में अकेले भारतीय गेंदबाज हैं। वह 683 अंक के साथ पांचवें स्थान पर बने हुए हैं।

क्रिकेट

सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे सीरीज में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| हरारे

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा अर्धशतक जमाने के साथ वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रच दिया है। वैभव 16 साल की उम्र से पहले इस फॉर्मेट में 2 बार अर्धशतक जड़ने वाले पहले पुरुष बन गए हैं। वैभव फिलहाल 15 साल और 121 दिन की उम्र के हैं।

- टी20 में 15 साल और 121 दिन की उम्र में वैभव का दूसरा अर्धशतक

वैभव सूर्यवंशी ने रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जारी टी20 सीरीज के तीसरे मैच में 49 गेंदों का सामना करते हुए 4 छक्कों और 8 चौकों के साथ 81 रन की पारी खेली। वैभव टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने 15 साल और 118 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। वैभव ने इसी सीरीज के पहले मैच में 19 गेंदों का सामना करते हुए 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली थी।

ईशान के संग की 75 रन की साझेदारी

रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में वैभव सूर्यवंशी ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंदों में 75 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 95 के स्कोर तक पहुंचाया। वैभव ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 29 गेंदों में 50 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। वैभव ने 81 रन की पारी खेली।

विश्व चैंपियनशिप जीतना मायने रखता है : अनाहत

नई दिल्ली। भारत की नंबर एक खिलाड़ी अनाहत सिंह ने कहा कि विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप जीतना उनके लिए बहुत मायने रखता है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। अनाहत ने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे अब भी ऐसा लग रहा है जैसे मैं सपना देख रही हूं।'' दिल्ली की इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले चार वर्षों से मैं सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में हार रही थी। अगर कोई मुझसे पूछे तो मैं हमेशा यही कहती हूं, 'यह टूर्नामेंट मेरे लिए अभिशाप है' और मैं इस प्रतियोगिता में कभी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हूं।'अनाहत ने कहा, 'जूनियर स्तर पर यह मेरा आखिरी साल है और इसे जीतने का यह मेरे पास आखिरी मौका था। इसलिए यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' अनाहत ने कहा कि वह टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने के अनुभव का आनंद लेना चाहती थीं।

पाक-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज : हॉज ने खेली नाबाद पारी, पहले दिन बने 194 रन

एजेंसी ▶▶| तारौबा

कावेम हॉज की नाबाद 83 रन की पारी की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के बारिश से प्रभावित शुरुआती दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए। बारिश और खराब रोशनी के कारण पहले दिन केवल 67 ओवर ही फेंके जा सके। पहले सत्र में केवल 14.1 ओवर फेंके गए।

वेस्टइंडीज के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद हॉज ने तीनों सत्र में बल्लेबाजी की। वह नौवें ओवर में क्रीज पर उतरे जब मोहम्मद अब्बास ने ब्रैंडन किंग (12) को आउट किया। जब खिलाड़ी लंच के बाद वापस लौटे बारिश के कारण पिच से गेंदबाजों को मदद मिलने लगी थी लेकिन हॉज डटे रहे। वेस्टइंडीज ने इस बीच सलामी बल्लेबाज तेगनारायण चंद्रपाल (21) और अमीर गांजू (21) के विकेट गंवाए। दिन का खेल समाप्त होने के समय हॉज के साथ शाई होप 39 रन बनाकर खेल रहे थे। यह दोनों चौथे विकेट के लिए अभी तक 88 रन जोड़ चुके हैं।

उस्मान अली का 33 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू

पाकिस्तान की तरफ से अब्बास ने 44 रन देकर दो विकेट लिए हैं। पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर उस्मान अली ने 33 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने दिग्गज ऑलराउंडर गारफील्ड सोबर्स की याद में काली पट्टी पहनी, जिनका हाल में 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

यूथ हॉकी एशियन चैंपियनशिप में पाकिस्तान को दी मात

एशियन चैंपियन बनी टीम इंडिया, महिला टीम को रजत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम ने मस्कट में खेली गई एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब जीता लेकिन महिला टीम को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। भारत की दोनों टीम ने हालांकि पांच-पांच खिलाड़ियों के साथ खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पुरुष वर्ग के फाइनल में भारत ने शुरू से ही पाकिस्तान पर दबदबा बनाए रखा तथा रोमित पाल (पांचवें), कप्तान केतन कुशवाहा (12वें) और शाहरुख अली (13वें मिनट) के गोल की मदद से भारत एशियाई चैंपियन बनने में सफल रहा। इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष टीम एलीट पूल तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई।

फाइनल में चीन से हारी भारतीय महिला टीम

महिला वर्ग की प्रतियोगिता में भारतीय सब जूनियर टीम ने चीन के खिलाफ फाइनल में कड़े मुकाबले में 2-4 से हार झेलने के बाद रजत पदक जीता। इससे पहले दिन में भारत ने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान को 8-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। फाइनल में चीन ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहले ही मिनट में टोंगटोंग लू के गोल से बढ़त हासिल कर ली। भारत ने 13वें मिनट में नौशीन नाज के गोल से अंतर कम किया लेकिन चेन गे ने 19वें मिनट में चीन को फिर से तीन गोल की बढ़त दिला दी। पुष्पा मांझी ने 20वें मिनट में गोल करके भारत की उम्मीद जगाई लेकिन चीन ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए खिताब जीत लिया।

नरसिंहपुर में डंपर से रौंदकर हत्या के मामले में कार्यवाही

डॉ. अमित खरे की गिरफ्तारी के बाद स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल सील

जबलपुर। डंपर से रौंदकर पांच लोगों की कथित तौर पर हत्या करने मामले में गिरफ्तार किये गये स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अमित खरे पर प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर अस्पताल को सील कर उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया गया।

जांच के दौरान अस्पताल में कोई डिग्रीधारी चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। वहीं पंजीकृत नर्सिंग स्टाफ, फार्मेसी और निर्धारित मानकों के अनुरूप पैथोलॉजी तकनीशियन भी नहीं पाए गए। अधिकारियों के बुलाने के बावजूद कोई चिकित्सक अस्पताल नहीं पहुंचा। निरीक्षण के दौरान भर्ती आठ मरीजों को सुरक्षित उपचार के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। प्रशासन ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ पंचनामा तैयार कर नोटिस जारी किया है और एक माह के भीतर सभी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जांच में फायर एनओसी और भवन अनुज्ञा से जुड़े दस्तावेजों में भी गंभीर कमियां सामने आईं, जिसके आधार पर अस्पताल को सील करने की कार्रवाई की गई।

हत्याकांड के बाद तेज हुई प्रशासनिक कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि नरसिंहपुर के हाथीनाला में पांच युवकों की सुनियोजित हत्या के मामले में पुलिस ने जबलपुर निवासी डॉ. अमित खरे को मुख्य आरोपियों में शामिल करते हुए गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि पैसों के लेनदेन और एमएलसी विवाद के चलते कथित साजिश रची गई थी। इसी गिरफ्तारी के बाद जिला प्रशासन ने अस्पताल की वैधानिक व्यवस्थाओं की जांच शुरू की, जिसमें कई नियमों के उल्लंघन उजागर होने पर यह कार्रवाई की गई। मामले में आगे भी प्रशासनिक कार्रवाई जारी रहने की संभावना है।

कांबिंग गश्त में 229 वारंट तामील

अवैध शराब के साथ 29 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शुक्रवार रात शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक कांबिंग गश्त की गई। रात 9 बजे से शनिवार तड़के 2 बजे तक चली कार्रवाई में वर्षों से फरार 108 गैर-मियादी वारंट और 74 गिरफ्तारी वारंट सहित कुल 229 वारंट तामील किए गए, जबकि 47 जमानती वारंट भी निष्पादित किए गए। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 29 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 51 लीटर कच्ची शराब और 116 पाव देशी व अंग्रेजी शराब जब्त की गई। पुलिस ने सक्रिय बदमाशों की भी जांच की तथा देर रात घूमने वाले लोगों से पूछताछ की। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मुसाफिरखानों में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि जिले में कानून व्यवस्था मजबूत बनी रहे और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम रहे।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने छात्रों को खिलाई मेलोडी

जबलपुर। राष्ट्रीय छात्र संगठन जबलपुर ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद मालवीय चौक पर छात्र नेता अनुराग शुक्ला के नेतृत्व में छात्रों को मेलोडी खिलाकर और मिठाई बांटकर खुशी जताई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने इसे छात्रों और युवाओं के संघर्ष की पहली जीत बताया। छात्र नेता अनुराग शुक्ला ने कहा कि देशभर के छात्रों और युवाओं ने परीक्षा में अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली और छात्रों पर हुए दमन के खिलाफ लगातार संघर्ष किया। जनदबाव के चलते सरकार को झुकना पड़ा और शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सागर शुक्ला, रिजवान अली कोटी, कपिल भोज, बादल पंजवानी, अमित सोनकर, लक्ष्य राजपूत सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर फार्मेसी छात्रा का दुष्कर्म

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली 21 वर्षीय फार्मेसी छात्रा ने एक फार्मासिस्ट पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और गर्भवती होने पर गर्भपात कराने के बाद शादी से इंकार करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी नीरज राठौर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार छात्रा नवंबर 2025 में एक निजी अस्पताल में इंटर्नशिप के दौरान आरोपी के संपर्क में आई थी। दोनों के बीच परिचय बढ़ा और आरोपी ने शादी का वादा कर उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। पुलिस के मुताबिक 13 मार्च को आरोपी ने दोस्त की जन्मदिन पार्टी का हवाला देकर छात्रा को धनवंतरी नगर स्थित अपने घर बुलाया। देर रात पार्टी समाप्त होने के बाद उसने शादी का भरोसा देकर छात्रा के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह कई बार उसे घर बुलाकर शारीरिक शोषण करता रहा। गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर आरोपी ने पहले दवाएं देकर गर्भपात कराने का प्रयास किया और तबीयत बिगड़ने पर उसे डॉक्टर के पास ले गया।

समान नागरिक संहिता पर दायर जनहित याचिका वापस

हाईकोर्ट ने कहा - नए कानून को चुनौती देने का अधिकार रहेगा सुरक्षित

जबलपुर। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने के बाद उससे संबंधित एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सामने आया। यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) को याचिकाकर्ता ने वापस ले लिया, जिसके बाद हाईकोर्ट ने उसे निरस्त कर दिया। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि लागू कानून के किसी प्रावधान की संवैधानिक वैधता पर भविष्य में अलग याचिका दायर की जा सकती है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि राज्य विधानसभा से यूसीसी विधेयक पारित होकर कानून का रूप ले चुका है। ऐसे में पहले दायर याचिका अब प्रभावहीन हो गई है। इस आधार पर याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। यह

जनहित याचिका भोपाल के पूर्व पार्षद मेवालाल ने दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि समान नागरिक संहिता लागू करने से पहले संविधान में निर्धारित आवश्यक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इसमें विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से जुड़े राष्ट्रीय आयोगों से परामर्श नहीं लेने का मुद्दा उठाया गया था।

याचिका में यह भी कहा गया था कि प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों को संविधान की पांचवीं अनुसूची के तहत उनके पारंपरिक रीति-रिवाजों और प्रथागत कानूनों का संरक्षण प्राप्त है। ऐसे में यूसीसी के कुछ प्रावधान इन अधिकारों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा लिव-इन रिलेशनशिप के अनिवार्य पंजीकरण संबंधी प्रावधान को निजता के मौलिक अधिकार के विपरीत बताते हुए चुनौती दी गई थी। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह और उप महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने पक्ष रखा। सुनवाई के अंत में हाईकोर्ट ने याचिका को वापस लिए जाने के आधार पर निरस्त कर दिया, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया कि यदि लागू यूसीसी के किसी प्रावधान की संवैधानिक वैधता पर विवाद उत्पन्न होता है तो संबंधित पक्ष नई याचिका दायर कर न्यायिक परीक्षण की मांग कर सकता है।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव कल

3313 अधिवक्ता करेंगे मतदान

जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ के बहुप्रतीक्षित चुनाव अब 28 जुलाई को कराए जाएंगे। इससे पहले चुनाव के लिए 20 जुलाई को मतदान प्रस्तावित था, लेकिन चुनाव प्रक्रिया विवादों में घिरने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद नई निर्वाचन समिति का गठन किया गया, जिसने चुनाव कार्यक्रम जारी करते हुए 28 जुलाई को मतदान की नई तिथि घोषित की। चुनाव में 3313 अधिवक्ता मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान संपन्न होने के बाद मतपेटियों को सुरक्षित रखा जाएगा और 29 जुलाई को मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस बार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, पुस्तकालय सचिव और कार्यकारिणी सदस्य सहित विभिन्न पदों के लिए चुनाव हो रहे हैं। अध्यक्ष पद के लिए 6, उपाध्यक्ष पद के लिए 10, सचिव पद के लिए 8 प्रत्याशी मैदान में हैं, जबकि अन्य पदों पर भी कई उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल है। प्रत्याशी लगातार जनसंपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं। निर्वाचन समिति ने निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिला अधिवक्ता संघ के नए पदाधिकारियों के चयन को लेकर अधिवक्ता समुदाय की निगाहें अब 28 जुलाई के मतदान और 29 जुलाई को आने वाले परिणामों पर टिकी हैं।

पत्नी, सास, साली और साढ़ू की प्रताड़ना से तंग युवक ने लगाई फांसी

जबलपुर। गोरखपुर थाना क्षेत्र के शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी 34 वर्षीय जय विश्वकर्मा की आत्महत्या मामले में पुलिस ने मर्ग जांच के बाद पत्नी, सास, साली और साढ़ू भाई के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार जय की शादी चार वर्ष पहले किरण विश्वकर्मा से हुई थी। दोनों की कोई संतान नहीं थी और पत्नी लंबे समय से मायके में रह रही थी। 28 जून को जय पत्नी को लेने ससुराल गया था, लेकिन वह वापस नहीं आई। अगले दिन जय अपने कमरे में फंदे पर लटका मिला। जांच में परिजनों ने बताया कि पत्नी किरण, सास लक्ष्मी, साली सुमन और साढ़ू नितिन उसे लगातार अपमानित और प्रताड़ित करते थे। मृतक ने बहन को मोबाइल पर संदेश भेजकर लिखा था कि वह पत्नी और उसके परिजनों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर रहा है। पुलिस ने जांच के बाद आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

रेलनीर के नाम पर यात्रियों की सेहत से खिलवाड़

नकली पैक्ड पानी बेचने वाले दो गिरफ्तार

जबलपुर। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को असली रेलनीर के नाम पर नकली पैक्ड पानी बेचकर ठगी करने वाले दो युवकों को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी खाली रेलनीर की बोतलों में स्टेशन की जलापूर्ति का पानी भरकर उन्हें सीलबंद पैक्ड पेयजल बताकर ट्रेनों में बेच रहे थे। आरपीएफ ने कार्रवाई के दौरान भरी हुई बोतलें जब्त कर दोनों के खिलाफ रेल अधिनियम की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरपीएफ के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 30 वर्षीय रवि जायसवाल उर्फ भटा, निवासी लालमाटी और वर्षीय सलमान खान, निवासी मोहरिया, हनुमानताल के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों लंबे समय से स्टेशन परिसर और आसपास से रेलनीर की खाली बोतलें इकट्ठा करते थे। इसके बाद उन्हीं बोतलों में स्टेशन की पानी सप्लाई का पानी भरकर उन्हें सीलबंद पैक्ड पानी बताकर यात्रियों को बेचते थे। बताया गया कि ट्रेन रुकते ही दोनों प्लेटफॉर्म पर पानी बेच रहे थे। इसी दौरान निगरानी कर रही आरपीएफ टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखते ही दोनों भागने लगे, लेकिन जवानों ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से नकली तरीके से तैयार की गई रेलनीर की बोतलें बरामद की गईं। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि रेलनीर की खाली बोतलों का दुरुपयोग कर नकली पैक्ड पानी बेचने की शिकायतें पहले भी मिल चुकी हैं। पूर्व में भी इस तरह के मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को देखते हुए स्टेशन परिसर में ऐसे अवैध कारोबार पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नगर निगम चुनाव से पहले सियासत गर्म

सत्ता पक्ष में खींचतान, विपक्ष मुद्दों पर हमलावर

जबलपुर। नगर निगम चुनाव में अभी करीब दस महीने का समय बाकी है, लेकिन शहर की राजनीति ने अभी से चुनावी रंग पकड़ लिया है। यदि सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार रहा तो जुलाई 2027 तक नई नगर सरकार का गठन हो जाएगा। चुनाव में अब एक वर्ष से भी कम समय बचा है, ऐसे में सत्ता और विपक्ष दोनों ने अपनी-अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इस बार महापौर पद पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित होने की संभावना ने राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं।

भाजपा और कांग्रेस दोनों में संभावित दावेदार सक्रिय हो चुके हैं। संगठन स्तर पर बैठकों का दौर तेज हो रहा है और टिकट की दौड़ भी धीरे-धीरे शुरू हो गई है। जबलपुर नगर निगम के 79 वार्डों में होने वाले चुनाव में मौजूदा राजनीतिक तस्वीर भी दिलचस्प है। वर्तमान परिषद में भाजपा के 45 पार्षद, कांग्रेस के 28 पार्षद और छह अन्य दलों एवं निर्दलीय पार्षद हैं। ऐसे में भाजपा परिषद में बहुमत की स्थिति में है, लेकिन अगले चुनाव में जनता का फैसला विकास कार्यों और जनसुविधाओं के आधार पर होगा।पिछले चार वर्षों में किए गए वादों की अब परीक्षा की घड़ी आ गई है। शहर में जल संकट, भ्रष्टाचार के आरोप, टूटी सड़कें, गड्ढे, सफाई व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर कांग्रेस लगातार हमलावर रही है। हाल ही में इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने नगर निगम के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन भी किया था। विपक्ष का प्रयास है कि नगर सरकार के कामकाज को चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाया जाए।राजनीतिक रूप से सबसे बड़ा बदलाव महापौर जगत बहादुर सिंह ₹अन्नू₹ का भाजपा में शामिल होना रहा। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने वाले महापौर के भाजपा में आने से नगर निगम की राजनीति का पूरा समीकरण बदल गया। इसके बावजूद चार वर्ष बीत जाने के बाद भी स्थायी समितियों का पूर्ण गठन नहीं हो सका है और एल्डरमैन की नियुक्तियां भी लंबित हैं। इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में लगातार सवाल उठ रहे हैं। इधर सत्ता पक्ष के भीतर भी सब कुछ सामान्य नहीं दिख रहा। हाल के दिनों में भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय बिश्नोई ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोक निर्माण मंत्री पर अपनी ही विधानसभा पाटन की सड़क की अनदेखी का आरोप लगाते हुए अप्रत्यक्ष नाराजगी जाहिर की। यह मामला राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की योजना क्रमांक-11, संजय नगर-लक्ष्मीपुर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान उत्तर-मध्य विधानसभा के विधायक स्वयं सड़क पर उतर आए। प्रभावित लोगों के समर्थन में उनका खुलकर सामने आना कई राजनीतिक सवाल खड़े कर गया। इसे भाजपा के भीतर स्थानीय स्तर पर बढ़ती असहजता और शक्ति संतुलन की राजनीति से जोड़कर भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले विधानसभा और नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में स्थानीय नेताओं की सक्रियता और राजनीतिक संदेश दोनों महत्वपूर्ण होंगे। फिलहाल इतना तय है कि नगर निगम चुनाव की औपचारिक घोषणा भले दूर हो, लेकिन चुनावी शंखनाद हो चुका है। विपक्ष जनसरोकारों को मुद्दा बनाने में जुटा है, जबकि सत्ता पक्ष को विकास कार्यों के साथ-साथ संगठन के भीतर समन्वय की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता के बीच कौन-सा मुद्दा सबसे प्रभावी साबित होता है और कौन-सा राजनीतिक दल अपनी रणनीति को चुनावी जीत में बदल पाता है।

स्मार्ट पावर उपकरण चोरों पर शिकंजा कंपनी ने दर्ज कराई एफआईआर

जबलपुर। बिजली वितरण व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले स्मार्ट पावर उपकरणों की चोरी के मामलों पर अब सख्ती शुरू हो गई है। शहर में लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं के बाद संबंधित कंपनी ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है।कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, चोर बिजली नेटवर्क में उपयोग होने वाले स्मार्ट उपकरणों को निशाना बना रहे हैं। इन उपकरणों की चोरी से न केवल कंपनी को आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। कई स्थानों पर उपकरण गायब मिलने के बाद विभाग ने आंतरिक जांच कराई, जिसमें चोरी की पुष्टि होने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।कंपनी का कहना है कि ऐसे उपकरण बिजली वितरण प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इनकी चोरी से उपभोक्ताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही चोरी में शामिल लोगों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।कंपनी ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं बिजली संबंधी उपकरणों की संदिग्ध गतिविधि या चोरी की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस अथवा संबंधित विभाग को सूचित करें, ताकि इस तरह की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240